# मिरा भाईंदर महानगरपालिका

## मुख्य कार्यालय, तिसरा मजला, छत्रपती शिवाजी महाराज सभागृह

**मा. महासभा दि. ११/०२/२०१४**

आज मंगळवार दि. ११/०२/२०१४ रोजी मिरा भाईंदर महानगरपालिकेची मा. महासभा दुपारी ३.०० वाजता सभा सुचना क्र. ९ दि. ३०/०१/२०१४ रोजीच्या विषयपत्रिकेवर विचार विनिमय करणेकरिता महापालिका सभागृह, ३ रा मजला, छत्रपती शिवाजी महाराज सभागृह येथे मा. महापौर यांच्या अध्यक्षतेखाली भरली असता खालीलप्रमाणे सदस्य हजर होते.

**उपस्थित सदस्य**

| | | |
|---|---|---|
| १) | कॅटलीन ऍन्थोनी परेरा | महापौर |
| २) | सय्यद नुरजहाँ नझर हुसेन | उपमहापौर |
| ३) | शरद केशव पाटील | सभापती, स्थायी समिती |
| ४) | पाटील ध्रुवकिशोर मन्साराम | सभागृह नेता |
| ५) | मेहता नरेंद्र लालचंद | विरोधी पक्षनेता |
| ६) | सँन्ड्रा जेफ्री रॉड्रीक्स | सदस्या |
| ७) | अशोक सुर्यदेव तिवारी | सदस्य |
| ८) | असेन्ला मेंडोन्सा परेरा | सदस्या |
| ९) | ॲड. रवि व्यास | सदस्य |
| १०) | कोठारी सुमन रमेश | सदस्या |
| ११) | कांगणे यशवंत ठकाजी | सदस्य |
| १२) | सिंग मदन उदितनारायण | सदस्य |
| १३) | पाटील रोहिदास शंकर | सदस्य |
| १४) | म्हात्रे कल्पना महेश | सदस्या |
| १५) | पिसाळ मनिषा नामदेव | सदस्या |
| १६) | निलम हरिश्चंद्र ढवण | गटनेता, शिवसेना |
| १७) | जाधव मोहन महादेव | सदस्य |
| १८) | पाटील सुनिता कैलास | सभापती, महिला व बालकल्याण समिती |
| १९) | वेतोसकर राजेश शंकर | सदस्य |
| २०) | प्रभात प्रकाश पाटील | सदस्या |
| २१) | प्रेमनाथ गजानन पाटील | सदस्य |
| २२) | शर्मा सुनिला सत्येंद्र | सदस्या |
| २३) | मेहता डिंपल विनोद | सदस्या |
| २४) | जयंतीलाल गुरुनाथ पाटील | सदस्य |
| २५) | संध्या प्रफुल्ल पाटील | सदस्या |
| २६) | पाटील वंदना विकास | उप-सभापती, महिला व बालकल्याण समिती |
| २७) | प्रविण मोरेश्वर पाटील | सदस्य |
| २८) | घरत तारा विनायक | सदस्या |
| २९) | आमगावकर हरिश्चंद्र रामचंद्र | सदस्य |
| ३०) | केळुसकर प्रशांत नारायण | सदस्य |
| ३१) | भानुशाली वर्षा गिरीधर | सदस्या |
| ३२) | पाटील वंदना मंगेश | सदस्या |
| ३३) | मुन्ना सिंग | गटनेता, अपक्ष |
| ३४) | रावल भगवती जयशंकर | सदस्या |
| ३५) | शाह राकेश रतिशचंद्र | सदस्य |
| ३६) | मेघना दिपक रावल | सदस्या |
| ३७) | जैन गिता भरत | सदस्या |
| ३८) | डॉ. जैन रमेश धरमचंद | सदस्य |
| ३९) | शुभांगी महिन कोटियन | सदस्या |
| ४०) | डॉ. राजेंद्र जैन | सदस्य |
| ४१) | बाबरा डॉनल्ड रॉड्रीक्स | सदस्या |
| ४२) | प्रतिभा प्रकाश तांगडे-पाटील | सदस्या |
| ४३) | रॉड्रीक्स मॉरस जोसेफ | सदस्य |

| | | |
|---|---|---|
| ४४) | ग्रिटा स्टिफन फॅरो | सदस्या |
| ४५) | डॉ. आसिफ गुलाब शेख | सदस्य |
| ४६) | जयमाला किशोर पाटील | सदस्या |
| ४७) | संदिप मोहन पाटील | सदस्य |
| ४८) | गोविंद हेलन जॉर्जी | सदस्या |
| ४९) | डिमेलो बर्नड अल्बर्ट | गटनेता, राष्ट्रवादी कॉंग्रेस पार्टी |
| ५०) | लियाकत ग. शेख | सदस्य |
| ५१) | परमार अनिता भरत | सदस्या |
| ५२) | पाटील प्रणाली संदिप | सदस्या |
| ५३) | झिनत रऊफ कुरेशी | सदस्या |
| ५४) | खण्डेलवाल सुरेश | सदस्य |
| ५५) | पाटील नरेश तुकाराम | सदस्य |
| ५६) | सुजाता रविकांत शिंदे | सदस्या |
| ५७) | मोहम्मद फरिद सिद्दीक कुरेशी | सदस्य |
| ५८) | काझी रशीदा जमील | सदस्या |
| ५९) | इनामदार जुबेर | गटनेता, भारतीय राष्ट्रीय कॉंग्रेस |
| ६०) | शेख अशरफ मोहम्मद इब्राहिम | सदस्य |
| ६१) | म्हात्रे सुर्यकांत खंडोजी | सदस्य |
| ६२) | डिसा मर्लिन मर्विन | सदस्या |
| ६३) | शाह सिमा कमलेश | सदस्या |
| ६४) | कासोदरिया अश्विन श्यामजी | सदस्य |
| ६५) | डॉ. नयना मनोज वसानी | सदस्या |
| ६६) | जैन दिनेश तेजराज | सदस्य |
| ६७) | भट्ट दिप्ती शेखर | सदस्या |
| ६८) | दळवी प्रशांत ज्ञानदेव | सदस्य |
| ६९) | विराणी रेखा अनिल | सदस्या |
| ७०) | सामंत प्रमोद जयराम | सदस्य |
| ७१) | अनिता जयवंत पाटील | सदस्या |
| ७२) | म्हात्रे परशुराम पद्माकर | सदस्य |
| ७३) | भोईर भावना राजू | सदस्या |
| ७४) | भोईर राजू यशवंत | सदस्य |
| ७५) | वेंचर गिल्बर्ट मेंन्डोंसा | सदस्य |
| ७६) | भावसार शिल्पा कमलेश | सदस्या |
| ७७) | वंदना रामदास चक्रे | सदस्या |
| ७८) | कमलेश यशवंत भोईर | सदस्य |
| ७९) | सुमबंड महरून्नीसा हारूनरशीद | सदस्या |
| ८०) | गावंड मंदाकिनी आत्माराम | सदस्या |
| ८१) | प्रभाकर पद्माकर म्हात्रे | सदस्य |
| ८२) | मीरादेवी रामलाल यादव | सदस्या |
| ८३) | अनिल बाबुराव भोसले | सदस्य |
| ८४) | रविंद्र भिमदेव माळी | सदस्य |
| ८५) | दक्षता राजेंद्र ठाकूर | सदस्या |
| ८६) | भगवती शर्मा | नामनिर्देशित सदस्य |
| ८७) | धनेश परशुराम पाटील | नामनिर्देशित सदस्य |
| ८८) | डॉ. सुशिल अग्रवाल | नामनिर्देशित सदस्य |

**गैरहजर सदस्य –**

| | | |
|---|---|---|
| १) | पांडे हंसूकुमार कमलकुमार | सदस्य |
| २) | मेंन्डोंसा स्टिवन जॉन | सदस्य |
| ३) | बगाजी शर्मिला विन्सन | सदस्या |
| ४) | रकवी सुहास माधवराव | सदस्य |
| ५) | शेख शबनम लियाकत | सदस्या |
| ६) | अरोरा दिपिका पंकज | सदस्या |
| ७) | दिनेश दगडू नलावडे | नामनिर्देशित सदस्य |

**रजेचा अर्ज – निरंक**

| | | |
|---|---|---|
| १) | अरविंद दत्ताराम ठाकुर | गटनेता, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना |
| २) | पुजारी कांचना शेखर | सदस्या |

**नगरसचिव :-**

राष्ट्रगीताने सभेला सुरुवात करण्यात आली.

**मा. महापौर :-**

आजच्या सभेकरीता उपस्थित सर्व सन्मा. सदस्याचे स्वागत करीत आहे. सर्व सन्मा. सदस्य, अधिकारी व कर्मचारी वर्ग, पत्रकार बंधू व शहरातील सर्व नागरीकांना मा. छत्रपती शिवाजी महाराज जयंती व महाशिवराात्रीच्या हार्दिक शुभेच्छा. सदरची सभा खेळीमेळीच्या वातावरणात पार पाडावी अशी माझी विनंती आहे.

**नगरसचिव :-**

मिरा भाईंदर महानगरपालिकेची मा. महासभा मंगळवार दि. ११/०२/२०१४ रोजी दुपारी ३.०० वाजता मिरा भाईंदर महानगरपालिका, स्व. इंदिरा गांधी भवन, मुख्य कार्यालय, तिसरा मजला, छत्रपती शिवाजी महाराज सभागृहात महासभा सुचना क्र. ०९, दि. ३०/०१/२०१४ रोजी सोबतच्या विषयपत्रिकेवरील प्रकरणांवर विचार विनिमय करण्यासाठी आयोजित करण्यांत येत आहे. प्रश्नोत्तराच्या तासाला सुरुवात होत आहे तीन वाजून ३५ मिनिटे झाली आहेत. सन्मा. तारा घरत ह्यांचा प्रश्न आहे.

**तारा घरत :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतेट धनेगावे साहेबांना विचारलेल्या त्यांनी जे २२ आरक्षणाच्या प्रश्नाचे उत्तर दिले ते बरोबर आहे का?

**सत्यवान धनेगावे :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो सन्मा. सदस्य घरत मॅडम यांनी ०९/१०/२०१३ ला प्रश्न विचारला होता. त्यांच्या प्रभागामध्ये असलेल्या आरक्षणाबाबत माहिती आरक्षणाचे डिटेल क्षेत्रफळ किती आहे त्यामध्ये अनधिकृत बांधकाम आहे का? टी.डी.आर. दिलेला आहे का? इ. सहा प्रश्न होते त्या संदर्भात नगररचना विभागाने त्यांना मनपा/नर/पत्र क्र.२५७०/२०१३-१४, दि.१४/१०/२०१३ नुसार उत्तर दिलेले आहे.

**तारा घरत :-**

हे उत्तर बरोबर आहे का?

**सत्यवान धनेगावे :-**

हो उत्तर बरोबर आहे.

**तारा घरत :-**

त्यामध्ये दिलेल्या एकुण आरक्षणाचे क्षेत्रफळ ताब्यात घेतलेलं एकुण क्षेत्रफळ दिलेले आहे ते ताब्यात घेतले आहे का?

**सत्यवान धनेगावे :-**

हो आरक्षणाचे एकुण क्षेत्रफळ किती आहे? त्यापैकी ताब्यात किती घेतले? ते त्या पत्रात नमुद केले आहे.

**तारा घरत :-**

घेतलेले क्षेत्रफळ त्याचा टीडीआर दिलेला आहे.

**सत्यवान धनेगावे :-**

टीडीआरचा डिटेल रिपोर्ट आपल्याला दिलेला आहे. प्रत्येक आरक्षणाचा रिपोर्टपण दिलेला आहे.

**तारा घरत :-**

टीडीआर देताना जागा मालकाकडुन सदर जागा रिकामी करुन घेतली आहे का? ती रिकामी आहे का?

**सत्यवान धनेगावे :-**

टीडीआर देण्याअगोदर त्या जागेचे इन्स्पेक्शन करुन त्या जागेचा आपण प्रत्यक्ष ताबा घेतो त्यानंतर टीडीआर देतो.

**निलम ढवण :-**

मा. महापौर मॅडम मी बोलू शकते का?

**मा. महापौर :-**

हो.

**निलम ढवण :-**

धन्यवाद, त्यांचे म्हणणे असे आहे की ज्याच्यात मेन्शन केली आहे ४६७०० एकुण आरक्षणाचे क्षेत्र आहे आणि ताब्यात घेतलेले क्षेत्र आहे ३०५३३ आपण टीडीआर दिलेला आहे. आणि पुर्ण ताब्यात घेतलेलं आहे तर मागच्या एका मिटींगमध्ये पण जी आपली जागा आहे रिझर्व्हेशन आहे त्याला कम्पाऊंड घालुन आपल्या ताब्यात

आहे पण तिकडे मोकळी जागा दिसत नाही तिथे मोकळी जागा दिसत नाही मग ती आपली जागा आहे त्याच्यावर एवढे अनधिकृत बांधकाम झालेले आहे.

**सत्यवान धनेगावे :-**

आरक्षण क्र. १२२ खेळाचे मैदान व सामाजिक वनीकरण या आरक्षणाबाबत आपण बोलता ह्या आरक्षणाचे टोटल क्षेत्र ४६७०० चौ.मी. आहे त्यापैकी ३०००० मी जागेचा टीडीआर देण्यात आलेला आहे. साधारण मागच्या ५-६ वर्षापुर्वी दिला आहे. टीडीआर देताना त्या जागा मोकळ्या होत्या कालांतराने काही ठिकाणी अतिक्रमण झालेले आहे. महानगरपालिकेच्या वतीने ते अतिक्रमण तोडण्याचे २-३ वेळा प्रयत्न पण झाले आहेत. त्यानंतर पुन्हा तिकडे किरकोळ बांधकाम झालेले आहेत त्याबाबतची कारवाई महानगरपालिकेकडुन होणार आहे.

**निलम ढवण :-**

साहेब, किरकोळ नाही तिकडे पुर्ण प्लॉट अतिक्रमण आहे वेढलेलं आहे आणि त्याच्यावर वेळोवेळी अतिक्रमण खाली करण्यासाठी मागे आमच्या शिवसेनेचे शिष्टमंडळ येऊन मा. आयुक्त साहेबांना भेटले होतं पावसाळ्यानंतर कारवाई होईल असे आम्हाला आश्वासन मिळाले होते परंतु, अद्यापही त्याच्यावर कोणतीही कारवाई झालेली नाही.

**सत्यवान धनेगावे :-**

ह्या जागेचे पुर्ण टिडीआर दिलेले क्षेत्र कोणते आहे जागेवर अतिक्रमण किती झालेले आहे ह्याबाबतचा डिटेल रिपोर्ट तयार करुन अतिक्रमण काढण्याची कारवाई आम्ही लवकरात लवकर करु.

**निलम ढवण :-**

साहेब, अतिक्रमण होण्या इतपत तिथे जिथे आपली आरक्षण आहेत तिथे प्रत्येक वेळी त्या त्या ठिकाणी अशीच अतिक्रमण  होतात त्यानंतर पुन्हा हाच प्रश्न निर्माण होतो की तिथे घर बांधली जातात पुन्हा त्यांचे पुर्नःवसन करणे पुन्हा हे संक्रमण शिबीर म्हणजे हे ह्या समस्या दिवसेंदिवस वाढतच जातात ज्या ज्या आपल्या आरक्षित जागा आहेत त्या आरक्षित जागांना त्याचवेळी कुंपण घालून तिथे अतिक्रमण होणार नाहीत ह्याची काळजी का घेतली जात नाही.

**सत्यवान धनेगावे :-**

त्याबाबत सन २०११-१२ पासुन आपण तसा धोरणात्मक निर्णय घेतलेला आहे की कम्पाऊंड व्हॉल्व आणि भरणी केल्यानंतरच जागा ताब्यात घेतो ह्यापुर्वी कम्पाऊंड व्हॉल्व आणि भरणीच्या बाबतीत पैसे भरुन घेऊन टीडीआर दिला जात होता ही अशी अडचण होत असल्यामुळे पुन्हा त्या धोरणात आपण बदल केलेला आहे.

**निलम ढवण :-**

साहेब, धोरणात बदल होतात. इथे बरेच निर्णय घेतले जातात परंतु त्याचे इम्प्लीमेन्टेशन किती होते? आपण पुन्हा पुन्हा सभा घेतो सभेमध्ये तेच तेच विषय येतात त्याच विषयावर चर्चा होते. इथून बाहेर गेल्यानंतर पुन्हा महिनाभराने तेच विषय येणार आणि त्याच्यावर इथे चर्चा करणार.

**संदीप पाटील :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो धनेगावे साहेब जेव्हा आरक्षण आपण ताब्यात घेतलं त्या टाईमला जागा सर्व्हे केली त्यावेळी जागा खाली होती की त्याच्यावर अनधिकृत बांधकाम झाले होते.

**सत्यवान धनेगावे :-**

जागा खाली होती.

**संदीप पाटील :-**

१०० टक्के खाली होती.

**सत्यवान धनेगावे :-**

हो.

**संदीप पाटील :-**

मग आता जेव्हा आपल्या ताब्यात जागा आली तेव्हा आणखी बांधकाम झालं का? पालिकेचा त्याच्यात वचक नाही, सिक्युरीटी गार्ड नाही पालिकेचे दुर्लक्ष झालेले आहे बिल्डर टीडीआर घेऊन मोकळा झालेला आहे. विकुन त्याची मालमत्ता घेऊन बसलेला आहे. आता प्रशासनाचं लक्ष बिल्डरनी जेव्हा टीडीआर दिला प्रशासनाने जागा ताब्यात घेतली तेव्हा त्याच्यावर आपली निगा पाहिजे होती ती निगा राखली कुठे?

**सत्यवान धनेगावे :-**

त्याच्यावर प्रशासनाचे पुर्ण लक्ष आहे झोपड्याचे बांधकाम हळूहळू होतात.

**संदीप पाटील :-**

साहेब सरकारी जागेवर झोपडीचे बांधकाम काम होतात मालकी जागेवर कधीही झोपडीची बांधकाम होत नाही.

**सत्यवान धनेगावे :-**

ही जागा महापालिकेच्या मालकीची आहे आणि आपल्यालाही माहित आहे जी दोन तीन वेळा कॉर्पोरेशनी बांधकाम तोडलेली आहेत.

**तारा घरत :-**

काही नाही दगडफेक झाल्यावर सगळे पळून आले. आरक्षणाची काही तोडफोड केलेली नाही.

**निलम ढवण :-**

काही बांधकाम झाल्यावर त्यांना स्टे ऑर्डर वगैरे मिळणे ही जी प्रोसीजर आहे ती पालिकेच्या परमिशन शिवाय मिळते का?

**सत्यवान धनेगावे :-**

स्टे ऑर्डरसाठी पालिका परमिशन देत नाही.

**निलम ढवण :-**

तरीपण त्यांना वेळ दिला जातो. तांत्रिक गोष्टीत वेळ दिला जातो स्टे घेतला जातो स्टे घेतल्यानंतर १ महिन्यांनी दोन महिन्यांनी कोणाच्या लक्षात नसते पुन्हा जरी आवाज उठवला तरी त्याच्यावर कारवाई होत नाही. ते तोडण्याचे देखील आदेश होते. तरी अद्यापी त्याच्यावर कारवाई नाही. त्याचप्रमाणे दुसऱ्या एका आरक्षणाची माहिती दिलेली आहे. १२१ लायब्ररी ते गोडदेवचेच आहे. त्याच्यात आरक्षणाचे एकुण क्षेत्र ५०० आहे आणि ताब्यात घेतलेले एकुण क्षेत्र आहे ६५०. १५० चौ.मी. ही जास्त जागा आपल्याला कोणी दिली आहे का?

**सत्यवान धनेगावे :-**

दिलेली आहे.

**निलम ढवण :-**

कोणी दिली आहे?

**सत्यवान धनेगावे :-**

डेव्हलपरने दिलेली आहे. लॅन्ड ओनरनी दिली आहे.

**निलम ढवण :-**

ऑफीशीयली दिली आहे.

**सत्यवान धनेगावे :-**

हो ७/१२ मनपाच्या नावाचा आहे.

**जयंतीलाल पाटील :-**

धनेगावे साहेब नगरसेवक तारा घरतला जी तुम्ही माहिती दिलेली आहे ह्याच्यामध्ये एक आरक्षण माझ्या प्रभागामधले आहे. तुम्ही ह्यांना कसे लिहून दिले की हे १३ प्रभागामधले आहे अजून ते खाली का आहे?

**तारा घरत :-**

त्यांनी अजून ताब्यात घेतले नाही.

**सत्यवान धनेगावे :-**

प्रभाग क्र.१३ चा जो बॉन्ड्री प्लान आहे त्या बॉन्ड्रीमध्ये जे आरक्षण आहेत त्याची डिटेल्स त्यांना दिली आहे.

**जयंतीलाल पाटील :-**

आजूबाजूचे ते खाली का ठेवले?

**सत्यवान धनेगावे :-**

तो डेव्हलपमेंट प्लान आहे तो पब्लिकच आहे.

**जयंतीलाल पाटील :-**

तिथे झोपडपट्टया होतात ना तिथे त्यामुळे घाण होते. भुमीपुत्राची ती जमिन आहे. पालिका समर्थ नसेल तर ती जमिन तुम्ही भुमीपुत्रांना परत देऊन टाका.

**सत्यवान धनेगावे :-**

भुमीपुत्र निर्णय घेऊ शकतात तो निर्णय मी कसा घेणार?

**तारा घरत :-**

ती आरक्षण भुमीपुत्रांच्याच ह्याच्यात आहेत तुम्हाला नाही हे करायचे तर त्यांना परत द्या.

**निलम ढवण :-**

साहेब, त्याच्यावरचे अतिक्रमण कधी उठेल त्याची माहिती द्या.

**सत्यवान धनेगावे :-**

आरक्षण क्र.१२२ प्ले ग्राऊंड आणि सोशल फॉरेस्टरी ह्या आरक्षणावर जी बांधकाम झाली आहेत त्यावरचा डिटेल रिपोर्ट तयार करुन लॉ डिपार्टमेंटचे ओपीनियन घेऊन कुठल्या कोर्ट केस आहेत नाहीत त्यावर इमिजिएटली कारवाई करण्यासाठी प्रस्ताव मा. आयुक्त साहेबांकडे सादर करण्यात येईल १५ दिवसामध्ये.........

**जयंतीलाल पाटील :-**

मा. आयुक्त साहेब धनेगावे साहेब मी काय बोलतो आपण ही महासभा झाल्यानंतर जे आरक्षण तुम्ही ताब्यात घेतले आहेत ते आम्हाला दाखवा की तेवढे क्षेत्रफळ जागेवर आहे का?

**सत्यवान धनेगावे :-**

एक दिवशी आपण जाऊ मी तुमच्या सोबत येतो आणि तुम्हाला जागा दाखवतो.

**संदीप पाटील :-**

त्याच्यामध्ये जे आरक्षण झाले जेव्हा आपण झोपडपट्ट्या काढतो तेव्हा पर्यायी जागा देतो तर त्यांना तिकडे देऊच नका.

**सत्यवान धनेगावे :-**

झोपडपट्टींना पर्यायी जागा देण्यामागचे धोरण आहे ९५ च्या आत असेल तर त्यांना देऊ शकतो.

**संदीप पाटील :-**

साहेब तुम्ही बोललात जेव्हा जागा हस्तांतरण झाली तेव्हा खुली होती.

**सत्यवान धनेगावे :-**

हो बरोबर

**संदीप पाटील :-**

आता बोलता झोपडपट्टी ९४ च्या अगोदरची आहे दिशाभुल कशाला करता?

**सत्यवान धनेगावे :-**

त्यांची मागणी आहे की आरक्षित जागेवर ज्या झोपड्या होत्या त्यांना पर्यायी जागा देता त्याबाबत मी उत्तर दिले.

**संदिप पाटील :-**

दिशाभुल करु नका.

**सत्यवान धनेगावे :-**

मी दिशाभुल करत नाही जे रेकॉर्डवर आहे ते बोलतो दिशाभुलचा प्रश्नच नाही.

**तारा घरत :-**

प्लान पास होऊन १४ वर्ष झाली आता ८ वर्ष तुम्ही आहात बांधकाम ८ वर्षानंतर झालेले आहे त्याचे काय?

**सत्यवान धनेगावे :-**

४ वर्षापुर्वी बांधकाम झालेले आहेत.

**तारा घरत :-**

ते का काढत नाही?

**सत्यवान धनेगावे :-**

काढणार आहेत मी आताच आपल्याला सांगितले.

**जयंतीलाल पाटील :-**

दोन वर्ष झाली हेच सांगतात की, आम्ही काढतो आता आम्ही गेलो तर तुम्ही बोलता पावसाळा गेल्यानंतर काढु असा किती वेळ जाणार आहे?

**सत्यवान धनेगावे :-**

पावसाळ्याला अजून वेळ आहे.

**जयंतीलाल पाटील :-**

किती वेळात ते काम होऊ शकते?

**सत्यवान धनेगावे :-**

मी आपल्याला आताच बोललो की मी मा. आयुक्तांना पुर्ण अहवाल सादर करतो आणि इमिजिएटली कारवाई करतो.

**जयंतीलाल पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम आणि आयुक्त साहेब हि महासभा झाल्यावर वेळ असेल तर त्या आरक्षणावर फेरी मारुया.

**सत्यवान धनेगावे :-**

मी आहे ना सगळी आरक्षण दाखवतो काही अडचण नाही.

**जयंतीलाल पाटील :-**

एकत्र जाऊ ना हा छोटा प्रश्न नाही, भरपुर मोठा प्रश्न आहे हा तुमच्यासाठी रिक्वेस्ट आहे.

**सत्यवान धनेगावे :-**

जॉईंट इन्स्पेक्शन करुया

**तारा घरत :-**

१५ दिवसात आरक्षण नक्की खाली करुन देणार का?

**सत्यवान धनेगावे :-**

१५ दिवसात नाही मी रिपोर्ट देणार आणि काही कोर्ट मॅटर असतील ते तपासून घ्यायला लागेल.

**संदीप पाटील :-**

मा. आयुक्त साहेब तुम्ही ह्याचा खुलासा करा कधी खाली करणार काय करणार? म्हणजे सदस्याचे समाधान होईल.

**सत्यवान धनेगावे :-**

मी मा. आयुक्तांच्या परवानगीने बोलतो मी आरक्षणाचे पुर्ण डिटेल्स जागा ताब्यात घेतली त्याचे क्षेत्र किती अतिक्रमण झालेले क्षेत्र किती कोर्ट मॅटर किती हा एकदम कॉम्प्रेहेन्सीव्ह रिपोर्ट आयुक्त साहेबांना सादर करुन आम्ही कारवाई करु.

**सुजाता शिंदे :-**

मा. महापौर मॅडम सदस्यांनी विचारलेल्या प्रश्नाबद्दल मला बोलायचे आहे १२२ क्रमांक आरक्षणामधील सर्व्हे क्र. ३४५ मौजे गोडदेव देण्यात आलेल्या टी.डी.आर चुकीच्या  पध्दतीने देण्यात आलेला असून तो रद्द करण्याबाबत विषयाअंतर्गत आपणांस कळविण्यात येते की, मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील आरक्षण क्र. २२ वरील सर्व्हे क्र.३४४/५ मौजे गोडदेव येथील खेळाचे मैदान व सामाजिक वनीकरण आरक्षण असून त्यांचा टीडीआर देण्यात आलेला आहे सदर टीडीआर देताना पेपरामध्ये डिक्लरेशन दिले होते त्या पेपर डिक्लरेशनला हे त्यावेळी उत्तर दिले होते मग त्यावेळी ह्यांनी ऑब्जेक्शन का घेतले नाही? १४ दिवसाचे टाईम असते त्यामध्ये उत्तर द्यायला पाहिजे तिकडच्या लोकांनी तेव्हा उत्तर मागितले होते त्यांना पालिकेने उत्तर का नाही दिले? वर्तमान पत्रात आलेल्या हरकती संदर्भात आलेल्या जाहिराती बाबत आझाद नगर येथील रहिवाश्यांनी हरकती घेतली होत्या मनपा डीसीरुल प्रमाणे सदर जमिन टीडीआर देताना मोकळी व निर्विवाद असावी असे असता सदर जागेवर औद्योगिक गाळे, गॅरेज, झोपडपट्टी असताना मनपाने सदर जमिनीचा टीडीआर दिलेला असून तो चुकीचा आहे ह्यामुळे अनेक कुटुंबे भविष्यात बेघर होतील तरी मा. महोदयांनी ह्या विषयाचे गांर्भिय घेऊन चुकीच्या पध्दतीने देण्यात आलेला टीडीआर रद्द करण्यात यावा ही विनंती अशी माझी सुचना आहे.

**तारा घरत :-**

माझे अनुमोदन आहे.

**मा. महापौर :-**

मॅडम ह्याच्यात सुचना होत नाही.

**सुजाता शिंदे :-**

मी सांगितलेले लक्षात ठेवा त्याचा सर्व्हे २००५ मध्ये झाला होता पालिकेचा सर्व्हे २००५ मध्ये झाला होता मग ह्या लोकांनी टीडीआर कसा दिला?

**नरेंद्र मेहता :-**

मा. आयुक्त साहेब मनपाची जेवढी जागा ताब्यात आलेली आहे मेजोरीटी जागेवर झोपडे झाले आणि हेही सत्य आहे की झोपडी प्लास्टीक टाकून तात्पुरत्या स्वरुपाचे बनवतात एक झाले की २-३ होतात संदीप पाटील ने सांगितले की हे बिल्डरच्या जागेवर का होत नाही? हे मनपाच्याच जागेवर का होते? मध्ये आम्ही अशी सुचना केली होती की सिक्युरीटी एजन्सी किंवा त्यासाठी आपले एक विशेष पथक त्याचे काम तेच राहणार कारण प्रत्येक आरक्षणासाठी सिक्युरीटी ठेवणे हेही आपल्याला परवडणार नाही अशा लोकांकडे मनपाची यादी असेल दगड जरी ठेवला तरी काढुन टाकायचा त्यांना हेच काम दुसरे काही कामच करायचे नाही. उदाहरण सांगतो आरएनए एक गाडी कचरा टाकला किंवा माती टाकली तर तिकडे सगळे धावत येतात अशा आपल्याकडे सिक्युरीटी आहेत त्यांना तेच काम ह्या १० लोकाची पथक नेमणूक केलेली आहे की ही जी आरक्षण आहेत तिकडे रोज सकाळी जाऊन फेरी मारायची ते आपण वेळोवेळी काढले तर खर्च वाचणार आणि आपल्या जागा सुरक्षित राहतील आपण सरसकट काढले तरी सहा महिन्यांनी तेच आणि पावसाच्या काळात असे बंधन असते की झोपड्या काढायच्या नाही अतिक्रमण हे झोपड्यांनीच झालेले आहे कधी पोलिस प्रोटेक्शन नाही पण आपली सिक्युरीटी असली की त्यांनी दगड, प्लास्टिक ठेवले तर इमिजिएटली काढायला पाहिजे त्यासाठी आपल्याला विनंती राहील की विशेष एक १०-११ लोकांची सिक्युरीटी टीम अपॉईंट करुन ती जबाबदारी त्यांनी टाऊन प्लानिंग कडुन यादी घ्यायची रोज त्यांचे काम त्या जागेवर जाऊन बघुन यायचे आपल्या मनपाचा बोर्ड आहे की नाही त्या जागेवर झोपड्या झाल्या का झाल्यातर त्याचवेळी लगेच काढता येतील त्यावेळी पोलिस बळ लागत नाही नंतर नागरीकांना ती सवय होईल की आपण मनपाच्या जागेत गेलो तर अशी ती लोक येतील नाहीतर त्यांना माहित आहे की मनपाची सरकारी जमिन आहे कोण येत नाही चालले तर दोन झाले दहा झाले वीस झाले शेवटी आपल्याला हे भोगायला लागतात भविष्यातला खर्च कमी करण्यासाठी आणि जागा सुरक्षित ठेवण्यासाठी आपण वेगळी टीम अपॉईंट करावी अशी मा. महापौर आपल्याला विनंती.

**रोहिदास पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम आरक्षण क्र.१२२ बद्दल जे प्रशासनाने उत्तर दिले त्याच्यात थोडी गफलत आहे आरक्षण क्र.१२२ वर सध्या जी सत्यस्थिती आहे ती अशी आहे की त्याठिकाणी काही गॅरेजेस आहेत काही ठिकाणी कारखाने आहेत. काही ठिकाणी कच्ची बांधकाम आहेत आपण ज्यावेळी ताब्यात घेतले तेव्हाची परिस्थीती आणि आताची परिस्थीती ह्याच्यात पुष्कळ फरक आहे आपण पुन्हा पुन्हा म्हणतो की, मनपाची

आरक्षण सुरक्षित राहिली पाहिजेत. पण सुरक्षित राहण्यासाठी जी प्रिकॉशन घ्यायला पाहिजे किंवा मनपाची जी दहशत पाहिजे ती त्यांना वाटत नाही जो मोकळा फिरतो तो कुठेही तंबु उतरवतो दोन प्लास्टिक बांधतो पहिल्यांदा प्लास्टिक मग पत्रा नंतर कचरा मग कचऱ्यावर आमचे उदरनिर्वाहाचे साधन आहे मग आमच्यासारखे पुढारी त्याच्यामागे येतात मनपा आता मोठी झाली शहरातल्या विशिष्ठ आरक्षणावर मा. महापौर, मा. आयुक्त आपले लक्ष असणे गरजेचे आहे आरक्षण क्र.१२२ हे हार्ट आहे काही जरी झालं तरी ह्या शहराचे गोल्डन नेस्टचा तो नाका आहे त्याचठिकाणी ती सगळी कचरपट्टी दिसते तीच झोपडपट्टी दिसते मा. आयुक्त साहेब आमची विनंती आहे की अत्यंत तातडीने सगळ्यांसाठी स्टे नाही ह्याला म्हणतात सभागृहाचा आपण मान ठेवला सन्मा. सदस्यांनी विनंती केली आणि मा. महापौरांनी किंवा मा. आयुक्ताने कारवाई केली उद्या त्याच्यावर होणे गरजेचे आहे जे स्टे नाही ते तरी काढा ह्या सभागृहात झालं आणि उद्या काढले असे होऊ द्या लोकांपर्यंत मेसेज तरी जाउु द्या मग तो कोणत्याही पक्षाचा सदस्य असू दे ह्या सभागृहाचा सन्मा. सदस्य मा. महापौरांकडे मा. आयुक्तांकडे विनंती करतो आणि ती कारवाई होते हे तरी चित्र तयार करा.

**अनिल भोसले :-**

मा. महापौर मॅडम आपल्या परवानगीने बोलतो ह्या शहरामध्ये प्रत्येक वॉर्डमध्ये अनेक आरक्षण आहेत मनपा जे आरक्षणातील अनधिकृत झोपडपट्ट्या काढुन घेतल्या त्याबद्दल मनपाला धन्यवाद देतो. परंतु, त्याचबरोबर त्या आरक्षणाच्या जागेवर असे अनेक लोक आहेत त्यांच्या जागा होत्या ते जागेचे मालक आहेत त्यांनी मनपाला जागा हॅन्डओव्हर केली नाही अशा ठिकाणी काही झोपडी धारकानी जागा विकत घेऊन स्वतःची घर बांधलेली आहेत हे तेवढंच खरं आहे पण मनपाने त्यासाठी अनेकवेळा पत्रव्यवहार केला होता माझी आपणाला अशी विनंती आहे ज्यांनी ज्यांनी ते जागा जे आहेत मालकी जमिनीमध्ये घरं आहेत, आरक्षणं आहेत जागा विकत घेतलेल्या आहेत त्या झोपडी धारकासाठी मनपाने राजीव आवास योजनेमध्ये बीएसयुपी योजना आहेत त्याच्यात कुठेतरी स्थलांतर करावे कारण त्या जागा मोफत घेतल्या नाहीत त्या सरकारी जागा नाहीत ह्या शहरामधील जे झोपडपट्टीधारक त्यांनी त्यांच्या आयुष्याची पुंजी झोपडपट्टीमध्ये राहणारा माणूस कुठला मोठा नाही कोणी भाजी विक्रेता असतो, कोणी टॅक्सी वाला कोणी रिक्शावाला त्यांनी आयुष्याची पुंजी लावून त्यांनी घर बांधलेलं आहे ह्या शहरामधील जेवढे झोपडीधारक आहे त्यांनी जागा विकलेले आहेत आरक्षण म्हणजे जे जमिन मालक आहेत त्यांनी ह्या जागा कोणाला तरी विकल्या आहेत त्यानंतर घर बांधली आहेत माझी प्रशासनाला अशी विनंती आहे की, त्याचा सर्व्हे करावा अनधिकृत किती, चुकीचे किती म्हणजे कब्जा करुन बसलेले किती आणि खरोखरच ज्यांनी विकत घेतलेले आहेत त्या मालकांनी त्या जागा विकलेल्या आहेत त्यानंतर ती घरं बांधलेली आहेत त्यासाठी नियोजन करावे अशी माझी विनंती आहे.

**शिल्पा भावसार :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने ह्या मुद्दयावर मला पण बोलायचे आहे ह्या आरक्षणाच्या विषयावर मी पण पत्रव्यवहार केलेला आहे आरक्षणावर जो ताबा होतो अतिक्रमण हटवण्यासाठी आपल्याकडे वेहिकल पण जास्त नाहीत माणसं पण नाहीत. आपण महासभेत तो मुद्दा नेहमी ठेवतो आम्हाला एकच उत्तर भेटते की, कारवाई करायला पोलिस बंदोबस्त नाही. वाहन नाही अधिकारी नाही अतिक्रमण हटवायला घेतले तर ते पुर्ण मिरा भाईंदरमध्ये पाहिजे काही २ ते ३ टक्के मध्ये होते न्याय होणार तर पुर्ण मिरा भाईंदरमध्ये एकसारखा न्याय मिळाला पाहिजे अशी माझी अपेक्षा आहे.

**मॉरस रॉड्रीक्स :-**

मा. कमिशनर साहेब, मा. महापौर मी आपल्याकडे १० दिवसापूर्वी एक प्रकरण दिलं होतं गंगाराम गावणकर हे जर बाजुचे सीआरझेड मधले उद्या तुटणार नसेल अख्ख्या गावकऱ्यांना माहित आहे ते १९५० सालचे ते दुकान आहे ते मी परवा बांधायला घेणार आहे. उद्या जर ते बाजूचे तुटले नाही तर परवा मी बांधणार आहे आणि ते तुम्ही तोडायला आले तर त्याचा खर्च मनपाला मला भरुन द्यायला लागणार आहे. गंगाराम गावणकरचा मुलगा माझा मित्र आहे. त्याच्यावर तुम्ही कारवाई करत नाही ते सी.आर.झेड. असल्याकारणाने त्याला बांधकामाची परवानगी दिलीच नाही ह्या मुलाचे दुकान तोडलेले आहे मी तुम्हाला १० दिवस दिलेले पण कारवाई काही झाली नाही उद्या जर झाले नाही तर परवा मी बांधकामाला सुरुवात करणार आहे. मी बांधल्यानंतर त्याचा भरणा मनपाला भरायला लागणार.

**भगवती शर्मा :-**

मा. महापौरांच्या परवागनीने बोलतो धनेगावे साहेब १२२ नंबर जो आरक्षण है वह आझाद नगरवाला पोर्शन है या और कौनसा है?

**सत्यवान धनेगावे :-**

वही १२२ है।

**भगवती शर्मा :-**

१२२ पुरा है इसके अंदर आझाद नगर है इसके बाद कुछ इंडस्ट्रीयल इस्टेट है तो इसके लिए गव्हर्नमेंटसे नगरविकास से ३७ के प्रस्ताव के लिए कोई प्रपोजल आया है क्या?

**सत्यवान धनेगावे :-**

नही आया।

**सुजाता शिंदे :-**

आझाद नगरसाठी लेटर आलेले आहे.

**भगवती शर्मा :-**

वह लोगोने वारंवार मागणी की ...........

**सत्यवान धनेगावे :-**

ओम साई इंडस्ट्रीयल इस्टेटच्या बाबतीमध्ये मंत्रालयात बैठक झालेली आहे परंतु सुचना निर्देश नाहीत.

**भगवती शर्मा :-**

आज मै फॉर्म नही लाया ओम साई इंडस्ट्रीका भी है आझाद नगर का भी है उस समय के अंदर जब नियमावली लागु नही हुई थी। इसके पहले के बांधे हुए थे उन्होंने उस बेसपर मांगा था की बाकी का आरक्षण है उसके उपर जो अतिक्रमण हो रहा है वह अतिक्रमण को हटाईए। उन लोगो की जो मागणी थी नगरविकास को प्रपोजल दिया है। की इसके अंदर महासभा निर्णय लेकर वह प्रपोजल वहाँ पे मंजूर करके जो भी आप निर्णय लेते है वहाँ भेजीए। ऐसा प्रपोजल आया है मैं १०० टक्के बोलता हूँ उसपे विचार करे ताकी लोग बेघर ना हो।

**सत्यवान धनेगावे :-**

सभागृहात चर्चा झाली आहे की जी जागा ताब्यात घेतलेली आहे ताब्यात घेतलेल्या जागेवर जे अतिक्रमण झालेले आहे त्या अतिक्रमण संदर्भात चर्चा झालेली आहे.

**हरिश्चंद्र आमगावकर :-**

मा. महापौर मॅडम, ओम साई इंडस्ट्रीजचे मा. सदस्य बोलतात त्या इंडस्ट्रीयलच्या संदर्भात मागच्या वेळेला कारवाई झालेली होती. आणि ती कारवाई करताना अधिकाऱ्यावर दगडफेक झाली होती. त्यानंतर ती कारवाई थांबली गेली. आता तिथे तोडण्याची ऑर्डर आलेली आहे. त्याच्याकडे पूर्ण आरक्षणामध्ये ते बांधकाम झाले आहे. रंग बहादूर म्हणून मंदिराच्या साईडला आता पण चाळीचे काम चालू आहे. गॅरेजवाले सर्व साहित्य रोडवर ठेवतात ते अतिक्रमण वाल्यांना मी २-३ तक्रारी केलेल्या आहेत. ते आजपर्यंत उचलले गेले नाही. पोलिस स्टेशनच्या समोर सर्व दूकान मांडून बसलेले आहेत. ओम साई इंडस्ट्रीजचे तोडण्याचे आदेश आहेत. त्यांच्यावर कोणतीच कारवाई होत नाही.

**सत्यवान धनेगावे :-**

आता सांगितल्याप्रमाणे आम्ही एक महिन्याच्या आत कारवाई करु.

**हरिश्चंद्र आमगावकर :-**

साहेब आता १५ दिवस बोलतात आणि आता लगेच एक महिन्यावर गेलात.

**सत्यवान धनेगावे :-**

ज्या जागा घेतल्या आहेत त्या जागेच्या संदर्भात .................

**हरिश्चंद्र आमगावकर :-**

अतिक्रमण झाले आहेत त्याच्यावर तोडण्याचे आदेश काढले आहेत. त्याच्यावर १५ दिवसात कारवाई करणार बोलतात आणि आता लगेच बोलता महिन्यात करतो.

**सत्यवान धनेगावे :-**

आता नविन बांधकाम चालू आहे. त्याबाबत प्रभाग अधिकारी कडून लवकर कारवाई होईल.

**हरिश्चंद्र आमगावकर :-**

आता पण नविन बांधकाम चालू आहेत रात्रीची बांधकाम चालू असतात.

**सत्यवान धनेगावे :-**

प्रभाग अधिकारी त्याच्यावर आठ दिवसात कारवाई करतील.

**हरिश्चंद्र आमगावकर :-**

रात्रीची पाहणी करायला सुरक्षारक्षक ठेवा रात्रीचे बांधकाम पूर्ण करून देतात. साहेब माझे एक म्हणणे आहे आरक्षणामध्ये जो अतिक्रमण करतो त्याच्यावर एम.आर.टी.पी दाखल कराना. आपल्या ब-याच सदस्याचे त्यांना सहकार्य आहे.

**सत्यवान धनेगावे :-**

प्रभाग अधिकारी यांच्याकडून एम.आर.टी.पी.ची कारवाई करण्यांत येईल.

**हरिश्चंद्र आमगावकर :-**

धनेगावे साहेब १५ दिवसात की १ महिन्यात कारवाई करणार ते सांगा.

**सत्यवान धनेगावे :-**

ज्या जागेवर अतिक्रमण झालेले आहे. मनपाच्या ताब्यात असलेल्या जागेवर त्याबाबतील एक महिन्यात कारवाई करू आणि सध्या चालू असलेल्या कामाबाबत प्रभाग अधिकाऱ्यांकडून २-४ दिवसांत कारवाई करतील.

**प्रभात पाटील :-**

खरा विषय आरक्षणाचा आहे. पण अतिक्रमण हाच त्याचा सुध्दा आहे. आपल्या शहरामध्ये चांगले चांगले निर्णय होतात. चांगले विषय पटल्यावर येतात. महासभेमध्ये मोठ्या मोठ्या स्किम आणतो पण एकच

काम आपल्याकडे होत नाही ते म्हणजे अतिक्रमण हटवणे. ते अनधिकृत बांधकाम असो किंवा पालिकेच्या मालकीचे रिझर्व्हेशन असो आपल्याकडे हा एकच प्रश्न का उठतो? ह्याच्यामध्ये काही ठोस कारवाई नाही का? माझ्याकडे एक असा मुद्दा आहे. काही आरक्षणवर स्टे घेतात. ते स्टे उठतात. पण तो उठलेला स्टे आपल्या अधिकाऱ्याच्या अतिक्रमण विभागाच्या हातात पडण्याच्या आधी तो का पडत नाही तो मुद्दा विचारात घ्या. त्याच्या आधी तो माणुस दुसरा स्टे घेतो. कुंपण कुठे शेण खाते हा मुद्दा लक्षात घ्या. माझ्याकडे अशी उदा. आहेत. फक्त मी कोणा अधिकाऱ्याची नाव घेत नाही हा एकच मुद्दा आहे. जो आपल्याला भविष्यात मारक ठरणार आहे. आपल्या जमिनीचा आपण टी.डी.आर. दिलेला आहे. ज्या जागा आपण ताब्यात घेतल्या आहेत त्या जमिनीवर पुन्हा पुन्हा कोण तरी आपलच अस्तित्व निर्माण करते आपले अतिक्रमणचे अधिकारी सक्षम नाहीत का? दोन मुद्दे लक्षात घ्या एकतर तो अधिकारी कमी पडतो किंवा साहेब प्रशासनाचे प्रमुख म्हणून आपण कमी पडता असे मला नाईलाजाने म्हणावे लागते. हा मुद्दा तितकाच महत्वाचा आहे की, शहरामध्ये बाकी सगळ्या गोष्टी सुरळीत चालू आहेत आणि ह्या एका मुद्यावर नेहमी वाद होत राहतात. तेव्हा माझी तुम्हाला विनंती आहे की ह्या प्रश्नावर तुम्ही सक्षम होणे आवश्यक आहे.

**वंदना चक्रे :-**

मा. महापौर मॅडम प्रभाग ६ मध्ये इतके अतिक्रमण झालेले आहे. मा. आयुक्त साहेब आपण पण ऐका. ४-४ वॉर्ड ऑफिसर बदलून दिले. काम करत नाही. म्हणून बदली झाले. काम जे करत नाहीत तेसक्षम नाहीत. ते स्वतःची झोळी भरण्यासाठी येतात आणि मी काही बोलली की बदली करून जाता. इतके अतिक्रमण झाले की ते कधी तोडणार ते मला सांगा. मी वारंवार सांगते मा. महापौर मॅडम ही अधिकाऱ्यांची लिंक आहे. इंजिनिअर असतो तर वॉर्ड ऑफिसर नसतो. वॉर्ड ऑफिसर असतो तर इंजिनिअर नसतो. मी १५४ नोटीसा दिल्या. १५४ नोटीसाचे काय केले. त्या नोटीसा कुठे गेल्या त्याच्यात माहिती मागवली श्रीकृष्ण मोहिते मी वारंवार सांगते ते म्हणतात माझा अधिकार नाही. मग माहिती अधिकार कोण होते. त्यांनी मला काय पत्र दिले मी वाचले नाही. त्या पत्रात असे दिले की वॉर्ड ऑफीसरची जबाबदारी आहे माझी नाही. श्रीकृष्ण मोहिते तुम्ही संस्पेंड होणार आहेत हे तुम्हाला स्पष्ट सांगते. मी सुध्दा चांगला अभ्यास केलेला आहे. १५४ नोटीसांचे उत्तर त्यांनी अजून दिलेले नाही. प्रभाग समिती ६ सगळ्यात मोठी आहे. सगळ्यात मोठे इनलिगल बांधकाम तिकडे होते. तिकडे तुम्ही सक्षम अधिकारी देत नाही. तुमच्याकडे नाही असे म्हणता. इनलिगल बांधकाम मला लवकरात लवकर तोडून पाहिजे नाहीतर मी सुध्दा तुमच्या विरोधात आंदोलन करणार असे माझे ठाम मत आहे. ह्याचे मला उत्तर द्यावे, मला ठाम असा अधिकारी पाहिजे. ह्याची चौकशी लावायला ह्या चौकशीला मी मागणार नाही. मी मुख्यमंत्र्यांना, नगरसचिव, नगरविकास मंत्र्यांना आपल्याला पत्र दिले.

**सुरेश खंडेलवाल :-**

मैने कुछ दिन पहले वर्तमानपत्र मे ऐसी खबर पडी थी की, मिरा भाईंदर मे जो गेस्ट हाऊस है जो पूरे काशिमिरा से हायवे तक गेस्ट हाऊस फैले हुए हे। यह इतना गंभीर विषय था। पेपर मे मिरा भाईंदर का पूरा लेख आया था की इतने सारे गेस्ट हाऊस हायवे पर चल रहे है। सर मेरा आपसे निवेदन है की मिरा भाईंदर में हायवे पे जहाँ भी जितने गेस्ट हाऊस है आप उसको ध्यान देकर उसका पडताल किजिए की कितनी गेस्ट हाऊस को आपने परमिशन दिया है। नही दिया तो उनके उपर क्या कारवाई हो रही है। बहोत गंभीर विषय है, आप उसके उपर अच्छी तरहसे ध्यान देगें। हायवे परिसर मे जितने भी बडे बडे हॉटेल्स है सबने शेड लगाकर बडा बडा एरिया कव्हर किया है। ओपन स्पेस मे सबने बडे शेड लगाए है। और इतनी अच्छी तरह से व्यवसाय कर रहे है। जितने भी ओपन स्पेस हे उनके उपर कर्मशियल टॅक्स लगा सकते है। क्योकी सब कर्मशियल यूज कर रहे है। वहाँ पे बिझनेस हो रहा है। लेकीन हम लोग उनके उपर कुछ भी टॅक्स चार्ज नही कर रहे। तो उसके उपर ध्यान देकर टॅक्स लगाए।

**सत्यवान धनेगावे :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो, सन्मा.चक्रे मॅडमनी जे अनधिकृत बांधकामाबाबत जे निवेदन केले आहे आपली जी काही प्रकरण पेंडींग आहेत त्याबाबत आढावा घेऊन त्यासंबंधी कारवाई करण्यासाठी सर्व संबंधिताना सुचना देण्यांत येईल.

**वंदना चक्रे :-**

धनेगावे साहेब मी आपल्यापेक्षा जास्त पत्र व्यवहार आयुक्तांशी केलेला आहे. मला आयुक्तांच्या तोंडानी ऐकायचे आहे.

**सत्यवान धनेगावे :-**

मी मा. आयुक्तांची परवानगी घेऊनच बोललो.

**वंदना चक्रे :-**

मला त्यांच्या तोंडून का ऐकायचे आहे की १५४ नोटीस बद्दल त्यांना विचारले त्यांना खूप प्रोत्साहन देतात का देतात मला माहित नाही का त्यांना पाठीशी घालतात. मला माहित नाही. श्रीकृष्णा मोहिते आणि वॉर्ड ऑफिसरना का पाठीशी घालतात मला माहित नाही. मी जे बोलते तो तुमचा विषय नाही तो त्यांचा विषय आहे तर त्यांचे त्यांनी उत्तर द्यावे.

**सत्यवान धनेगावे :-**

१५४ नोटीसा असू शकतील किंवा २०० प्रकरण असू शकतील त्यांना कार्यवाही करण्याची किती प्रकरण आहेत ह्या बाबतचा आढावा घेणे आवश्यक आहे.

**वंदना चक्रे :-**

मी अभ्यास करून दिलेले आहे.

**सत्यवान धनेगावे :-**

नाही दिले.

**शरद पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम प्रश्नोत्तराचा तास संपलेला आहे. पूढील सभा चालू करा.

**वंदना पाटील :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलते. आता विषय निघाला आहे. सभापतीचा आणि प्रभाग अधिकाराचा. साहेब मी एक पत्रव्यवहार केला होता. आम्ही शिरवळकर साहेबांना सांगितले हे तोडले नाही. आणि त्यांनी लेटर दिले की हे तोडले आहे. मग आम्ही त्याचे फोटो आणि जुने फोटो त्यांना सबमिट केले. तरी त्यांचे उत्तर आले की, नगररचनाकडून माहिती मागवितो. पहिले उत्तर आले की आम्ही त्याची चौकशी करतो, दुसरे उत्तर आले की, आम्ही त्याची हेअरिंग लावली, तिसरे उत्तर आले की आम्ही त्याची माहिती मागवितो, चौथे उत्तर आले आहे की, आम्ही नगररचनाला कळवितो. मग ही अशी उत्तरे बरोबर आहेत का? शेवटी त्यांनी उत्तर दिले की ते बांधकाम तोडले गेले. ते बांधकाम आमच्या बाजूलाच आहे तर कधी तोडले. हा माझ्या घरचा विषय आहे म्हणून बोलते. माझ्या ५ वर्षाचा रेकॉर्ड आहे मी कोणाच्याही विरोधात एकही पत्र दिले नाही. हा माझ्या घरचा विषय आह मा. आयुक्त साहेब मी तुम्हाला भेटले, मा. महापौरांना भेटले.

**मा. महापौर :-**

मॅडम, ठिक आहे. मी शिरवळकरशी बोलते.

**वंदना पाटील :-**

त्याच्यावर नक्की कारवाई करा.

**वंदना चक्रे :-**

मा. महापौर मॅडम, मा. आयुक्त महोदय मिरा भाईंदर महानगरपालिकेमध्ये डॉ.बाबासाहेब आंबेडकराचा पूर्णांगी पुतळा बसविण्याचा २००५ मध्ये ठराव झालेला आहे. आज आठ वर्ष पूर्ण होऊन गेलेली आहेत तो पुतळा कधी बसवणार.

**मा. महापौर :-**

तुमचे लेटर माझ्याकडे आहे मी बघते.

**वंदना चक्रे :-**

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर दलितांचे नव्हे तर ते घटनाकार होते. आपल्याला माहिती आहे. माझी आपणांस विनंती आहे की, बाबासाहेब आंबेडकराचा पुतळा लवकरात लवकर बसवावा.

**मा. महापौर :-**

ठिक आहे.

**वंदना पाटील :-**

मॅडम शिरवळकरांना नक्की बोला आणि योग्य कारवाई करा. असे अधिकारी नाही पाहिजेत. जे नगरसेवकाची दिशाभूल करतात. त्यांना सस्पेंड करा.

**मा. महापौर :-**

ठिक आहे.

**नगरसचिव :-**

आजच्या महासभेकरीता चार लक्षवेधी आलेल्या आहेत. पहिली लक्षवेधी प्रभात प्रकाश पाटील, दुसरी गिता भरत जैन, तिसरी मदन उदित नारायण सिंह, चौथी शिल्पा कमलेश भावसार अशा चार लक्षवेधी झालेल्या आहेत. चारही लक्षवेधी मी मा. महापौरांना सुपूर्द करतो.

**मा. महापौर :-**

आजच्या सभेकरिता सन्मा. सदस्या प्रभात प्रकाश पाटील, श्रीम. गिता भरत जैन, श्री. मदन उदित नारायण सिंह, श्रीम. शिल्पा कमलेश भावसार यांच्या लक्षवेधी आलेल्या आहेत. श्रीम. प्रभात प्रकाश पाटील यांची लक्षवेधी मी स्विकारत असुन मी श्रीम. गिता भरत जैन, श्री. मदन उदित नारायण सिंह, श्रीम. शिल्पा कमलेश भावसार यांची लक्षवेधी मी फेटाळत आहे.

**मदन सिंग :-**

मा. महापौर मॅडम.......

**मा. महापौर :-**

जिनका लक्षवेधी है उनको बात करने दो. बाद मे मै आपको बोलने का टाईम देती हूँ।

**मदन सिंग :-**

मेरा विषय सुनिए। आपने उनका लक्षवेधी लिया है, हम आब्जेक्शन नही लेंगे आपका अधिकार है। लेकीन चारो विषय आपने पढा क्या? विषय क्या है, आपने किस तरहसे डिसाईड किया?

**मा. महापौर :-**

मैने चारो पढके देखा है मुझे पता है।

**मदन सिंग :-**

कब पढके देखा आपके पास तो अभी विषय आया.

**मा. महापौर :-**

मेरे पास विषय है।

**मदन सिंग :-**

उसमे बाकी के विषय महत्वपूर्ण नही लगे क्या? उनका विषय भी महत्वपूर्ण है शहर के लिए पर बाकी के विषय महत्व पूर्ण नही है क्या? सचिव साहेब चारो लक्षवेधी पढके दिखाए की लक्षवेधी में विषय क्या है? सभी सदस्यो को जानकारी होनी चाहिए की कीस विषयपर लक्षवेधी आया है सचिव साहब लक्षवेधी पढना आपका काम है।

**मा. महापौर :-**

आप सभी बैठेगे तो आपको आपके विषय पर बोलने दुंगी। अगर आप भैस करोगे तो नही दुंगी।

**प्रभात पाटील :-**

लक्षवेधी सचिवांनी वाचून दाखवावी अशी विनंती करते.

**नगरसचिव :-**

मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील ८० टक्के रहीवाश्ी हे जुन्या बांधकामाने वेढलेले आहे. ह्या मोटकळीस आलेल्या इमारतींच्या पुर्नबांधणीचा प्रश्न सध्या सर्वांनाच भेडसावत आहे. ह्या इमारती (सोसायट्या क्ष नावाने) रजीस्टर्ड आहेत. परंतु ७/१२ त्यांच्या नावावर नाही. त्यामुळे राज्य शासनाने मानीव हस्तांतरण मोहीम राबविण्यास सुरुवात केली. त्यामुळे त्या इमारतीचे रहिवासी क्षेत्र त्या सोसायटीच्या नावे होण्यास मदत होणार आहे. परंतु मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रात कोणत्याही ७/१२ वर इस्टेट इन्वेंस्टमेंट कंपनी हा पहिला मालक चढून बसला आहे. आणि मानीव हस्तांतरणात डिस्ट्रीक्ट डेप्युटी रजीस्ट्रार (डी.डी.आर.) कडे अप्रोच झाल्यावर ते ७/१२ वर जर इस्टेट इन्वेस्टमेंट कंपनीचे नाव असेल तर त्यांचे पैसे भरा व एन.ओ.सी. आणा असे सांगतात.त्यासाठी त्यांच्या पर स्क्वेअर फुटला १२०/- इतका दर आहे. मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रात सर्व सामान्य नागरीक राहतात. प्रती स्क्वेअर फुटचा भाव त्यांना परवडत नाही. आणि ह्या ब्रिटीश कालीन जुलमी राजवटीला लोकांनी का स्विकारावे. ह्या नाहक भुर्दंड गरीब जनतेने का सोसावा. मला माहित आहे. हा आपल्या अखत्यारीतील विषय नाही. तरीही आपण शहरवासीयांशी असलेले भावनिक नाते कर्तव्य डोळ्यापूढे ठेवून ह्या जाचक अटीतुन आपल्या शहराला वगळण्याची विनंती शासनाला करु शकतो.

**प्रभात पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम आपण स्वतः आणि आपल्या सन्मा.सदनातील सर्व नगरसेवक सध्या ह्या प्रश्नाने त्रस्त आहेत. आपण ज्या प्रदेशाचे प्रतिनिधीत्व करतो हा सगळा प्रदेश किंवा परिसर सध्या जुन्या आणि मोडकळीस आलेल्या इमारतीनी त्रस्त आहे. अशातच शासनाने मानवी हस्तांतरण करण्याची योजना राबविली आहे. ती सर्वसामान्य रहिवाशांसाठी फायदेशीर आहे. मला असे वाटते टि.व्ही. चालू केला तरी जाहिरीतीचा माध्यमातून लोकांना त्याबाबत जागरूक करण्यांत येत आहे की तुम्ही मानवी हस्तांतरण करून आपण डिम्ड कन्व्हेन्स म्हणतो. ते तुम्ही करून घ्या. परंतू आपल्या शहरामध्ये डिम्ड कव्हेयन्स करण्यासाठी शासनाने संपूर्ण महाराष्ट्रासाठी ही योजना राबवायचे ठरवले आहे. त्याप्रमाणे ते जाहिरात करतात. संपूर्ण महाराष्ट्रामध्ये हा प्रश्न निर्माण होत नाही. परंतू मिरा भाईंदर मध्ये पाप होऊन बसले आहे. कोण कंपनी आहे. इस्टेट इन्वेस्टमेंट त्यांच्याशिवाय आपला डिम्ड कन्व्हेयन्स सक्सेस होत नाही. गृह निर्माण संस्थांना जो डिम्ड कन्व्हेससाठी फॉर्म भरायचा असतो तो फॉर्म भरताना कुठेही इस्टेट इन्वेस्टमेंट कंपनीची एन.ओ.सी. हवी किंवा आपण म्हणतो ना कोणते कागदपत्र जोडा असे त्या फॉर्ममध्ये कुठेही नाही. परंतू तो फॉर्म सबमिट करण्यासाठी आपण उपनिबंधक कार्यालयाकडे गेलो. की तिथे आपल्याला सांगतात की ती एन.ओ.सी. घेऊन या. एन.ओ.सी. आणायची म्हणजे त्यांचा १२० रू. स्क्वेअर फुटाचा भाव ठरलेला आहे. ज्यांचा आपल्या शहराशी काही घेणदेण नाही घेणदेण होत. साहेब आपल्याला ह्या विषयावर जरा मागे जावं लागेल, की ब्रिटीश काळामध्ये १८७१ साली मि.भा. शहर खाडीलगत बसलेले आहे. ब्रिटीशांनी आपले काही फायदेही बघीतले. आपल्याकडे त्यांचे थोड लक्षही होत. खाडीचे पाणी आपल्या शेतामध्ये शिरायचे आणि त्यामुळे शेतीचे नुकसान व्हायचे ते होऊ नये म्हणून १८७१ साली ब्रिटीश कंपनीने रामचंद्र लक्ष्मण नावाच्या व्यक्तीला एक ठेका दिला की तुम्ही पान बंदिस्त करा म्हणजे पाणी शेतामध्ये शिरणार नाही. आणि शेतीच्या पिकाचे नुकसान होणार नाही. त्याच्या बदल्यामध्ये रामचंद्र लक्ष्मणना १/३ इतका खंड शेतकऱ्यांनी द्यायचा असा नियम होता. त्याच्यानंतर १९४५ साली रामचंद्र लक्ष्मण कडून इस्टेट इन्व्हेस्टमेंट कंपनीने ते हक्क विकत घेतले किंवा ते हक्क घेतले कसे घेतले ते माहित नाही. आणि १/३ जो हिस्सा होता तो ते घ्यायला लागले. ५ सप्टेंबर २००८ साली त्यांनी ह्या खाडीलगतच्या जमिनी होत्या त्या संपूर्ण ७/१२ उताऱ्यावर मालक म्हणून आपले नांव चढवून टाकले. शेतकरी इथल्या

पहिल्यापासून अशिक्षित आहे. त्यांना हे कळल सुध्दा नाही, की आपण खाली आले आहोत आणि आपला बाप कोणतरी ७/१२ उतारावर बसले आहे, हे लक्षात आले. तेव्हा आंदोलन झाली. मधल्या काळामध्ये हे नांव काढलं गेल होत परंतू ५ सप्टेंबर २००८ ला तत्कालीन जिल्हाधिकारी झेंडे साहेब ह्यांनी पुन्हा ते नांव तिकडे चढवले. सदर कंपनीस प्रमुख कब्जेदार बनवले. आणि तेव्हापासून आजपर्यंत ७/१२ वर इस्टेट इन्वेस्टमेंट कंपनी हे मानगूटीवर भूत बसले. आणि आता ते संपूर्ण फ्लॅट ओनर म्हणजे सदनिकाधारकाच्या माथ्यावर बसले आहे आता आपण जेव्हा डिम्ड कन्व्हेयस योजना राबवतो चांगली योजना आहे. जरी इमारती तिकडे बनलेल्या आहेत. तयार आहेत, मोडकळीस आहेत. तरी तिथे मूळ मालकाचे नांव ७/१२ वर कमी झालेले नाही. आता जेव्हा डिम्ड कन्व्हेयन्स योजना येते आपल्याकडे हस्तांतरीत करायला जातो तेव्हा सदनिकाधारक बाजूलाच आहेत पण उपनिबधंक तुम्हाला सांगतो की तुम्ही त्यांची एन.ओ.सी. आणा आणि त्यांचेकडे आपण अप्रोच झालो की प्रति स्क्वेअर फुट १२० रू. इतकी रक्कम आम्हाला मोजा. ह्या रकमा लाखोच्या घरात आहेत. नवघर, बी.पी.रोडला जे लोक राहतात. अतिशय सामान्य माणस आहेत. ज्यांना मेंटनेन्स भरणे पण भारी पडते. त्यांना टॅक्स भरणे मुश्किल होते. अशा लोकांनी प्रति स्क्ेअर फुट १२० रू. भरून शासनाची ही डिम्ड कन्व्हेयन्स योजना मिरा भाईंदर मध्ये सक्सेस होणार आहे का? संपूर्ण राज्यामध्ये हे कुठेच नाही फक्त मिरा भाईंदर क्षेत्र घोडबंदर, नवघर, गोडदेव आणि भाईंदर पच्छिम म्हणजे संपूर्ण मिरा भाईंदर मग शासनाची एवढी चांगली योजना असताना त्याचा मिरा भाईंदरवरच त्याचा अॅटक का? मिरा भाईंदरच्या लोकांनी काय घोड मारल की हा कर आम्ही भरायचा. हा जिझीया कर आहे. त्यामुळे आपल्याकडे डिम्ड कन्व्हेयन्स योजना सक्सेस व्हायला खूपच अडचणीच होणार आहे. आणि जे फ्लॅट ओनर आहेत ते मला वाटत नाही त्याचे मालक होणार आहेत. हा नाहक जाणारा पैसा आहे. पैसा शासनाला जात नाही तर दुसरच कोणतरी आहे. जर शासनानी आपल्याला २ पैसे टॅक्स लावला असता तर आपण दिले असते. परंतु हे कोण ह्याचा काही शहराशी संबंध नाही त्यांनी आम्ही हा पैसा का द्यायचा. आज शहरात मोडकळीस आलेल्या इमारतीचा मोठा प्रश्न आहे. जर ह्या इमारती कोसळल्या तर लोक बेघर होतील. बेघर झालेल्या लोकांचे ठिक आहे. कोणी आपल्या परीने घर घेईल, कोणी भाड्याने राहील. काहीना तुम्ही अॅडजस्ट कराल, बेघरायाठी घर वगैरे, परंतु जी मुळ जमिन आहे तिचा मालकी हक्क त्यांच्याकडे येईल का? हा मोठा आणि महत्वाचा प्रश्न आपल्यासाठी आहे. आता तुम्ही म्हणाल हा प्रश्न ह्या सदनाचा नाही. महापौर म्हणून उप-महापौर म्हणून तुम्ही शासनाची भेट घेऊन मुख्यमंत्र्यांकडे चर्चा करून आणू शकता. आपला जो मुळ मुद्दा आहे. गरिब लोकांचा त्यांना तुम्ही न्याय देऊ शकतो, हा प्रश्न इथे निकाली निघणार नाही, ह्याची मला खात्री आहे. पण मला खात्री आहे की, आपल्या शहरामध्ये दोन आमदार आहे. दुसऱ्या पक्षाचेही आमदार आहेत. सर्वांनी मिळून ह्या प्रश्नाला बगल दिली. तुम्ही नेतृत्व करा, आम्ही तुमच्या बरोबर आहोत. परंतु माझ्या शहरामध्ये हा जिझीया कर भरणार नाहीत. अशी आपली भूमिका आपण शासनाकडे नेऊ. शासनाचे प्रतिनिधी म्हणून आयुक्त साहेब आपल्या बरोबर असतील तर त्या प्रश्नांची जी तीव्रता आहे ती जास्तपणे जाणवेल. आणि हा मानवी हस्तांतरणाचा प्रश्न आहे. जास्तीत जास्त पैशाचा प्रश्न तिथे आपले गरिब नागरीक कमी पडतात. त्यांना आपण काहीतरी दिलासा देऊ शकू, असे मला वाटते. म्हणून माझी आपल्याला विनंती आहे. महापौर म्हणून तुम्हाला उपमहापौर म्हणुन आपणाला शासनाचा प्रतिनिधी म्हणून दोन-दोन साहेब आयुक्त आणि अतिरिक्त आयुक्त मला मला वाटते. अतिरिक्त आयुक्तांनी महसूलमध्ये जास्त चांगले काम केले आहे. त्याही पलिकडे जाऊन आपले वडील आमदार आहेत. आपला मुलगा आमदार आहे. दुसऱ्या पक्षाचे ही आमदार आहेत तर आपण सगळ्याची मिळून आपला रेटा लावला. प्रत्येक वृत्तपत्रांनी माहिती दिली आहे. ह्या प्रश्नावर इथे मोर्चे सुध्दा निघाले आहेत. आपल्याला देखील काही प्रतिनिधी भेटले असतील. इतका ज्वलंत प्रश्न मिरा भाईंदरसाठी बनला आहे. हा मुद्दा मिरा भाईंदरलाच भेडसावतो. बाकी सगळी शहर ह्यांच्यातून सुटतात. सगळ्यांनाच माझी विनंती राहील ही आपण ह्या जाचक जिझीया करातून मिरा भाईंदर शहरवासीयांची सुटका करावी. धन्यवाद.

**रोहिदास पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम इस्टेट इन्वेस्टमेंट कं. हा अत्यंत ज्वलंत प्रश्न आहे. एका दृष्टिने बघीतले तर शितोळे साहेब डायसवर आहेत म्हणून आपल्या दृष्टिने अत्यंत सोपा आहे. मा.आयुक्त साहेब आपल्याला विनंती करेन ते १२० रू. चार्ज करतात. सोसायटीचा चेअरमेन किंवा कोणी कार्यकर्ता गेला. त्यांना त्याचे उत्तर मिळत नाही. आपण शासनाचे प्रतिनिधी म्हणून त्यांना पत्र लिहिले. १२० रू. पर स्के.फुट ह्याचे विश्लेषण काय? त्यांनी कशा पध्दतीने ठरवले. कोणती कॅटेगरी नाही त्याच्या मनात आला आकडा ८० वरून सुरूवात झाली. लोक जास्त द्यायला लागली. ९०-१००-१२०-१२० मध्ये दलाल तयार झाले. तुम्ही आमच्या बरोबर याल तर १२० चे ११० करतो, अशा पध्दतीने काम झाले आहे. सभागृहाची ह्या विषयावर विनंती आहे. आणि आम्हाला खात्री आहे ते पत्र लिहू शकता. पत्र लिहा. काय उत्तर ते बघा. दुसरे आपण म्हणता शेतकऱ्याला त्याच्या जमिनीवर घर बांधले. त्याला कोणते अधिकार, त्याला कोण विचारतच नाही. इस्टेट इन्वेस्टमेंला विचारलेच पाहिजे, असे कोणत्या नियमात नाही. पण त्यांना प्रश्न विचारायला कोणी नाही. हा एक दिवसाचा विषय नाही. आधी ह्या विषयावर पुष्कळ चर्चा आणि पत्रव्यवहार चालला होता. हा विषय थांबला. सामान्य शेतकरी ह्यांच्यामध्ये न्याय मागू शकत नाही. पहिल्यांदा हा विषय असा होता की लोकांना असे वाटले की, शेतकऱ्यांबद्दल आहे, सोसायटीच्या चेअरमेन, सेक्रेटरीना राहणाऱ्या नागरीकांना त्याचे महत्व कळलेच नाही. आणि डीम्ड कन्व्हेयन्स विषय आला तेव्हा आपल्या सोसायटीचे डीम्ड कन्व्हेनियस करून घ्यावे. तेव्हा

सोसायटी त्याच्यामध्ये इन्व्होल्ड झाली. त्यानंतर ही माणसे आज आपले घर चालवू शकत नाही. मूलाची शिक्षणाची फी भरू शकत नाही. सोसायटी आग्रह करते की, आपल्याला करायला पाहिजे. एका सोसायटीमध्ये ५० माणसे असतील तर त्यातील १० माणसे नक्की असतील की त्याचा मेन्टेनन्स भरत नाही. परंतू सोसायटीच्या बरोबर राहायला लागते म्हणून जे व्यवहार करून पैसे भरायला लागले. त्यांनतर सेक्रेटरी, चेअरमेन जे समजवायला जातात. त्यांची भाषा उलट सुलट असते. आमचा विश्वास आहे की, आयुक्त साहेब तुमच्या सहीचे पत्र गेले आणि शितोळे साहेबांनी त्याचा नीट फॉलोअप केला तर नक्की त्याच्यामध्ये १२० चा आकडा ५० टक्के च्या खाली येईल. हा एक पार्ट झाला. दुसरा तो कायदेशीर आहे की नाही त्याच्यात कोणीतरी मान्यवरांनी जबाबदारी घ्यायला पाहिजे. मॅडम बोलल्या तुमचे वडील आमदार आहेत. आमदार प्रताप सरनाईक साहेब आमच्या पक्षाचे आमदार आहेत, असे बोलल्यावर असे होईल की, आमच्या पक्षाचे राज्य आले की आम्ही करू. हा राजकारणाचा विषय नाही. हा न्याय द्यायचा विषय आहे. आपण त्यांच्यात लक्ष घालायला पाहिजे. लोकांना न्याय द्यायला पाहिजे. दोघांनाही त्यांच्यात न्याय मिळेल. शेतकरी आहेत. त्यांचे उताऱ्यावर नांव आहे. ते निघून जाईल आणि सोसायटीत राहणाऱ्या लोकांना जे पैसे भरायला लागतात ते निम्म्यावर येतील. आणि नावच निघाल तर शेतकऱ्यांना काही प्रश्न राहणार नाही. माझी विनंती आहे. आयुक्तांनी उद्या पत्र लिहावे. स्टँडींगमध्ये असा विषय निघाला होता की, शहरात घटना घडली की पोस्टमार्टमचे केंद्र बंद केले. २७ च्या तारखेला बंद केले आणि ३० तारखेच्या मिटींगमध्ये आम्ही विषय घेतला. मा.महापौर मॅडम आपला तिकडे फॉलोअपच नव्हता. डेप्युटी डायरेक्टरशी आम्ही फोनवर बोललो. दुसऱ्या आम्ही पानपट्टे साहेबांना सांगितले. आपण ऑर्डर घेऊ येऊ या. आमही दुसऱ्या दिवशी जाऊन ऑर्डर घेऊन आलो. आज १०० वर्ष भाईंदरमध्ये हा विषय पुन्हा येणार नाही.

**मा. महापौर :-**

काका हे बंद व्हायच्या अगोदर कमिश्नर आणि मी त्यांच्याशी बोललो होतो. माझे एक महिन्यापासून फॉलोअप चालू होते. आपले विक्रम कुमार साहेबांनी नाही सांगितले त्यामुळे सामनेवाले पण अडून बसलेले की तुमच्या आयुक्तांनी नाही सांगितले आणि आता तुम्हीच मांग करता.

**रोहिदास पाटील :-**

त्याच्यासाठी योगायोग लागतो. तसा आज विषय आहे. हा आपण योगायोग समजू या. आयुक्त साहेब तुम्ही तेवढे पत्र लिहा. आम्हांला नक्की न्याय मिळेल असे वाटते.

**भगवती शर्मा :-**

प्रभात ताईने लक्षवेधी के माध्यमसे इस विषय को उठाया था। विषय सभागृह का न होने के बावजूद भी लोगो की भावना आज गव्हरमेंटनी डीम्ड कन्व्हेयन्स निकाला। ९७ हा लोगो को डिम्ड कन्व्हेयन्स इझीली हो जाएगी। लेकीन प्रत्यक्ष रूप के अंदर जाते है तो तरह तरह की अडचणी आती है। इस विषय के अंदर गये महिने मे कई लोग मा.आमदार गिल्बर्ट मेंडोन्सा के कार्यालय मे आए थे। उन्होने निवेदन दिया था की, इसके अंदर क्या क्या अडचणी पैदा हो रही है। उसमे एक विषय इस्टेट इन्व्हेस्टमेंटस का भी था। उस विषय के बाद मा. आमदार साहेबने इस्टेट इन्व्हेस्टमेंट कं. और निबंधक के कार्यालय से उनके रजिस्टार को बुलाया और एक सामूहिक मिटींग लिया गया। मैं इसलिए बता रहा हूँ की आप आगे जो मिटींग करे उसमे क्या प्रोग्रेस है वह बताना चाहता हूँ। उस मिटींग में ऐसा हुआ था की इसका ऐसा हल निकाल जाए। यहाँ के लोगो को इसका अधिकार न सहना पडा। उस विषय काफी बार चर्चा हुई। सोसायटीवाले लोग भी थे, उपनिबंधक कार्यालय के भी थे और इस्टेट इन्व्हेस्टमेंट कंपनी भी थी। उसमे यह निर्णय हुआ की अगली मिटींग आनेवाले विक के अंदर सामूहिक रूपसे लगाई जाएगी। और उसमे निर्णय लेके समाधान किया जाएगा। मेरा आपसे यह निवेदन है की जो भी सुचना है उनको ध्यान मे रखके आप जो भी मिटींग लगाए तो उसमे मा.आमदार को बोल के इसका निराकारण किया जाए।

**मा. आयुक्त :-**

मी धन्यवाद देऊ इच्छितो सन्मा. जेष्ठ नगरसेविका प्रभात पाटील आणि नगरसेवक रोहिदास पाटील त्यांनी अत्यंत महत्वाच्या आणि तितक्याच दुर्लक्षित विषयावर लक्षवेधीच्या रूपाने चर्चा घडवून आणली. मला मान्य आहे की, हा विषय आपल्या मनपाच्या अखत्यारितला नाही. १ टक्के देखील आपण त्यात काही करून शकत नाही. परंतु ह्या दुर्लक्षित विषयाला आपण सुरूवात करून दिली तर निश्चीतपणे आपल्याला पुढे वाटचाल करता येईल. ह्यामध्ये जे काही रेव्हेन्यु रेकॉर्ड आहे. महसूल अभिलेखे आहेत ते जिल्हाधिकारी, विभागीय आयुक्त किंवा महसूल विभाग त्या सोबत दुसरी लाईन अशी आहे की, उच्च न्यायालय असो सर्वोच्च न्यायालय या न्यायालयाच्या आणि महसूली प्राधिकरणाच्या माध्यमातून निर्णय झालेला आहे. आणि ते त्यानुसार ७/१२ वर इस्टेट इन्व्हेस्टमेंट कंपनीचे नांव आलेले आहे. पण ते नांव आल्यामुळे हस्तांतरणासाठी आता नविन बांधकाम करणारा व्यक्ती असेल तर तो आनंदाने हस्तांतरण देऊ शकेल. पण ह्या शहराची जिवंत समस्या एक ज्वलंत जी समस्या आहे ती ज्या मोडकळीस आलेल्या इमारती आहेत. त्यांचा डीम्ड कन्व्हेयन्स करून घेणे किंवा त्या पुर्नःविकासाठी सोयीचे होईल, अशी व्यवस्था निर्माण करणे हे महत्वाचे आहे. नविन बांधकाम करणारा आनंदात १०० नाही, ८० नाही, १२०, १५० देऊ शकेल. पण जुने जे मध्यमवर्गीय मिरा भाईंदर शहरचा विकास ह्यासाठीच झालेला आहे की, हे की ऑफरटेबल हाऊसींग जे म्हणतो अत्यंत कमी दरात घरी मिळत होत. म्हणून लोक ठाण्याला, मुंबईला नोकरी करून इथे राहायला यायचे. त्यांची आर्थिक स्थिती जरी

थोडी सुधारली असली तरी इतकी सुधारली नाही की ते प्रति चौ.फुट १०० किंवा १२० देऊ शकतील. म्हणून माझा प्रयत्न असा आहे. दोन ठिकाणी आपल्याला प्रयत्न करायला लागेल. एकतर मंत्री महसूल ह्यांच्याकडे बैठक लावालला लागेल. मा.आमदार गिल्बर्ट मेंडोन्सा, मा.मुजफ्फर हुसेन साहेब आणि मा.आमदार प्रताप सरनाईक साहेब ह्या तिघांच्या माध्यमातून महसूल विभागाकडे जाता येईल. पण त्यासोबत डिम्ड कन्व्हेयससाठी सरकार विभागाचे, गृहनिर्माण विभागाचे नियंत्रण आहे. त्यामध्ये महसूल विभागाचे नियंत्रण नाही. त्यामध्ये माझ्याकडून असे प्रयत्न केले होते की, मूळ मालक नसेल परंतु बिल्डींग जर ३० वर्ष जुनी असेल त्याचा अद्यापही कन्व्हेयन्स झाला नसेल तर त्याला मूळ मालकाची संमत्ती किंवा विकासकाचा काही श्रेय त्यामध्ये न ठेवता विनासायास त्या सोसायटीच्या नावे ट्रान्सफर व्हावी. त्याच्यात दोन ठिकाणी आपल्याला प्रयत्न करता येतील. आपल्यासोबत सन्मा.महापौर मॅडम आहेत, सन्मा.उपमहापौर, विरोधी पक्षनेता, सभागृह नेता ह्या सगळ्यांच्या सोबत मला सांगता येणार नाही. कधी जाता येईल कारण ह्या महिन्यांत आचारसंहिता लागण्याची अपेक्षा आहे. तत्पुर्वी एकदा सहकार मंत्र्याकडे किंवा महसूल मंत्र्याकडे दोन्ही पैकी एका ठिकाणी गेलो आणि आपली ही व्यथा मांडली जोपर्यंत कन्व्हेयन्स होत नाही. तोपर्यंत एन.ओ.सी. मिळत नाही. तर निश्चीतपणे त्यातून मार्ग निघेल असा मला विश्वास वाटतो. मी ११० टक्के आपल्यासोबत राहीन. मला ही योग्य वाटत नाही की ५० वर्षापूर्वी, १०० वर्षापूर्वी एखादा मालक असेल म्हणजे ही पगडी सिस्टम झाली मी कधीतरी मालक होतो. आत तुम्ही मालक झाले तुम्ही १०० वर्षापासून वाडवडीलापासून राहता आणि तुम्ही परत १०० रू.प्रति चौ.फुट द्या. तुम्हाला जर हस्तांतरण करायचे असेल तर ही न पटण्यासारखी गोष्ट आहे. अर्थात मला कुठल्याही न्यायालयाचा किंवा महसूल न्यायाधिकरणाचा मला उपमर्द किंवा त्याचा अवमान करण्याचा माझा हेतू नाही हे मी इथे स्पष्ट करू इच्छितो. पण आपण सगळ्यांनी जर प्रयत्न केले तर डिम्ड कन्व्हेयन्स साठी सुध्दा त्यातून आपल्याला सवलत मिळेल असा मला विश्वास वाटतो. आपण सगळेजण मिळून प्रयत्न करू या. निश्चीतपणे ह्या शहरातील जनतेला काही प्रमाणात दिलासा मिळेल अशी आपण वाटचाल करू या. असे मी सगळ्याच्या वतीने आश्वासन देतो.

**प्रभात पाटील :-**

हा सदनाचा विषय नाही म्हणजे निर्णय होणारा विषय नाही. सदनामध्ये ह्याचा निर्णय होऊ शकत नाही, असा हा विषय आहे. परंतु सरकारचे प्रतिनिधी म्हणून बसलेला आयुक्तांनी एवढी पोझेटीव्ह भूमिका घेतली की आपण सगळ्यांनी त्याचे अभिनंदन केले पाहिजे. हे ह्या शहराचे आयुक्त शोभतात की त्यांना सर्वसामान्य नागरीकांचे दुःख कळते. त्यामुळे मी माझ्या पक्षाच्या तर्फे आणि आघाडीतर्फे त्यांचे खुप खुप आभार मानते. आपण त्याच्या नेतृत्वाचा नक्कीच फायदा घेऊ या.

**मदन सिंग :-**

मा. महापौर मॅडम, मॅडम म्हणाल्या की हा सदनाचा विषय नाही, कमिश्नर साहेब माझ्या माहितीप्रमाणे आपण मनपा पण कुठले बांधकाम किंवा विकासकांना परवानगी देताना इस्टेट इन्व्हेस्टमेंटची एन.ओ.सी. मागते ना.

**मा. आयुक्त :-**

मागते.

**मदन सिंग :-**

आपल्याकडे महसूल किंवा शासनाचा किंवा शासनाचा काय आदेश आहे का की त्यांची एन.ओ.सी. घेतल्यानंतर परवानगी द्यावी.

**मा. आयुक्त :-**

७/१२ वर त्या मालकाचे नांव आलेले आहे. आपण दोन गोष्टी मागत असतो. एक तर त्या मालकाचे नांव, त्याचे पॉवर ऑफ ॲटर्नी कोणाला दिली असेल, पॉवर ऑफ ॲटर्नी रजिस्टर असेल तर त्याच्याप्रमाणे आपण कारवाई करतो. किंवा त्याचे नांव नसेल. पॉवर ऑफ ॲटर्नी दुसऱ्या कोणाच्या नांवाने असेल तर त्याची एन.ओ.सी. मागणे आवश्यक असते. नाही तर असे होईल तुमच्या मालकीची जमिन आणि परवानगी कोणी मागतो आहे आणि तुम्हाला न विचारता मी परवानगी देतो तर अराजकता निर्माण होईल. ते होऊ नये त्याची संमत्ती आपल्याला घेणे आवश्यक आहे.

**मदन सिंग :-**

इस्टेट इन्व्हेस्टमेंट आपल्याला लेखी एन.ओ.सी. देते का? पैसे भरल्यावर........

**मा. आयुक्त :-**

पैसे भरण्याचा आपला संबंध नाही. लेखी एन.ओ.सी. आपल्याकडे आल्यावर आपण परवानगी देतो.

**मदन सिंग :-**

पैसे भरल्यावर मनपाला त्या जागेकरीता इस्टेट इन्व्हेस्टमेंट लेखी एन.ओ.सी. देते का?

**मा. आयुक्त :-**

पैसे भरण्याच्या त्या शब्दाला माझा आक्षेप आहे. आपण एन.ओ.सी. मागतो.

**मदन सिंग :-**

मनपाच्या कामासाठी विकास करण्यासाठी विकासकाला किंवा मनपाला इन्व्हेस्टमेंट कंपनी लेखी एन.ओ.सी. देते का?

**मा. आयुक्त :-**

हो लेखी एन.ओ.सी. मिळते.

**मदन सिंग :-**

आपल्या रेकॉर्डमध्ये आहे का?

**मा. आयुक्त :-**

हो आहे.

**मदन सिंग :-**

जर इथे विकास करण्यासाठी किंवा मनपाला जर लेखी एन.ओ.सी. देत असेल तर डिम्ड कन्व्हेयन्ससाठी ते लोक पैसे घेतात. तर लेखी परवानगी एन.ओ.सी.चे देत नाहीत. जो काही पैसा माणूस भरतो त्याची कुठली ही पावती, चिठ्ठी, एन.ओ.सी. देत नाही. माझा म्हणण्याचा एवढाच उद्देश होता की महसूल खाते किंवा शासनाचा तसा आदेश आहे का?

**मा. आयुक्त :-**

आदेश आहे. ह्यामध्ये एक भाग आहे. ७/१२ वर ज्याचे नांव आहे . ७/१२ वर इस्टेट इन्व्हेस्टमेंटचे नांव असेल आणि आपण परवानगी मागितली तर माझा पहिला प्रश्न आपल्याला असतो की आपल्यांकडे पॉवर ऑफ ॲटर्नी आहे का? नाही तर आपल्याला एन.ओ.सी. तरी आहे का? दोन्ही गोष्टीपैकी एक असेल तर आपण वाटचाल करू.

**मर्लिन डिसा :-**

मा. महापौर मॅडम, ह्याच्यावर मी थोडी माहिती देते. मी शाळांसाठी तिकडे वारंवार जात असते. एन.ओ.सी.च्या चार कॉपीज मिळतात. एक कलेक्टर, एक एडीटीटी, एक कमिश्नर आणि एक स्वतःसाठी.

**प्रेमनाथ पाटील :-**

विदाऊट पेमेन्ट.

**मर्लिन डिसा :-**

विथ पेमेंट नथिंग विदाऊट पेमेंट और नया कुछ है ५०००/- फॉर दी ॲडव्होकेट उसका रिलीज डिल बनाने के लिए चार्ज लेते है।

**मॉरस रॉड्रीक्स :-**

कमिश्नर साहेब आपण एक सभेमध्ये ठराव घ्या की डिम्ड कन्व्हेयन्सला आपल्याला पैसे भरायला लागणार नाही. घ्यायचे नामंजूर केलेले आहे. डिम्ड कन्व्हेयन्स होऊ शकतो. ४० वर्षा अगोदर ज्या बिल्डरने बिल्डींग बांधली आहे तो करू शकतो. मी कोणाची ही बिल्डींग कन्व्हेयन्स करून आणून देऊ शकतो. बाकी परमिशन देणे आपल्या हातात आहे. १२० रू.लागू नाही. हा प्लान आपण पास करून द्यावा.

**नरेंद्र मेहता :-**

मा. महापौर मॅडम महत्वाचे विषय आहेत. तुम्ही त्यांची लक्षवेधी फेटाळली. आमची विनंती राहील की, सभागृहामध्ये विषय चालू करावे.

**मदन सिंग :-**

मैं इस विषय पे बैठ रहा हूँ। लक्षवेधी का मतलब जो होता है।

**मा. महापौर :-**

मेरे को मालूम है आपका मालमत्ते का है।

**मदन सिंग :-**

मालमत्ता छोड दिजिए, लक्षवेधी शहरमें क्यु लाई जाती है। मा.महापौर मॅडम माझे म्हणणे फक्त एवढेच आहे की, लक्षवेधी लोकांना का आणावी लागते. आणि लक्षवेधी आणल्या नंतर.......

**मा. महापौर :-**

आता बोला ना. तुम्हाला टाईम दिले तर तुम्ही मला समजावता. त्यापेक्षा आहे ते बोला ना.

**मदन सिंग :-**

ते बोलावे लागेल त्याशिवाय विषय होणार नाही.

**भगवती शर्मा :-**

मदनसिंग वह महापौर है, उनको मालूम है लक्षवेधी क्या है, ज क्या है, प्रांतिक अधिनियम क्या है।

**मदन सिंग :-**

मुझे मालूम नही ना।

**भगवती शर्मा :-**

आप आओ और सिखो।

**मा. महापौर :-**

आपका यह थर्ड टर्म है आपको मालूम नही.

**मदन सिंग :-**

यह टर्म में आपने प्रशिक्षण दिया नही।

**प्रेमनाथ पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम ह्या सभागृहात सर्वात जास्तीत जास्त नवीन नगरसेवक आहेत तर मागील दोन वर्षापासून प्रशिक्षण झालेच नाही. नगरसचिवांना सांगतो. तर ते बोलतात कमिश्नर साहेब सही करत नाही.

**मा. महापौर :-**

मा. आयुक्त साहेब सांगतात मी प्रशिक्षणाला कुठे नाही बोललो. ते इथे आयोजन करणार आहेत. तुम्हाला इथे नको आहे.

**लियाकत शेख :-**

मा. महापौर मॅडम, आपला डिम्ड कन्व्हेयन्स संदर्भात विषय होता. इस्टेट इन्व्हेस्टमेंट कंपनी मा. कमिश्नर, अतिरिक्त कमिश्नर साहेब तुम्ही रेव्हेन्यु डिपार्टमेंटमध्ये होता. तुम्हाला माहितच असेल की कलेक्टर साहेबांचे जे आदेश होते. इस्टेट इन्व्हेस्टमेंट कंपनी खालून वर घेण्यांत आले. आणि जमिन मालकाला इतर हक्कात घेण्यांत आले. वास्तविक पाहता त्या आदेशाचे पूर्णपणे अवलोकन व्हाव. लास्ट पॅरामध्ये लिहिलेले आहे. कुळ कायद्याखाली तरतूदी असलेल्या जमिनीना हे तरतूद लागू होणार नाही. त्याचप्रमाणे डीम्ड कन्व्हेयन्स विषय आहे. ५० वर्षापूर्वी बांधलेल्या बिल्डींग त्यांना १२० रू., १५०, ८० रू. भरणे हे अयोग्य आहे. सन्मा.सदस्य मॉरस रॉड्रीक्स ने सांगितल्याप्रमाणे त्या डीम्ड कन्व्हेयन्ससाठी कुठल्याही प्रकारचे हे करण्यांत येऊ नये. त्याच्यात सर्वांनी टेक्नीकची बसून मार्ग काढला तर सोयीस्कर होईल. टेक्नीकली मोठा विषय नाही. माझ्या माहितीप्रमाणे हायकोर्टाचे आदेश सुप्रिम कोटापर्यंत आदेश कायम करण्यांत आलेले आहेत. परंतु त्याच्या कुळ वहिवाटाच्या तरतूदी कुळ वहिवाट ज्याच्या जमिनी असतील त्यांना त्याच्यातून मुभा देण्यांत आली आहे. त्याचप्रमाणे आपण ह्याच पध्दतीने केल तर मला वाटते. आपल्या शहराचा पुर्नःविकासाचा प्रश्न मार्गी लागेल. तर कृपया आपणांस विनंती आहे की, ह्या विषयावर आपण गांभिर्याने विचार करून टेक्नीकली सर्व बाबींचा विचार करून त्याच्यावर विचार विमर्श व्हावा ही विनंती.

**नरेंद्र मेहता :-**

मॅडम विषय सोडून सभा चालू आहे.

**मा. महापौर :-**

शेख साहेब डीम्ड कन्व्हेयन्सवरच बोलले ते विषय सोडून काही बोलले नाही.

**नरेंद्र मेहता :-**

लक्षवेधी वर आयुक्तांनी खुलासा केला तर त्याच विषयावर पुन्हा चर्चा करायची विषय पत्रिकेवरचे विषय घ्या.

**लियाकत शेख :-**

मेहतांनी इस्टेट इन्व्हेस्टमेंट कंपनी का पैसा पब्लिक को जा रहा है आपको कुछ नही है।

**नरेंद्र मेहता :-**

साहेब इस्टेट इन्व्हेस्टमेंट कंपनी कोणाची आहे. डी.बी.रिॲलिटीची कंपनी आहे. डी.बी.रिॲलिटीने आपल्या मनपाची एक लाख फुट जागेवर कब्जा केला आहे. ते आपण त्यांच्याकडून वसुल करू शकत नाही. इस्टेट इन्व्हेस्टमेंट कंपनीकडून काय कमी करून देणार. डी.बी.रिॲलिटीने त्या जागेवर इमारत बांधली आहे. अनेकदा लक्षवेधीच्या माध्यमातून चर्चा झाली. ते आपण केले नाही. त्याचे तुम्ही इस्टेट काय कमी करून घेणार आणि मॉरस शेठनी सांगितले की, आम्हाला इस्टेटच्या एन.ओ.सी.ची गरज नाही. आम्ही परवानगी देतो. आम्ही हे करू शकत नाही. आणि आम्ही सरकारला सांगणार रजिस्टारला सांगणार खाली टाईमपास चालू आहे.

(सभागृहात गोंधळ)

**शरद पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम लक्षवेधी झाली आता विषयाला सुरूवात करा.

**हेलन जॉर्जी :-**

मा. महापौर मॅडम सन्मा. मेहता साहेबांना टाईमपास हा शब्द मागे घ्यायला सांगा.

**जुबेर इनामदार :-**

मेहता साहेबांनी शब्द मागे घ्यावा.

**नरेंद्र मेहता :-**

मी शब्द मागे घेतो.

**मा. महापौर :-**

सर्वांनी बसून घ्या.

**शिल्पा भावसार :-**

मा. महापौर मॅडम माझी लक्षवेधी फेटाळली. मला काही हरकत नाही. मा. आयुक्त साहेब मिरा भाईंदर गरजू गरिब जे भूमिपूत्र आहेत. स्थानिक आहेत. त्यांना टेक्नीकल एज्युकेशन मिळत नाही. ते त्यापासून वंचित आहेत. त्यांच्यासाठी मी लक्षवेधी आणली होती. त्यांच्या भविष्याबरोबर आपण खेळत आहोत. टेक्नीकल हायस्कूल व प्लेग्राऊंडचे जे आरक्षण होते त्या आरक्षणावर मनपाच्या बरोबर मिलीभगत करून तिकडे सीबीएससी शाळा बनवली गेली. त्यामुळे त्यांना टेक्नीकल एज्युकेशन मिळत नाही. मिरा भाईंदर

महानगरपालिका विद्यार्थ्यांना ते शिक्षण भेटत नाही. म्हणून त्यांना लांब जावे लागते. मा. महापौर आपल्याकडे आणि कमिश्नर साहेब आपल्याला अशी विनंती आहे की, पुढच्या महासभेत हा सविस्तर विषय घेऊन त्यांच्यावर लवकरात लवकर कारवाई करावी. जी. टेक्नीकल शाळा होती तिकडे सीबीएससी ची शाळा बनवली गेली. त्या यावेळेत दहिसर, बोरीवली वरून जी श्रीमंत मुले आहेत ते शिकायला येतात. तिकडे स्कूलसाठी बिल्डींग बांधायला सांगितली. तर तिकडे शॉप बनवले गेले. त्याच्यावर कारवाई पाहिजे. धनेगावे साहेबांनी नोटिसा काढले आहे. त्याच्यावरून कारवाई झाली नाही. म्हणून माझी आपणांस विनंती आहे की, त्याच्यावर लवकरात लवकर कारवाई करावी.

**मा. महापौर :-**

ठीक आहे.

**नगरसचिव :-**

प्रकरण क्र. ८३, दि. १९/११/२०१३ रोजीच्या मा. महासभेचे इतिवृत्तांत कायम करणे.

**भगवती शर्मा :-**

मा. महापौर परवानगीने से प्रत्येक महासभा में विषय होते है, उसमे ठराव होते है, सचिव साहब जो ठराव होते है उसका एक अनुपालन अहवाल दिया जाए। की उस इराव पे आपने क्या कारवाई की? पहले दिया जाता था उसके बाद बंद किया गया। लेकीन आज मैं सदन में जानना चाहता हूँ उसी ठराव के अनुरूप पेज क्र. १५ पे जो ठराव हुआ उसके उपर प्रशासनाने क्या कारवाई किया। प्रकरण क्र.५१ क्या कारवाई हुआ वह संबंधित विभागसे पुछके बताओ।

**दिपक खांबित :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो. प्रकरण क्र.५१ जे आहे त्या ठरावानुसार सर्व निविदा मागवल्या आहेत. सर्व कामाच्या निविदा मागवून स्थायी समिती समोर घेण्याकरिता सचिव विभागाकडे गोषवारा दिलेला आहे.

**रोहिदास पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम मी आपल्याला पुन्हा पुन्हा विनंती केली २८ मध्ये मा.महापौरांनी रूलींग दिले आहे की, पुढच्या सभेमध्ये दशक्रिया विधी शेडचा विषय घेऊ आणि आपली त्यावेळी बैठक झाली.

**मा. महापौर :-**

साहेबांनी थांबवले.

**मा. आयुक्त :-**

त्याबद्दलची पूर्ण माहिती नव्हती. पुढच्या महासभेत घेण्यांत येईल.

**रोहिदास पाटील :-**

तुमच्या ॲब्सेन्टीमेध्य हा विषय होता. शितोळे साहेब होते. मा.महापौरांनी रूलींग दिले की, आपल्या दालनात बैठक करून त्याच्यावर निर्णय घेऊया. दि.१४/१२/२०१३ ला मा. महापौर, मा. उप-महापौर मॅडम, तत्कालीन आयुक्त होते. मॅडम विषय मागे जातात. तुम्ही घेतले नसेल तरी पुढच्या मिटींगला घ्या. लोकांच्या उपयोगाचे विषय आहेत. कोणत्या पार्टीचे विषय नाहीत.

**मा. आयुक्त :-**

पुढच्या मिटींगमध्ये घेण्यासाठी आपण विनंती करू.

**प्रेमनाथ पाटील :-**

साहेब आचारसंहिता लागल्यावर मे पर्यंत मिटींग होणार नाही.

**मा. आयुक्त :-**

ह्यामध्ये मला असे सांगण्यात आले होते की, मागच्या महासभेमध्ये हा विषय आला होता. त्यामध्ये असे ठरले होते की, गटनेत्याच्या बैठकीमध्ये चर्चा करून डिझाईन फायनल करू. परंतु चर्चा झाल्यावर डिझाईन काही फायनल झाले नाही.

**प्रेमनाथ पाटील :-**

साहेब आर्थिक मंजुरी द्या.

**रोहिदास पाटील :-**

डिझाईन फायनल करण्यासाठी महापौर दालनात जी बैठक झाली. महापौर, उप-महापौर, सर्व गटनेते, विरोधी पक्षनेते, सभापती, सभागृह नेता त्यावेळी एकमत झाले होते. कोणताच वादविवाद झाला नाही. त्यामुळे ह्या मिटींगमध्ये येणे गरजेचे होते.

**मा. आयुक्त :-**

ठीक आहे. मागच्या मिटींगमध्ये मी नव्हतो. मला असे सांगण्यांत आले की, डिझाईन देखील गटनेत्याच्या मिटींगमध्ये ठेवायला पाहिजे.

**रोहिदास पाटील :-**

विरोधी पक्षनेता ने सुचना मांडली होती की पुढे सौंदर्यीकरण करा. म्हणजे शेड ते रस्त्यापर्यंत अशी सुचना होती. ती स्विकारली होती.

**मा. आयुक्त :-**

पुढच्या महासभेमध्ये आणण्यासाठी मी मा.महापौरांना विनंती करतो.

**बर्नड डिमेलो :-**

सचिव साहेब पान क्र.२९ ठराव क्र.५३ राज्यातील नागरी भागातील अधिकृत बांधकाम, अतिक्रमण नियत्रंण, अनधिकृत बांधकाम अतिक्रमण नियंत्रण व निर्मुलनासाठी उपाययोजना करण्याकरीता शासननिर्णय दि. ०२/०५/२००९ नागरी गुन्ह्याची नोंदणी तपासणे व खटला भरण्यासाठी स्थापन करण्यास विशेष कक्षासाठी खाली संवर्गातील पदे राज्यशासनाच्या आस्थापनेवर निर्माण करणे प्रस्तावित आहे. त्या ठरावाचे होते. आरक्षणामध्ये अतिक्रमण होतात त्याच्यासाठी पण उपयोगी पडेल.

**मा. अतिरीक्त आयुक्त :-**

ह्यामध्ये राज्य शासनाला ठरावाची गरज होती ते आपण पाठवले आहे. राज्यशासन स्तरावर कामकाज चालू आहे.

**बर्नड डिमेलो :-**

आरक्षणामध्ये अतिक्रमण होतात आणि ही पोलिस ठाणी लवकरात लवकर झाली तर अतिक्रमणामध्ये आता जो गोंधळ चालला होता त्याच्यासाठी आपल्याला त्याचा वापर करता येईल का? त्याचा रिपोर्ट लवकरात लवकर मागवला तर बरे होईल.

**मा. अतिरीक्त आयुक्त :-**

राज्य शासनाच्या स्तरावर सगळी पद मंजुर झाल्यावर ते स्कॉड आपल्याला मिळणार आहे. संपूर्ण महाराष्ट्रामध्ये हा प्रश्न आहे. शासनाची मान्याता आल्यावर आपल्याला स्कॉड मिळेल.

**वंदना चक्रे :-**

मा. महापौर मॅडम, पान क्र. ४० मध्ये आपण मागच्या वेळेस प्रशिक्षण दौऱ्यासाठी बाहेर जाण्यासाठी बोललो होतो.

**मा. महापौर :-**

साहेब बोलले ते इकडे प्रशिक्षण द्यायला रेडी आहेत. तुम्हाला चालेल का?

**वंदना चक्रे :-**

आम्हाला नाही चालणार. जरा बाहेर घेऊन जा. साहेब दीड वर्ष होऊन गेले प्रशिक्षणासाठी बाहेर घेऊन जा. आचारसंहिता लागलाच्या आधी आम्हाला प्रशिक्षणासाठी.

**मा. महापौर :-**

आचारसंहिता लागली तरी दौऱ्याला तुम्ही जाऊ शकता.

**वंदना चक्रे :-**

तुम्ही पहिले रूलींग द्या.

**मा. महापौर :-**

आचारसंहितेच्या आधी घेऊन जाते.

**शिल्पा भावसार :-**

पान क्र. ३६ वर जे बॅनरची कटाऊट वैगेरे त्याच्यासाठी काय कारवाई केलेली आहे.

**दिपक कुरळेकर (मा. उपायुक्त) :-**

१ एप्रिल २०१३ पासून कालपर्यंत १७,९,६६ बॅनर आणि फ्लेक्स बॅनर आम्ही काढलेले आहेत. मिरा भाईंदरच्या क्षेत्रामध्ये सात कर्मचाऱ्यांमार्फत त्याचे रजिस्टर मेंटेन केलेले आहे.

**ध्रुवकिशोर पाटील :-**

दि. १९/११/२०१३ रोजीच्या मा. महासभेचे इतिवृत्तांतामध्ये मा. सदस्य यांनी सुचविलेल्या सुचना व दुरुस्त्यांसह इतिवृत्तांत कायम करण्यांत येत आहे.

**जुबेर इनामदार :-**

ठरावाला माझे अनुमोदन आहे.

**प्रकरण क्र. ८३ :-**

दि. १९/११/२०१३ रोजीच्या मा. महासभेचे इतिवृत्तांत कायम करणे.

**ठराव क्र. ८४ :-**

दि. १९/११/२०१३ रोजीच्या मा. महासभेचे इतिवृत्तांतामध्ये मा. सदस्य यांनी सुचविलेल्या सुचना व दुरुस्त्यांसह इतिवृत्तांत कायम करण्यांत येत आहे.

**सुचक :- श्री. ध्रुवकिशोर पाटील अनुमोदन :- श्री. जुबेर इनामदार**

**ठराव सर्वानुमते मंजुर**

**सही/-**

**महापौर**

**मिरा भाईंदर महानगरपालिका**

**नगरसचिव :-**

प्रकरण क्र. ८४ स्थायी समितीच्या एका सदस्याने राजीनामा दिल्यामुळे महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे प्रकरण २ कलम २३ अन्वये एक (१) सदस्याची नेमणूक करणे. राजीनामा दिलेल्या सदस्याचे नांव :- १) श्रीम. शर्मिला विन्सन बगाजी. (भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस पक्ष)

**मा. महापौर :-**

सन्मा. गटनेते जुबेर इनामदार, भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस पक्ष ह्यांनी दिलेल्या पत्रानुसार मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम २० च्या तरतूदी अनुसार मा. स्थायी समितीमध्ये भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस उर्वरित कालावधीसाठी खालीलप्रमाणे नामनिर्देशन करत आहे. शेख अशरफ मोहम्मद इब्राहिम.

**प्रकरण क्र. ८४ :-** स्थायी समितीच्या एका सदस्याने राजीनामा दिल्यामुळे महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे प्रकरण २ कलम २३ अन्वये एक (१) सदस्याची नेमणूक करणे. राजीनामा दिलेल्या सदस्याचे नांव :- १) श्रीम. शर्मिला विन्सन बगाजी. (भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस पक्ष)

**ठराव क्र. ८५**

भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस पक्ष ह्यांनी दिलेल्या पत्रानुसार मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम २० च्या तरतूदी अनुसार शेख अशरफ मोहम्मद इब्राहिम. यांची मा. स्थायी समितीमध्ये उर्वरित कालावधीसाठी नामनिर्देशन करण्यात येत आहे.

**सही/-**
**महापौर**
**मिरा भाईंदर महानगरपालिका**

**नगरसचिव :-**

प्रकरण क्र. ८५ राष्ट्रीय फेरिवाला धोरण अंमलबजावणी करणेबाबत.

**नरेंद्र मेहता :-**

आजच्या मा. महासभेमध्ये राष्ट्रीय फेरीवाला धोरण हा विषय चर्चा व मंजूरीकरीता ठेवण्यात आलेला आहे. राष्ट्रीय फेरीवाला धोरण ठरविणेकरीता सभागृहासमोर प्रशासनाकडून गोषवारा व या संबंधीत माहिती दिलेली नाही. या विषयासंबंधित अभ्यास करणे महत्वाचे असल्याने तसेच फेरीवाल्यांवर या धोरणामुळे अन्याय व अडचण निर्माण होऊ नये याकरीता प्रशासनाने या विषयाबाबत सर्व सदस्यांना सविस्तर माहिती द्यावी. तसेच मा. आयुक्त सो. यांनी बाजार लिलाव निविदा मागवून लिलावाची प्रक्रिया पूर्ण करावी. मा. आयुक्त सो. यांनी राष्ट्रीय फेरीवाला धोरण अंमलबजावणी करणेकरीता सर्व पक्षीय बैठक बोलावून या विषयाची चर्चा ठेवावी. त्यानंतर उपरोक्त विषय संपूर्ण माहितीसह मा. महासभेमध्ये घेण्यात यावा असा ठराव मांडत आहे.

**प्रशांत दळवी :-**

ठरावाला माझे अनुमोदन आहे.

**हेलन जॉर्जी :-**

मॅडम दिपक सावंत साहेबांनी बससाठी बाहेरून अनुदान आणले. आम्हाला हुशार अधिकारी पाहिजे होते. ह्यांना काय ह्याच्या बदल्या करा. त्यांच्या बदल्या करा. पण आमच्या शहराचे नुकसान होते. कमिश्नर साहेब ह्यांच्यावर गंभीर दखल घ्या.

**भगवती शर्मा :-**

मॅडम वह बराबर बोल रही है, ऐसे अधिकारी अच्छा काम कर रहे है। आज जो विषय है राष्ट्रीय फेरीवाला धोरण निश्चीत करणे जिसका गोषवारा महासभो में दिया नही गया। गोषवारा न देने का कारण क्या है। यह ठराव कुछ भी करते है। विषय न होकर ठराव कर रहे है।

**जुबेर इनामदार :-**

मा. महापौर मॅडम, मा.आयुक्त महोदय राष्ट्रीय फेरीवाला धोरण त्याची अंमलबजावणी करण्यासाठी हा विषय मान्यतेसाठी महासभेपुढे ठेवला. त्यांनी अधिकाऱ्यावर आरोप केला ते ठीक आहे. मात्र निविदा प्रक्रिया दुसऱ्या बाजूला चालू आहे. १५ तारखेला निविदा प्रसिध्द करणार आहेत. जिथे आपल्याला चार महिन्यामध्ये राष्ट्रीय फेरीवाला धोरण आपल्याला निश्चीत करून ती अंमलबजावणी करायची आहे आणि दुसऱ्या बाजूला निविदा प्रक्रिया करतो हे योग्य आहे का? अशा परिस्थितीत त्यांना मुदतवाढ देऊन कारण पालिकेचे आर्थिक नुकसान व्हायला नको हा एक भाग आहे. त्याच ठेकेदारांना मुदत देऊन आपण २-४ महिने आपण काढू शकत होतो ना. त्याच्याऐवजी आपण नविन ठेका काढला, निविदा प्रक्रिया केली तर ते योग्य आहे का? सर्वोच्च न्यायालयाच्या आदेशाप्रमाणे चार महिन्यामध्ये तुम्हाला ह्याची अंमलबजावणी करणे भाग आहे.

**मा. आयुक्त :-**

सन्मा. विरोधी पक्षनेत्यांनी दिपक सावंत बद्दल ठराव मांडला आहे मी आपल्याला सांगू इच्छितो की, स्थायी समिती मध्ये एक ठराव पारित केला होता. त्यामध्ये प्रामुख्याने मला जे आठवत हा अजेंड्यावर विषय नव्हता. ऐनवेळेवर आलेला आहे. प्रामुख्याने तीन मुद्दे होते. बाजार समितीचा ठेका, निविदा काढला नाही, गव्हरमेंट ऑफ इंडिया कडून नगरविकास विभागाकडून आपल्याला १०० बसेस विना अनुदान तत्त्वावर मिळाल्या आणि मालमत्ता कराची वसूली ही पुरेशी होत नाही. ह्यामध्ये पहिला मुद्दा होता बाजार समितीचा, ठेका मी प्रशिक्षणाला जाण्यापूर्वी मी बाजार समितीचा ठेका फाईलवर मी सही केली होती. आणि त्यांनी ती

प्रोसेस केलेली होती. मी जी चौकशी केली अजून डिटेल चौकशी करायची आहे. त्या चौकशीमध्ये असे दिसले की त्यांच्याकडे ती फाईल प्रलंबित नव्हती ती त्यांनी प्रोसेस केलेली होती. त्या प्रकरणाबद्दल त्यांना सकृत दर्शन माझे मत झाले आहे. कदाचित मी डिटेल चौकशी केल्यानंतर वेगळसुध्दा निघू शकेल. त्याबद्दल मी आज भाष्य करू शकत नाही. त्यामध्ये त्यांनी ती फाईल प्रोसेस केलेली होती. त्यामध्ये त्यांचा दोष दिसत नाही. मा.महासभेने ठराव पारित केला होता. सन २०१०-११ मध्ये त्यावेळेस असे ठरले होते की, केंद्र शासनाकडून आपण २५० बसेसची मागणी करावी. आणि २५० बसेसची मागणी करण्यासाठी पुढील कारवाई जी आहे ते अधिकार आयुक्तांना प्रदान करावे. सुरूवातील आपल्याला ५० बसेस मिळाल्या. त्यामध्ये ५० टक्के रक्कम महानगरपालिकेने भरायची होती. आपल्यावतीने जो ऑपरेटर होता केस्ट्रल कंपनी त्यांनी ते पैसे भरले. टेंडर मध्ये त्यांनी ते कोट केल्यामुळे पण ते ५० टक्के पैसे भरायचे होते. ह्यावषी २५० पैक्की १०० बसेसचा प्रस्ताव सादर केला. तर आपल्या सगळ्याच्या प्रयत्नांनी प्रथमतः आपल्या मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणाच्या अधिपत्त्याखाली ज्या अर्बन लोकल बॉडीज आहेत. नागरी संस्था ज्या आहेत ही एकमेव मनपा आहे ज्यामध्ये आपल्याला १०० टक्के अनुदानावर १०० बसेस मिळाल्या आहेत. कल्याण डोंबिवली, ठाणे मनपा किंवा मुंबई मनपा आहे किंवा नवी मुंबई मनपा आहे. ह्या सगळ्यांना जे मिळालेले आहे त्यांना काही न काही प्रमाणात आपल्याला पैसे मिळाले आहेत. काही प्रमाणात आपल्याला पैसे मिळाले आहेत. ह्याची माहिती स्थायी समितीला दिली नाही किंवा महासभेला दिली नाही मला हा प्रश्न सकृत दर्शनी योग्य वाटत नाही. कारण ज्या अर्थी २५० बसेसचे अधिकार दिलेले होते. महासभेने आयुक्तांना अधिकार दिलेले होते. आयुक्तांना अधिकार दिल्यानंतर त्या ५० टक्के पेक्षा जर ६० टक्के जर भरावे लागते असते तर निश्चीत पण महासभेपुढे येणे आवश्यक होत पण १०० टक्के मोफत मध्ये जर बसेस मिळत असतील तर त्यासाठी महासभेपुढे येण्याची आवश्यकता नाही. हे आजही माझे ठाम मत आहे. ह्यामध्ये अधिकार दिले किंवा नाही त्याबद्दल कोणाला शंका असेल तर त्याची आपण चौकशी करू शकतो. मालमत्ता वसूलीचा सन्मा. स्थायी समितीचे सभापती मला भेटले होते. सन्मा.सदस्यही भेटले होते. त्यांना मी आश्वास्त केले होते की, गतवर्षी जी रिकव्हरी झाली असेल ती ५० कोटी, १०० कोटी असो, १५० कोटी असो. त्या वसूलीमध्ये निश्चीतपणे २० टक्के वाढ मी ह्यावेळेस करून देतो. आणि मी जेव्हा जबाबदारी घेतो तर मग त्यांनी माहिती दिली नाही किंवा त्यांनी वसूली केले नाही. आर्थिक नुकसान केले हे सुध्दा मुद्दे इथे गैरलागू ठरतात. दुसऱ्यांदा माझी त्याची भेट झाली होती. त्याही वेळेस मी सांगितले होते की, २० टक्के निश्चीतपणे गतवर्षीपेक्षा आणि कुठलीही अतिरीक्त उपाययोजना न करता २० टक्के अधिक वसुली आपल्याला करून देतो. काळजीचे कारण नसावे. फक्त आम्हाला आमच्या पध्दतीने काम करून द्यावे. त्याच्यानंतर विना चौकशी, विनाकारण आपण कार्य वक्त करायचा. आपला आग्रह असेल तर तो योग्य होणार नाही. एक चुकीचा पायंडा पडेल. मी आपल्यासमोर बसायला तयार आहे. मला कोणाला वाचवायचे नाही. माझी आपल्याला विनंती आहे की, मला चौकशी करू द्यावी. आपण म्हणाल तर आपण आणखी त्रेयस्त माणसाला तिन्ही प्रकरणाची चौकशी करायला द्या. चौकशी होऊन जाऊ द्या. चौकशी झाल्यानंतर त्यांना कार्यमुक्त करायचे असेल तर मी स्वतः त्यांना ह्या पदावर ठेवणार नाही. स्टॅडींगनी ठराव केला, आपण अजेंड्यावर विषय नसताना किंवा पूर्व कल्पना न देता आपण जर आणत असाल तर योग्य आहे असे मला वाटत नाही.

**नरेंद्र मेहता :-**

मा. महापौर मॅडम, मा. आयुक्त महोदय, आपल्या माहितीसाठी सांगतो. डिसेंबर २०१३ ला सन्मा. राजू भोईर यांची नविन सभापती म्हणून निवड झाली होती. मा.विक्रम कुमार साहेब होते त्यांनी बाजार लिलावचे टेंडर निविदा मागवून बाजार लिलाव दिले. पण तेव्हा स्थायी समिती गठीत नव्हती. दोन महिण्याकरीता मा.आयुक्तांनी त्यांना आपल्या अधिकाराखाली कार्यादेश दिले होते. त्यानंतर दिपक सावंत साहेबांनी स्टॅडींग कमिटी झाली. मॅडम त्यावेळी आपली सत्ता होती. त्यावेळी विषय सादर केला आणि स्थायी सभापतीने सांगितले पुढच्या सभेत सगळे रितसर माहितीसह सादर करा. त्यानंतर तो विषय एक वर्ष सादरच केला नाही. म्हणजे ऑक्टोबर २०१३ पर्यंत तो ठेकेदार कोणाचा कार्यादेश. स्टॅंडीगने कधी निविदाच मान्य केली नाही. दिपक सावंतनी वर्क ऑर्डर देऊन ते काम चालूच आहे. ऑक्टोबर ही निविदा परत मागवू या. मा.आयुक्त साहेबांनी सांगितले मी त्यांना आदेश दिले होते. मग दिपक सावंत आणि आयुक्त साहेब दोनच त्याच्यात होते. तिसरे कोण नाही. मग निविदा का कॉल केली गेली नाही. लोकसंख्या वाढली, शहरात फेरीवाले वाढलेले आहेत. त्यामुळे १५-२० टक्के रक्कम आपल्याला जास्त वाढून आली. एक मुदतवाढ नाही तर कर्मचारी घ्या त्याची ही मुदतवाढ चालू आहे. वाहनाचे घ्या. वाहनाचे जानेवारी २०१३ ला पानपट्टे साहेबांना सांगितले की, तुम्ही निविदा काढा. रिक्शाचे भाडे ५०,०००/- ते ६०,०००/- त्याचीही मुदत वाढ सगळी मुदत वाढ बेकायदेशीर आणि हा विषय मी आणला नव्हता तर आपलीच सत्ता असताना तो विषय आणला गेला होता की, निविदा फेर मागवावी. आपण तो ठराव बहुमताने मंजुर केला की, दिपक सावंत साहेबांनी डिसेंबर महिन्याच्या शेवटच्या सभेमध्ये आपणच आपणच निर्णय केला होता. त्याची अंमलबजावणी केली नाही. त्यानंतर शरद पाटील आहे ते बोलले महानगरपालिकेचे नुकसान होते तुम्ही का करत नाही. परत आम्ही संधी दिली की, इमीजिएटली करा. तरी ही त्यांच्याववर कारवाई नाही. आता जेव्हा निलंबनाचे सांगितले आणि ठराव केला तेव्हा मॅडम निविदा कॉल केली गेली. मा. आयुक्तांना येऊन दिड महिना झाला. दिड महिन्यांत तीनदा ठराव झाले. आपण पण त्यांचा गांभिर्याने विचार केला नाही. आर्थिक नुकसानीला जबाबदार कोण? आम्हाला

हौस नाही की ह्या अधिकाऱ्यासाठी बरोबरच सगळे अधिकारी आमच्यासाठी बरोबरच आहेत. पण मनपाचे आर्थिक नुकसान झाले त्याला जबाबदार कोण? दोषी कोण? आणि स्थायी समितीच्या मान्यतेशिवाय त्याला कार्यादेश का दिला? स्थायी समिती एक वर्ष होती ना. ठेकेदाराला त्या निविदाला मंजुरी कोणी दिली. बसेसचे आपण सांगता त्याचे आम्ही कौतुक करू. पण हे सांगा की ५० बसेस आहेत. त्याचे आम्हाला आजपर्यंत भाडे आले का? भाडे किती बाकी आहे. त्या बसेसची अवस्था काय आहे? त्या उत्तनच्या नागरीकाची अवस्था काय आहे, ते कोण दर्शवणार तुम्ही एक बाजू दाखवता दुसरी बाजू त्याची जबाबदारी दिपक सावंत साहेबाची नाही का? आता तुम्ही वसुलीसाठी सर्व डिपार्टमेंट अधिकाऱ्यांना बोलणार टॅक्स वसुली करा, ताळे मारा, सिल करा, पाणी कापा, पैसे आणा हे तुम्ही टाईम टू टाईम केले असते. अजूनही सर्व लोकांना बिल सुध्दा गेली नाहीत. तुम्ही बिल देणार आणि त्यांना बोलणार पैसे दे नाहीतर पाणी कापतो नाही तर घराला कुंडी मारतो. मनपाची कामच होणार नाहीत. सगळे जण टॅक्स वसुलीला लागणार तेव्हा तुमची वसुली होईल. म्हणजे एका व्यक्तीने चूक केली म्हणून आपण सर्वांनी मिळून टॅक्स वसुली करायची आणि सांगायचे आम्ही चांगले काम केले असे सांगायचे आहे का? बसची अवस्था आपल्याला माहित आहे. नविन येतील ते ठीक आहे. आजची अवस्था काय आहे. मला कोणावर आरोप नाही पण. सध्या जी आपली परिवहनची सेवा आहे. ती व्यवस्थीत चालत नाही. त्यामध्ये आपली काही चूका असतील, ठेकेदाराची असेल पण सध्या परिस्थिती अशी आहे. आमच्या उभ्या उभ्या बसेस कशा जळाले, ह्याची कोणालाच जबाबदारी नाही का? ऑक्टोबर मध्ये निविदा मागविली असतील तर १०-२० लाख इन्कम जास्त आले असते. तर त्याचा फायदा मनपाला झाला असता. त्या नुकसानीला त्यांना जबाबदार धरायचे नाही का? स्थायी समितीत तीनदा ठराव झाला. एकदा त्यांनी केला. दोनदा आम्ही केला. कोणी लक्ष देत नाही. आपण येऊन दीड महिना झाला. त्या व्यतिरीक्त दिपक सावंत साहेबांनी ठेकेदारांना नोटीस दिली की, तुम्ही ना फेरीवाला क्षेत्रामध्ये वसुली करता तुमचा ठेका रद्द करू. पण त्याच्यावर कारवाई होत नाही. मा.महापौर मॅडम मी आजच जाहिरात बघीतली दीड करोडचे टेंडर म्हणजे त्याची कॉस्ट बेस्ट प्राईज त्यामध्ये तुम्ही सांगितले २० लाख सॉल्व्हेन्सी आणा. १५ लाख मनपाला पे ऑर्डर द्या. ३५ लाख रूपये देऊन तो बोली बोलायला येणार. चार निविदा आपण मागवल्या आहेत. साहेब तो किती पैसे घेऊन येणार. एक करोड ४० लाख रूपये घेऊन बोली बोलायला यायच. त्याला मग त्याच्यात काय होणार जे जुने आहेत. तेच तुमच्याकडे परत येतील म्हणजे फेर कॉम्पीटीशन सुध्दा नाही. हे काय त्यांना माहित नाही का? १ करोड ४० लाख रूपये भरल्यावर त्या लिलावात भाग घेता येईल. म्हणजे लिलाव लागत नाही. खाली बोली बोलायची नाही लागतात. सांगायच साहेब १ करोड ४० लाख कधी परत देणार. असे टेंडर होतात का? ह्या कंडीशनची आवश्यकता काय? टेंडर लागल्यानंतर तुम्ही ५० करोड मागा ना. आमचे काही देणघेण नाही. मनपाच्या हिताचे बघा. १ करोड ४० लाख घेऊन काय बोली बोलायला यायच. आय.पी.एल.ची टिमला १ करोड ४० लाख भरायला लागत नसतील. बाजार लिलावाला १ करोड ४० लाख आमच्याकडे जमा करा. सॉल्व्हेन्सी २०-२० लाखाची चार आहेत. आणि १५-१५ लाख रूपये पे ऑर्डर आहेत. मग फेर कॉम्पीटेशन होईल का? हे सगळे दिपक सावंत साहेबांना माहित नाही का? हे सगळे ॲडजेस्टमेंटवाले काम चालू आहे. ज्या ठेकेदारांना तुम्ही नोटीस दिली त्याच ठेकेदारांनी फॉर्म घेतले. परत तेच येतील मग असेच काम चालवायचे का? हे सगळे बघण्याचे आपले कर्तव्य नाही का? मला दोनच चिंता आहेत. आर्थिक नुकसान झालेले आणि स्थायी समिती अस्तित्वात असताना त्यांची मंजुरी न घेता कार्यादेश कसे दिले.

**हेलन जॉर्जी :-**

साहेब चोर सोडून नेहमी संन्यासाला शिक्षा भेटते. नेहमी मोठाच अधिकारी मरतो हे लोक स्टेप बाय स्टेप जात नाही. साहेब छोटे छोटे अधिकारी आहेत त्यांच्यावर लक्ष द्या. चुकीची बिल निघाल्यामुळे दिपक सावंतना त्रास झाला आहे. जे प्रामाणिक असतात जे काम करतात तेच मेले जातात. मी कोणाला दोष देत नाही. पण नविन जे अधिकारी आले आहेत. त्यांच्यावर लक्ष द्या. आम्हांला चांगला अधिकाऱ्याची गरज आहे.

**भगवती शर्मा :-**

मा. महापौर मॅडम, इन्होने मुद्दा उठाया स्थायी समिती के अंदर विषय लिया गया था। विषय लेने का बाद उस विषय को बाद में वापस किया गया था। उस विषय में ऐसी ही चर्चा हुई थी की, सविस्तर माहिती घेऊन परत विषय घ्या. विषय आया था। विषय को वापीस भेज दिया गया था। किन कारणोसे वापस भेजा, उसका इधर कुछ खुलासा नही कर रहा है। मैं आपले माध्यम से बताना चाहता हूँ इसमे बहुत कारण थे। आज अधिकारी बोलने के स्थिती मे नही है। जो इन्होने बोला मुदत वाढ दे दी जाती थी। निलामी की बोली लगती थी। फेरीवाला झोन, ना फेरीलावा झोन इसके लिए कही लोगो का वाद था। फेरीवाले भी वारंवार आते थे की हमारे फेरीवाले झोन के अंदर में हम बैठते है फिर भी उठाते है। कुछ लोग फेरीवाला झोन मे बैठते थे उनको उठाते थे। आज के किई बरसो पहले महासभा के माध्यमसे निश्चीत धोरण किया गया था। की यह फेरीवाला झोन है यह ना फेरीवाला झोन है। लोकसंख्या बढती गई हर समय निलामी की बोली लगाते गये। उसमे बढोतरी होती गई लेकीन रिकव्हरी कहाँ से करेगा। रिकव्हरी करने के कारण से नो फेरीवाला झोन में लोग बैठते थे। वहाँ से रिकव्हरी करते थे। सदस्यों की तक्रार होती थी उनको उठाया जाता था। इसी तक्रार को मद्दे नजर रखते हुए उस समय स्थायी समिती में एक आवेदन आया था की हमारा एक धोरण निश्चीत करके फिर इस निविदा को निकाला जाए। इसके लिए कई बार आपको निवेदन भी दिया। जब तक आप धोरण निश्चीत नही करेंगे। निविदा मगाऐगे फिर वांरवार तक्रार होगी। इस सदन में सदस्योने वारंवार तक्रार

की है। जब तक आप फेरीवाला धोरण निश्चीत नही करेंगे ऐसा हो होगा। धोरण निश्चीत करने के लिए यह विषय आया है। दिशाभूल करके ठराव कर रहे है। मेरा यह मानना है की आज सभी सदस्यों का मत जानते हुए एक निर्णय लिया जाए। कोन सा फेरीवाला झोन है इसका क्या धोरण है उसकी सदस्य को जानकारी भी होनी चाहिए।

**जुबेर इनामदार :-**

मा. आयुक्त महोदय, फेरीवाला क्षेत्र आणि ना फेरीवाला क्षेत्र कोणते असायला पाहिजे त्याचे निष्कर्ष सर्वोच्च न्यायालयाने स्पष्ट दिलेले आहेत. रस्त्याच्या कुठल्या बाजूला फेरीवाले बसतील. त्याची गरज लागणार नाही. मुद्दा तोच आहे. चार महिन्यामध्ये आपल्याला राष्ट्रीय फेरीवाला धोरण राबवायचे आहे. तेव्हा निवेदनाची गरज आहे का? आज तो विषय नसताना अशा प्रकारे अधिकाऱ्यावर कारवाई करू शकतो का?

**निलम ढवण :-**

मा. महापौर मॅडम, महासभेमध्ये हा विषय घेतला गेला त्या विषयाचा गोषवारा नाही मग नक्की धोरण ठरवायचे म्हणजे काय ठरवायचे आहे. जर गोषवारा दिला असता तर सर्व सदस्यांना त्याची माहिती मिळाली असती.

**मा. महापौर :-**

मॅडम हे धोरण नक्की करण्याकरीता जी.आर आले. हे माझ्या पावर्समध्ये आहे. त्याच्यामध्ये विरोधी पक्षनेत्याने, सभागृह नेत्याने आणि सर्व प्रभाग अध्यक्ष हा विषय त्यांनी आणला आहे. परंतु हा जो जी.आर. आलेला आहे त्याचा माझ्या दालनात बसून निर्णय घ्यायचा आहे. महासभा संपू द्या. मग दुसऱ्या हप्त्यात हे धोरण निश्चीत करू या. त्याच्या अगोदर त्यांनी ठराव मांडला.

**निलम ढवण :-**

ठराव मांडला पण विषयच जर विषय पत्रिकेवर आला नसता.........

**मा. महापौर :-**

मी त्यांना नाही सांगितले कारण हा जो निर्णय आहे तो खाली बसून घ्यायचा आहे. मी त्यांना तेच बोललेली की ते धोरण निश्चीत करायचे त्याचे अख्खा जी.आर. आपल्याला दिला आहे.

**निलम ढवण :-**

तुमच्या अखत्यारित मिटींग झाली असती त्यानंतर हा विषय मा.महासभेत ठेवला असता तर त्याचा गोषवारा आला असता.

**मा. महापौर :-**

पुढच्या हप्त्यात लावायची आहे.

**निलम ढवण :-**

ठीक आहे. बऱ्याच वेळेला होते की गोषवारे ह्यांच्यात नसतात.

**वर्षा भानुशाली :-**

मॅडम मैने जी.आर. मांगा. जी.आर. भी मेरे पास आया नही.

**मा. महापौर :-**

जी.आर. सबको दिया है।

**वर्षा भानुशाली :-**

जी.आर. कब आया है। मैने जब अधिकारी से मांगा तो वह बोलते है। कल भेजता हूँ।

**मा. महापौर :-**

ऑक्टोबर में जी.आर. आया है।

**निलम ढवण :-**

मा. महापौर मॅडम मागच्या महासभेत ठरल्याप्रमाणे त्यांनी जे ना फेरीवाला क्षेत्र असे बोर्ड जास्तीत बसवून रोडला लावले आहेत. परंतू त्या बोर्डच्या खालीच सगळे फेरीवाले बसतात. त्यामुळे लोक ह्या गोष्टींची चेष्टा करतात. हे आम्ही प्रभाग समितीच्या मिटींगमध्ये निदर्शनास आणले आहे. परंतू नेहमी तिथे हेच चालू असते.

**मा. महापौर :-**

मॅडम दुसऱ्या हप्त्यात माझ्या दालनात मिटींग लावू या, ह्याचे धोरण निश्चीत करू या.

**निलम ढवण :-**

ठीक आहे.

**शिल्पा भावसार :-**

मा.महापौर मॅडम निलम ताईने जसे सांगितले तसे माझे देखील मत आहे. आमच्या वॉर्डात आणि इतर वॉर्डात देखील जिथे ना फेरीवाला क्षेत्र असे लिहीलेले आहे. तरी देखील त्याच्याखाली फेरीवाले लाईनीमध्ये बसलेले असतात. तर तिकडे लोकांना चालण्यासाठी जागा नसते. आमच्या वॉर्डात भरपूर ॲक्सीडेंट होतात. रोज १-२ लोक पडतात. स्कूटरने ॲक्सीडेंट होते. शाळेच्या बस जातात. त्यांच्यावर कारवाई करण्यासाठी मी लेटर टाकलेले आहेत. ६-७ महिने झाले मला अजूनही प्रभागातून उत्तर दिले गेले नाही. आमचे दुर्देव समजा किंवा काही अधिकारी घडीघडी चेंज होतात. प्रभागात मी बरीच लेटर दिली आहेत त्याच्यात अतिक्रमणाचे पण

लेटर आहेत. जे अतिक्रमण एवढे नाही तरी ते तुटले गेले आणि आमच्या लेटरवर लक्ष दिले गेले नाही. असे का? मला पण माझ्या पत्राची उत्तर पाहिजेत. राणे साहेबांनी माझ्या एकही लेटरला महत्व दिले नाही. का नाही दिले ते त्यांनाच माहित सगळे नगरसेवक एकच सारखे असतात. कोणाच्या लेटरचा उत्तर द्यायचे नाही द्यायचे. तसेच नाही व्हायला पाहिजे. मी जनतेसाठी लढते. जनतेच्या हितासाठी मी मागण्या केल्या आहेत. अनधिकृत बांधकामाची लेटर मी टाकलेली आहेत. त्याच्यावर कारवाई काय? आपले इंजिनिअर वगैरे कोणी बघायला पण गेले नाहीत. मोहिते साहेबांना सांगितले की, मी प्रभाग अधिकारीला लेटर दिलेले आहे. ते त्यांच्यावर कारवाई करतील. आम्ही तिथे फॉलोअप करतो. तिथे फॉलोअप केल्यावर अधिकारी साहेब बोलतात. उद्या करतो मला बंदोबस्त घ्यावा लागेल. आमच्याकडे गाडी नाही हे नाही.

**सुरेश खंडेलवाल :-**

मा. महापौर मॅडम, विरोधी पक्षनेताने बताया की निविदा निकाली है। एक तरफ हम कह रहे है धोरण निश्चीत करना है। और दुसरी तरफ सुन रहे है की निविदा भी निकाली है। तो मैं समझना चाहता हूँ की इसमे से क्या सही है। मतलब धोरण निश्चीत होने कें बाद मे निविदा होनी चाहिए या फीर निविदा निकाली है बाद मे हम धोरण निश्चीत करेंगे। मा.महापौर मॅडम, आपने बताया की, आपके अध्यक्षता धोरण बनाने के लिए कमिटी बनेगी। उसमे सभी सभागृह नेता, विरोधी पक्षनेता, प्रभाग अध्यक्ष सभी रहेंगे। तो मैं जानना चाहता हूँ की जब निश्चीत करेंगे तो हम नगरसेवको की क्या राय या मश्वरा, सुझाव हम दे सकते है क्या। इसके बारें मे खुलासा करेंगे तो हम सबको समझ में आएगा आप क्या धोरण बनाने जा रही है। हमारी कुछ भूमिका हो सकती है की नही।

**नरेंद्र मेहता :-**

मा. महापौर मॅडम आम्ही जो ठराव मांडलेला आहे. त्यावर कुठल्याही अधिकाऱ्यांवर एवढ जायची गरज नाही. पण आम्हाला असे वाटते की, आर्थिक नुकसान ह्याचा नविन निविदा मागवल्यावर आपल्याला जाणीव होईल की, आपल्याला जास्त पैसे आले असते. तरी आम्ही मांडलेला ठराव आहे त्याच्यात फक्त सर्वपक्षिय बैठक घेऊन ह्या विषयावर चर्चा करा. बाकी आमचा ठराव मागे घेतो. ह्या कंडीशनवर मा.आयुक्तांनी त्याची चौकशी करावी. दोषी असतील तर तुम्ही आम्हांला न्याय द्यावा ही आपल्याला विनंती राहिल.

**सुरेश खंडेलवाल :-**

सर मैने सवाल किया उसका जवाब देंगे तो अच्छा होगा।

**मा. आयुक्त :-**

ह्यामध्ये राष्ट्रीय फेरीवाला धोरण हे शासनाने केलेले आहे. तो उसमे पुरे अधिकार मा.महापौर मॅडम को दिए है। मा. महापौर मॅडम उसकी बैठक लेगी। मा.महापौर मॅडम को पूरा अधिकार है। महासभा में आने की जरूरत पडी तो आएगी। अभी जो बाजार ठेका है। जब तक अपना धोरण अंतिम होता नही। फेरीवाला कौनसा क्षेत्र है वह निश्चीत है। वह भी मा.महासभाने निश्चीत किया है। ना फेरीवाला क्षेत्र कौनसा है वह भी निश्चीत किया है। तब तक उसकी रिकव्हरी चालू रहेगी। टेंडर की कालावधी खतम हो गया इसके लिए नए टेंडर की प्रोसेस शुरू की है।

**प्रभात पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम स्थायी समितीमध्ये सावंत साहेबांनी एक उत्तर दिले होते की, त्यांनी काही लोकांना ब्लॅकलिस्टेड केले आहे. मेहता साहेब बोलले त्याच त्याच लोकांनी पुन्हा एकदा फॉर्म घेतले आहेत. तुम्ही जर टेंडर कॉल केले असेल किंवा करायचे असेल तर त्याची मुदत वाढ होईल आणि काही लोक ब्लॅकलिस्ट खरच केले आहेत का? केले असेल तर नांव डिक्लेअर करावी. कारण पुढे जे टेंडर घेणार आहेत त्याच्या विषयी माहिती मिळेल.

**सुरेश खंडेलवाल :-**

मॅडम साहेबांनी मला जो रिप्लाय दिला त्याच्यामध्ये साहेबांनी असे सांगितले की, ते फेरीवाला क्षेत्र डिक्लेअर आहेत आणि जे नाहीत त्याच्यासाठी आता निविदा काढली आहे. साहेब आपण समितीमध्ये कोणत्याही रस्त्याला फेरीवाला क्षेत्र डिक्लेअर केले तर त्याच्यासाठी परत निविदा काढायला लागेल की त्याच निविदामध्ये तो ॲड होईल.

**प्रभात पाटील :-**

त्यांनी जे ब्लॅकलिस्टेड ठेकेदार केले आहेत त्याची नांव डिक्लेअर करावी.

**मा. आयुक्त :-**

मॅडम, आपण जे म्हटलेल आहे ते स्टॅंडींगचा रेकॉर्ड मी बघून घेतो. त्यामध्ये त्यांनी काय म्हटलेल आहे काय आश्वासन दिलेले आहे. त्याचा पूणपणे आदर केला जाईल.

**शरद पाटील :-**

मा. आयुक्त साहेब आता विरोधी पक्षनेताने पण सांगितले की, त्याच्यात ज्या अटीशर्ती आहेत त्यामुळे ह्याच्यात कोणती कॉम्पीटीशन होत नाही. कम्प्लीट सेटींग असते ती तुम्ही त्या अटीशर्ती कमी करा ना. आणि ज्यांना ठेका लागेल त्यांच्याकडून जेवढे पैसे मागून घ्यायचे ते घ्या.

**मा. आयुक्त :-**

त्याच्यामध्ये मी असे करतो मागच्या वेळेस जेव्हा आपण टेंडर मागितले होते तेव्हा अटीशर्ती काय होत्या त्यामध्ये फार मोठा बदल झालेला आहे का? ते मी बघतो. त्यामध्ये समजा रक्कम जर वाढत असेल तर त्याच्याप्रमाणात डिपॉझीट घेण आवश्यक असेल किंवा इ.एम.डी. घेणं आवश्यक असेल तर त्याप्रमाणात कारवाई केली जाईल. आणि गरज पडली तर त्याच्यामध्ये फेरबदल करून ती निविदा मागविण्याची त्याची मुदत पुढे सुध्दा ढकलण्यात येईल.

**शरद पाटील :-**

साहेब, ते कराच आणि दुसरी गोष्ट म्हणजे आम्ही वारंवार बोलत असून ना फेरीवाला क्षेत्रातून पैसे वसूल करू नका असे ठेकेदाराला सांगितले असताना अधिकाऱ्याचे जर ठेकेदार ऐकत नसेल तर कोणाचे ऐकतील. म्हणून स्थायी समितीमध्ये सावंत साहेबांनी सांगितले त्यांना ब्लॅकलिस्ट करणार मग त्यांची नांव डिक्लेअर करा.

**मा. आयुक्त :-**

स्टँडींगमध्ये काय चर्चा झाली त्याचा मी स्वतः रेकॉर्ड पाहीन. जे आश्वासित केले असेल त्याचा पूर्णपणे आदर केला जाईल.

**प्रभात पाटील :-**

साहेब ह्याचा अर्थ असा होतो की, आम्ही जे बोलतो त्याच्यावर आपला विश्वास नाही.

**मा. आयुक्त :-**

विश्वास नाही अशातला भाग नाही. त्यांनी नेमके काय आश्वासन दिले होते. पेपर आपल्या कडे नाही. माझ्याकडेही नाही. तोंडी आहे. तर रेकॉर्डवर जे म्हटले असेल त्याप्रमाणे आपण पुढे कारवाई करू.

**प्रभात पाटील :-**

ठीक आहे. आम्ही पत्र देतो.

**जुबेर इनामदार :-**

मा. आयुक्त साहेब, अटीशर्तीची जेव्हा परत पाहणी कराल त्याच्यामध्ये अशी शिथिलता द्या की त्याच्यामध्ये अनुभवाची अट आहे. आता बाजार फी वसुली करायला अनुभव कशाला पाहिजे. आज पर्यंत ते कधीच लक्षात आले नाही की बाजार फी वसुली करणे हा काही मोठा पराक्रम नाही. त्याच्यासाठी अनुभव म्हणजे जे आजर्पंत करत आले त्यांनाच संधी मिळेल कुणाला मिळणारच नाही.

**मोहम्मद फरिद कुरेशी :-**

आपण धोरण नक्की करायला बसलो आहोत किंवा त्याच्यावर चर्चा चालू आहे. राष्ट्रीय फेरीवाला धोरण संदर्भात मा. आयुक्तांनी आपल्याला आवश्यक माहिती दिलेली आहे. मॅडम ह्याच्यात माझी अशी विनंती होती की, आपण प्रायव्हेट कॉन्ट्रक्टर लोकांना वसुलीसाठी ठेका देतो. आपण दिलेल्या ठेक्याचा वापर तो कसा करतो. जो ना फेरीवाला क्षेत्र असतो तिकडे तर त्याला वसूली करायचीच नाही. फेरीवाला क्षेत्रामध्ये करायची आहे. पण माफिया सारख हे लोक ऑपरेट करतात की, जो ना फेरीवाला क्षेत्र आहे तिकडे ह्यांची माणस बसणार किंवा कलेक्शन करणार आणि ते लोक प्रमोट करणार. तर जेव्हा आपण कन्डीशन डिसाईड करतो तर त्यामध्ये त्या कॉन्ट्रक्टरला आपण एकतर ब्लॅक लिस्ट करू शकतो किंवा त्यांना पॅनलाइज्ड करू शकतो. ना फेरीवाला क्षेत्रामध्ये तो प्रमोट करत असेल तर जेव्हा कन्डीशन तयार करू तेव्हा ह्याचा समावेश असायलाच पाहिजे. आणि जुबेर साहेबांनी सांगितले की, अनुभवाचा जो विषय आहे तो जर त्याच्यातून मायनस झाला तर बरेच होईल.

**अनिल भोसले :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो. सन्मा. सदस्य कुरेशी साहेबांनी म्हटल्याप्रमाणे मिरा भाईंदर महानरगपालिका क्षेत्रामध्ये जे ठेकेदार आहेत ही सत्य परिस्थिती आहे. जे ठेकेदार आहेत ना फेरीवाला क्षेत्रामध्ये जे वसुली करतात त्यांना पूर्ण पाठींबा अधिकाऱ्यांचा आहे. कारण ते ठेका पध्दतीने आपल्या टेंडर प्रमाणे जे लिगली फेरीवाला क्षेत्र आहे त्यांच्यात तरतूद आहे की, त्यांनी फेरीवाला क्षेत्रामध्येच वसूली करावी. पण ज्या ज्या ठिकाणी आपल्याकडे जसा काशीचा भाग आहे. मार्केट आहे. मॅडम आपण दिवाळीच्या अगोदर आश्वासन दिले होते की ना फेरीवाला क्षेत्रामध्ये काशिगाव ह्याच्यामध्ये जे मार्केट बनवले आहे ते धूळ खात पडलेले आहे. सगळे रस्त्यावर बसतात. आपण दिवाळीच्या अगोदर आश्वासन दिले होते ते रस्त्यावर बसलेले कारण फुटपाथवर चालायला अनेक अपघात झालेले आहेत. ह्या विषयावर मी बोललेलो होतो. माझी आपल्याला विनंती आहे की जे मार्केटमध्ये भाजीवाले बसतात आणि काशिगावामध्ये जे मार्केट बनवले आहे त्याठिकाणी स्थलांतर करण्यासाठी आपण कारवाई करावी अशी विनंती आहे.

**भगवती शर्मा :-**

मा. महापौर मॅडम, फेरीवाला धोरण निश्चीत करेने के लिए मा.सर्वोच्च न्यायालाने ९ डिसेंबर २०१३ को आदेश दिया। उस फेरीवाला समिती विविध संगठनाच्या प्रतिनिधी व फेरीवाल्यांच्या संगठनाच्या प्रतिनिधी मिळून बनलेली असेल. त्या फेरिवाल्यांच्या प्रतिनिधी संघटनापैकी ३० टक्के महिला असतील तो इसके अंदर जो धोरण निश्चीत करेंगे उस संगठन को आप किस तरह से प्रायोरिटी देंगे। की इस शहर में ऐसी कुछ छानबिन की है क्या? आपके पास कुछ है क्या? कौन कौन से संगठन उसमे समाविष्ठ करेंगे। फीर उसके

बाद के अंदर में नोंदणी करण्यानंतर फेरीवाला समिती विहित करेल असा क्षेत्रामध्ये काम करण्याच्या अधिन राहील. सर पहले सब फेरीवालों की नोंदणी होगी। अभी नोंदणी होगी की इसके पहले मनपा नोंदणी की थी। भाईदर वेस्ट का मुझे ध्यान है क्योंकी उन्होने रजिस्टर किया था। कौन कौन फेरीवाले कितने समयसे बैठ रहे है। उनको उसमे समाविष्ट किया जाएगा की नये सिरयसे कोशिश किये जाएगी। फिर उसके बाद के अंदरमे राष्ट्रीय फेरीवाला धोरण २००९ तरतुदी नुसार सर्व फेरीवाल्यांच्या नोंदणीकरण व फेरीवाला क्षेत्र निर्माण करण्याची कारवाई पूर्ण होईपर्यंत महानगरपालिका क्षेत्रात सध्या कार्यरत असलेल्या फेरीवाल्यांचा व्यवसाय अनुमती परवानगी द्यावी. जबतक यह नही होता तब तक फेरीवाला बैठ रहे है। तबतक उनको परवानगी देनी होगी इस आदेश अनुसार बैठने अनुमती देंगे की हटायेंगे इनका खुलासा करे।

**राजेंद्र जैन :-**

मा. आयुक्त साहेब, अभी जो भगवतीजीने मुद्दा उठाया चर्चा तो बहुत बडीत है। और कई सारे पॉईंटस है। मा. महापौर मॅडम पहले बोला था बैठकर चर्चा करेंगे। साहब ने एक मुद्दा उठाया है। पहले कितने थे क्या थे। मैने दिपक सावंत से चर्चा किया की क्या हम जो सुप्रिम कोर्ट का डिसीजन आया है उस हिसाब से काम करेंगे उसमें लिखा है जी.आय.एस. के हिसाब से सेट करेंगे। सावंत साहबने मेरे को मौखिक जानकारी दिया की हम जी.आय.एस. युज नही करेंगे। अगर जी.आय.एस. युज नही करेंगे तो सारी जानकारी आएगी नही और कही छूट जागेंगे और जो ठेका रक्कम तय करनी चाहिए। उसे कम रक्कम तय होगी। इसके लिए जो सुप्रिम कोर्ट का डिसिजन आया है। उसके हिसाबसे पूरा काम होना चाहिए और टिव्हीसी कमिटी का अभी बनाया नही है। टिव्हीसी बनाएगे तो अपना सजेसन देंगे। उसके उपर आपके सजेशन कमिटी के रिपोर्ट आने चाहिए। उसके हम वापीस काम कर पायेगें। प्रॉपर काम करेंगे तो अच्छा रहेगा।

**मर्लिन डिसा :-**

मा. महापौर मॅडम एस.के. स्टोन जवळ जे छोटे मच्छि मार्केट होते तेथे सगळे क्लियरींग केले. शितोळे साहेब थँक्यू, काकानी सर थँक्यू. वॉर्ड ऑफिसर खेत्रे साहेबांनी पण कारवाई केली. पण तिकड्या लोकांची मागणी आहे की, पूनम गार्डन, कनकिया..................

**मा. महापौर :-**

ठीक आहे. दुसरा विषय घ्या.

**प्रकरण क्र. ८५ :-**

राष्ट्रीय फेरीवाला धोरण अंमलबजावणी करणेबाबत.

**ठराव क्र. ८६ :-**

आजच्या मा. महासभेमध्ये राष्ट्रीय फेरीवाला धोरण हा विषय चर्चा व मंजूरीकरीता ठेवण्यात आलेला आहे. राष्ट्रीय फेरीवाला धोरण ठरविणेकरीता सभागृहासमोर प्रशासनाकडून गोषवारा व या संबंधीत माहिती दिलेली नाही. या विषयासंबंधित अभ्यास करणे महत्वाचे असल्याने तसेच फेरीवाल्यांवर या धोरणामुळे अन्याय व अडचण निर्माण होऊ नये याकरीता प्रशासनाने या विषयाबाबत सर्व सदस्यांना सविस्तर माहिती द्यावी.

तसेच मा. आयुक्त सो. यांनी बाजार लिलाव निविदा मागवून लिलावाची प्रक्रिया पूर्ण करावी. मा. आयुक्त सो. यांनी राष्ट्रीय फेरीवाला धोरण अंमलबजावणी करणेकरीता सर्व पक्षीय बैठक बोलावून या विषयाची चर्चा ठेवावी. त्यानंतर उपरोक्त विषय संपूर्ण माहितीसह मा. महासभेमध्ये घेण्यात यावा असा ठराव मांडत आहे.

**सुचक :- श्री. नरेंद्र मेहता अनुमोदन :- श्री. प्रशांत दळवी**

**ठराव सर्वानुमते मंजुर**

**सही/-**

**महापौर**

**मिरा भाईंदर महानगरपालिका**

**नगरसचिव :-**

प्रकरण क्र. ८६, शहरातील पावसाळ्यापूर्वी कच्चे/पक्के नाले सफाई करणे व इतर आरोग्य विभागाच्या कामास आर्थिक व प्रशासकीय मंजूरी देणेबाबत.

**ध्रुवकिशोर पाटील :-**

अ) पावसाळ्यापुर्वी कच्चे, पक्के नाले सफाई /खोदाई करणे :- प्रशासनाने दिलेल्या गोषवा-यानुसार पावसाळ्यापुर्वी मुदतीत नाले सफाईची कामे करणे अत्याआवश्यक असल्याने सन २०१४-१५ या आर्थिक वर्षात महानरगपालिका क्षेत्रातील कच्चे/ पक्के नाले सफाई व खोदाई करणे, गाळ/माती वाहतुक करणे आदी कामे पावसाळयापुर्वी करणे कामी भाड्याने जे.सी.बी., पोकलन, बोटपोकलन मशीन, हायड्रा मशीन, क्रेन, डंपर, टोरस घेणे, कच्चे/ पक्के नाले सफाई करण्यासाठी कंत्राटी मजूर घेणे तसेच सखल भागातील पाण्याचा उपसा करणे कामी विविध क्षमतेचे सक्शन पंप, आदी भाडयाने घेणे, त्याचप्रमाणे इमारतीच्या प्रवेशद्वारा जवळ तसेच रोड क्रॉसिंग करुन पावसाच्या पाण्याचा निचरा करणे कामी विविध व्यासाचे आर.सी.सी. पाईप आवश्यकतेनुसार खरेदी करणे आदी कामाची निविदा प्रभाग समिती क्र. ०१ ते ०४ नुसार मागविणेस मान्यता

देत असून आगामी सन २०१४-१५ या आर्थिक वर्षात अर्थ संकल्पीय अंदाजपत्रकातील वॉर्ड सफाई/नाले सफाई या लेखाशिर्षाच्या तरतुदीतून दिड कोटी खर्च करण्यास हि सभा आर्थिक व प्रशासकिय मंजूरी देत आहे. तसेच मा. आयुक्त सो. याला पूर्ण जबाबदार राहतील त्यांच्या नियंत्रणाखाली त्यांनी हे सर्व मंजूर करायचे आहे. तसेच ज्या वॉर्डात नालेसफाई होईल त्या वॉर्डातल्या नगरसेवकांना सुचना द्याव्यात आणि नगरसेवक तिथे जावून उपस्थित राहतील असा मी ठराव मांडत आहे. तसेच एकात्मिक डास नियंत्रण करणे कामी अळी नाशके, किटक नाशक, दुर्गंधी नाशके खरेदी करणेसाठी हि सभा आर्थिक व प्रशासकीय मंजुरी देत आहे.

ब) एकात्मिक डास नियंत्रण करणे कामी अळी नाशके, किटक नाशक, दुर्गंधी नाशके खरेदी करणे :- मनपा क्षेत्रातील डास नियंत्रण करणे कामी प्रशासनाने दिलेल्या गोषवाऱ्यानुसार शहरातील डासांचा प्रादुर्भाव रोखणे व नियंत्रण करणे कामी एकात्मिक डास नियंत्रण कार्यक्रम राबविणेसाठी नामांकित कंपनीचे डास नाशके, अळी नाशके, किटक नाशके तसेच औषध फवारणी करणे कामी लागणारे यंत्र सामुग्री साहित्य वस्तु, वाहने इत्यादी खरेदी करणे, त्याचप्रमाणे मनपाच्या विविध आस्थापना तसेच मच्छी मार्केट, भाजी मार्केट इत्यादी ठिकाणी साफसफाई करणे कामी दुर्गंधी नाशके, पावडर व साहित्य वस्तु खरेदी करणे आदी कामाच्या निविदा मागविणेस मान्यता देत असून आगामी सन २०१४-१५ या आर्थिक वर्षातील अर्थसंकल्पीय अंदाजपत्रकातील एकात्मिक डास नियंत्रण कार्यक्रम करणे, दुर्गंधी नाशके व किटक नाशके खरेदी करणे या लेखाशिर्षाच्या तरतुदीतून खर्च करणेस हि सभा आर्थिक व प्रशासकीय मंजुरी देत असून ठराव वाचून काय करण्यात येत आहे.

**जुबेर इनामदार :-**

ठरावाला माझे अनुमोदन आहे.

**नरेंद्र मेहता :-**

शहरातील पावसाळ्यापूर्वी कच्चे, नाले सफाई करणे व एकात्मिक डास नियंत्रण करणेकामी अळीनाशके, किटकनाशके, दुर्गंधीनाशके खरेदी करणे कामाच्या गोषवाऱ्यात प्रशासनाने सविस्तर माहिती दिलेली नाही. शहरातील २० किलोमीटरचे नाले पक्के बांधणेत आले आहेत व सध्या ४ ते ५ किलोमीटरचे कच्चे नाले शिल्लक आहेत. नाले सफाई व खोदाई करण्याची ठिकाणे, नाल्याची लांबी रुंदी, नाल्यातील गाळाची उंची, लागणारे मनुष्यबळ, मशिनरी, वाहन संख्या दिलेली नाही. अंदाजित होणारा खर्च दिलेला नाही.

तसेच शहरातील मोकळ्या प्लॉटवर माती भराव होऊन डबकी कमी झाली आहेत. अळीनाशके, किटकनाशके, दुर्गंधीनाशके यांचे मोजमाप व खर्चाचा तपशिल दिलेला नाही. याप्रमाणे अपूर्ण गोषवारा आहे. परंतु सदर विषय शहराच्या दृष्टीने महत्वाचा असल्याने सात दिवसात सविस्तर माहिती द्यावी. सदर कामी येणारा खर्च सन २०१४/१५ या आर्थिक वर्षातील अर्थसंकल्पीय अंदाजपत्रकातील वॉर्ड सफाई / नालेसफाई करणे, एकात्मिक डास नियंत्रण कार्यक्रम करणे व दुर्गंधी नाशके व किटक नाशके खरेदी करणे या लेखाशिर्षाच्या तरतुदीतून खर्च करण्यात यावा व सदर विषयास रक्कम रु. १.५० कोटी प्रशासकीय व आर्थिक मंजूरी देत आहे. हा विषय गडबड झाल्यास मा. आयुक्त जबाबदार राहतील.

**हरिश्चंद्र आमगावकर :-**

ठरावाला माझे अनुमोदन आहे.

**ध्रुवकिशोर पाटील :-**

हे चुकीचे आहे महासभा सक्षम आहे. स्थायी समितीला कसा देणार.

**भगवती शर्मा :-**

तुम्ही मा. आयुक्तांना अधिकार देऊ शकतात.

**नरेंद्र मेहता :-**

मा. महापौर मॅडम विषय स्थायी समितीचा नाही आहे. पानपट्टे साहेबांबरोबर चर्चा झाली. मा.महापौर मॅडम साधारण २५ कि.मी. कच्चे नाले होते ह्या नाले सफाई मध्ये शहरातले जे जुने नाले आहेत जे ठेकेदार आहेत ज्यांना आपण २०० कोटींचे टेंडर दिले आहे त्यांनी ते साफसफाई करायची.................

**भगवती शर्मा :-**

तुम्ही मा. आयुक्तांना अधिकार द्या.

(सभागृहात गोंधळ)

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो रेट मंजुर करून घेणार आहोत.

**नरेंद्र मेहता :-**

कधी.

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

आपली आर्थिक प्रशासकीय मंजुरी झाल्यानंतर निविदा काढणार.

**भगवती शर्मा :-**

तुम्ही समिती गठित करा.

**नरेंद्र मेहता :-**

आपल्याला आर्थिक प्रशासकिय मंजुरी कितीची पाहिजे.

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

अंदाजे दोन सव्वादोन कोटी.

**नरेंद्र मेहता :-**

सभागृहात विषय आहे तरी ह्यांना सांगता येत नाही.

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

बांधकाम विभागाने काही नाले बांधलेले आहेत.

**नरेंद्र मेहता :-**

किती लागणार?

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

दोन सव्वादोन कोटी. साहेब अंदाजे सांगता येत नाही.

**नरेंद्र मेहता :-**

मा.आयुक्त महोदयास आता गंमत बघा. ते बोलतात सव्वादोन कोटी रूपये लागणार. ह्या शहरातले त्या भागातले सर्वपक्षीय नगरसेवक आहेत. आता आमच्याकडे तेवढे कच्चे नाले राहिलेले नाहीत.

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

गाळ तरी काढायला लागेल.

**नरेंद्र मेहता :-**

कच्च्या नाल्याचाच गाळ काढणार ना.

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

पक्क्या नाल्याचाही गाळ काढावा लागतो.

**नरेंद्र मेहता :-**

मी आपल्याला माहिती देतो. सर्व ठिकाणी पक्क्या नाल्याचे आतापर्यंत काम चालु आहे. ठेकेदारांनी ते काम करून आपल्याला हँड ओव्हर करायचे आहे. नीट आणि क्लीन करून असे नाही मागे सगळी माती डम्पींग करून पुढवे आम्हांला द्यायचे आहे. साहेब आपण साधारणतः २०० कोटीचे टेंडर दिलेले आहे. आपण करोडे रूपये पेमेंट करतो. त्यांनीच जुने नाले साफ करायचे आहेत. त्यासाठी आम्ही निविदा काढत नाही. मागच्या वर्षाचा खर्च काढून बघीतला तर हे नाले खोदण्यामध्ये आणि गाळ काढण्यामध्ये ते आता ७० टक्के नाले पक्के झाले आहेत. मे पर्यंत सव्वादोन कोटी लागणार नाहीत. मी त्यांना विचारले. आताही सव्वादोन कोटी मागच्या वेळी झाले नाही. तेव्हाही सव्वादोन कोटी. हे ठरलेले आहे. ह्यांनी सांगावे किती कि.मी. खोदायचे आहे.

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

नाल्याचे मे पर्यंत किती बांधकाम होईल. ते सांगता येणार नाही.

**नरेंद्र मेहता :-**

हे तुमचे काम आहे की मी अभ्यास करून यायचे. बांधकाम विभागाला विचारा.

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

ते सांगू शकत नाही. मे पर्यंत किती काम होईल.

**नरेंद्र मेहता :-**

मॅडम आर्थिक, प्रशासकीय मान्यता द्यायला अमाऊन्ट पाहिजे की नाही.

(सभागृहात गोंधळ)

**नरेंद्र मेहता :-**

स्थायी समितीमध्ये सर्व सदस्य आहेतच ना.

**भगवती शर्मा :-**

आहेत. पण आजपर्यंत तसे केलेले नाही.

(सभागृहात गोंधळ)

**भगवती शर्मा :-**

जेवढा लागेल तेवढा खर्च करणार ना. त्यापेक्षा जास्त खर्च करणार नाही. तुम्ही पण संक्षम अधिकारी आहे. आपण असे बरेच ठराव केलेले आहेत. ज्याच्यात आपण मा. आयुक्तांना अधिकार दिलेले आहेत.

**मा. महापौर :-**

मा. आयुक्त असे आहेत की, एक रूपया एक्स्ट्रा खर्च करत नाहीत. तर आपण त्यांनाच अधिकार देऊ या. कारण आचारसंहिता पण लागेल.

(सभागृहात गोंधळ)

**नरेंद्र मेहता :-**

सर्व अधिकार मा.आयुक्तांना द्या. मला काही प्राब्लेम नाही.

**भगवती शर्मा :-**

तुम्ही विषय आणा. आम्ही मा.आयुक्तांना अधिकार देतो. ह्रया विषयामध्ये तुम्ही मा.आयुक्तांना अधिकार द्या. जेवढा खर्च लागेल

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

साहेब, आपण रेट मंजुर करून घेतो. जेवढी आवश्यकता आहे. तेवढ काम करून घेतो.

**दिनेश जैन :-**

मा. महापौर मॅडम, मला विचारायचे आहे की, आता जो साफसफाईचा विषय आणला आहे ह्यांच्यामध्ये प्लॅस्टिकच्या पिशव्या असतात जे ५० मायक्रॉनपेक्षा कमी ज्या पिशव्या असतात तो मोठा प्रॉब्लेम नाल्यामध्ये असतात.

**मा. महापौर :-**

साहेब सक्षम आहेत.

**नरेंद्र मेहता :-**

तुम्ही मार्गदर्शन केल्याप्रमाणे आम्ही निर्णय घेऊ. तुम्ही त्यादिवशी स्टँडीगला उपस्थित आहात.

**भगवती शर्मा :-**

आम्ही ह्या महासभेमध्ये मा.आयुक्तांना अधिकार देतो. जेवढा खर्च लागेल तेवढा ते खर्च करणार.

**नरेंद्र मेहता :-**

किती खर्च आला.

**भगवती शर्मा :-**

ते ॲडव्हान्स मध्ये कसे सांगता येईल.

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

दोन कोटीच्या वर खर्च आला तर पुन्हा महासभेत आणू. साहेब नाले सफाई करायची नाही का? उद्या आचारसंहिता लागली की, नालेसफाईचा टेंडर कधी काढणार? स्टँडींगला विषय कधी आणणार.

**मॉरस रॉड्रीक्स :-**

नालेसफाईला आचारसंहिता लागत नाही. नाले सफाई आपण करू शकतो.

(सभागृहात गोंधळ)

**भगवती शर्मा :-**

मा. आयुक्त साहेब तुम्ही सांगा ना.

**नरेंद्र मेहता :-**

मॅडम दैनंदिन कामाला इलेक्शन कमिश्नर परवानगी देत असतो. बजेटला आचारसंहिता लागत नाही.

**मा. आयुक्त :-**

माझी अशी विनंती राहील की, दोन कोटीपर्यंत आपण तरतूद द्यावी. दोन कोटीपेक्षा जास्त खर्च झाला तर आम्ही मा. महासभेपुढे घेतो.

**नरेंद्र मेहता :-**

बजेटला दोन कोटींची तरतूद कुठे आहे.

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

साहेब पुढच्या वर्षीचे आहे. बजेट मंजुर व्हायचा आहे.

**नरेंद्र मेहता :-**

मॅडम, तुम्ही बोलता मा.आयुक्तांना अधिकार द्या, आता घनकचऱ्याचा विषय येईल. त्यावेळेला सांगेन मा. आयुक्तांना अधिकार नसताना काय काय केलेले आहे.

**ध्रुवकिशोर पाटील :-**

मा. आयुक्तांना अधिकार द्यायला पाहिजे. बरोबर आहे पण हा आर्थिक आणि प्रशासकिय मंजुरीचा भाग आहे. ह्याच्यामध्ये आयुक्तांना अधिकाराची गरज नाही ना.

**नरेंद्र मेहता :-**

आम्हाला सांगा कितीची पाहिजे आम्ही देतो.

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

लास्ट दोन कोटी सांगितले. कमी जास्त होऊ शकते. उद्या काय प्रॉब्लेम झाला तर? नालेसफाई झाली नाही सांगितले तर बांधकाम पक्क्या नाल्याचे झाले नाही तर काही होऊ शकते. अशी गॅरेन्टी देऊ शकत नाही.

**नरेंद्र मेहता :-**

त्याच्यामध्ये आचारसंहिता लागत नाही.

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

साहेब टेंडर कधी काढणार. आज तुम्ही मंजुरी दिल्यानंतर टेंडर काढणार. २५-२६ तारखेपर्यंत आचारसंहिता लागणार आहे. त्याच्या अगोदर साऱ्या गोष्टी करायला लागणार आहेत.

**नरेंद्र मेहता :-**

मिटींग लावा ना पूढची.

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

कधी लागणार.

**नरेंद्र मेहता :-**

सचिव साहेब आम्ही ठराव दिलेला आहे.

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

उद्या सफाई झाली नाही तर प्रशासन जबाबदार राहणार नाही.

**नरेंद्र मेहता :-**

मा. आयुक्त साहेब, ही सभा दीड कोटींची आर्थिक प्रशासकीय मान्यता देत आहे. मा.आयुक्त साहेब ह्याला पूर्ण जबाबदार राहतील. त्यांच्या नियंत्रणाखाली त्यांनी हे सगळं मंजुर करायचे आहे.

**भगवती शर्मा :-**

जिस वॉर्ड में साफ सफाई होती है तो वॉर्ड के नगरसेवकोभी सुचना दो.

**मा. महापौर :-**

ज्या वॉर्डात नालेसफाई होईल त्या वॉर्डातल्या नगरसेवकांना सुचना दयावी ते नगरसेवक तिथ उपस्थित राहतील.

**राजेंद्र जैन :-**

मा. आयुक्त साहेब, यह जो नाला सफाई है वह मिरा भाईंदर क्षेत्र में फैला हुआ काम है। और उसके अंदर जो मॅथोलॉजी अपनाते है उसके अंदर जरा भी कंट्रोल नही है। मैं जब प्रभाग सभापती था ओर रिपोर्ट से मालूम है। मैने ५० लाख का २५ लाख खडे खडे करवाया था। इतना भ्रष्ट्राचार इसके अंदर होता है। इसकी जो मॅथोलॉजी होगी मै चाहता हूँ टेंडर जो बने उसकी जो अटीशर्ती हो वह एक बार आप चाहे स्टँडींग मे निविदा मंजुर करने के पहले उसकी जो अटीशर्ती हो वह स्टँडींग में डिसकस होनी चाहिए। निविदा मंजुर करके नही आना चाहिए।

**प्रेमनाथ पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम, जोपर्यंत नगरसेवकाचे लेटर आले नाही की आमचे काम समाधानपूर्वक झाले आहे तो पर्यंत पेमेंट करू नये.

**मा. महापौर :-**

तसे नाही. तुम्ही उभे राहून बघा. तुम्हाला काय शंका असेल तर मा. आयुक्तांना फोन करा. आपल्या कोणाच्याही लेटरवर काय होणार नाही.

**संदीप पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम नगरसेवकांची नाले सफाईची पत्र असतील तर त्यांना प्राधान्य द्या.

**मा. महापौर :-**

ठराव सर्वानमुते मंजुर करण्यांत येत आहे.

**प्रकरण क्र. ८६ :-**

शहरातील पावसाळ्यापुर्वी कच्चे/ पक्के नाले सफाई करणे व इतर आरोग्य विभागाच्या कामास आर्थिक व प्रशासकीय मंजूरी देणेबाबत.

**ठराव क्र.  ८७ :-**

**अ) पावसाळ्यापुर्वी कच्चे, पक्के नाले सफाई /खोदाई करणे :-**

प्रशासनाने दिलेल्या गोषवा-यानुसार पावसाळ्यापुर्वी मुदतीत नाले सफाईची कामे करणे अत्याआवश्यक असल्याने सन २०१४-१५ या आर्थिक वर्षात महानरगपालिका क्षेत्रातील कच्चे/ पक्के नाले सफाई व खोदाई करणे, गाळ/माती वाहतुक करणे आदी कामे पावसाळयापुर्वी करणे कामी भाड्याने जे.सी.बी., पोकलन, बोटपोकलन मशीन, हायड्रा मशीन, क्रेन, डंपर, टोरस घेणे, कच्चे/ पक्के नाले सफाई करण्यासाठी कंत्राटी मजूर घेणे तसेच सखल भागातील पाण्याचा उपसा करणे कामी विविध क्षमतेचे सक्शन पंप, आदी भाडयाने घेणे, त्याचप्रमाणे इमारतीच्या प्रवेशद्वारा जवळ तसेच रोड क्रॉसिंग करुन पावसाच्या पाण्याचा निचरा करणे कामी विविध व्यासाचे आर.सी.सी. पाईप आवश्यकतेनुसार खरेदी करणे आदी कामाची निविदा प्रभाग समिती क्र. ०१ ते ०४ नुसार मागविणेस मान्यता देत असून आगामी सन २०१४-१५ या आर्थिक वर्षात अर्थ संकल्पीय अंदाजपत्रकातील वॉर्ड सफाई/नाले सफाई या लेखाशिर्षाच्या तरतुदीतून दिड कोटी खर्च करण्यास हि सभा आर्थिक व प्रशासकिय मंजूरी देत आहे. तसेच मा. आयुक्त सो. याला पूर्ण जबाबदार राहतील त्यांच्या नियंत्रणाखाली त्यांनी हे सर्व मंजूर करायचे आहे. तसेच ज्या वॉर्डात नालेसफाई होईल त्या वॉर्डातल्या नगरसेवकांना सुचना द्याव्यात आणि नगरसेवक तिथे जावून उपस्थित राहतील असा मी ठराव मांडत आहे. तसेच एकात्मिक डास नियंत्रण करणे कामी अळी नाशके, किटक नाशक, दुर्गंधी नाशके खरेदी करणेसाठी हि सभा आर्थिक व प्रशासकीय मंजुरी देत आहे.

**ब) एकात्मिक डास नियंत्रण करणे कामी अळी नाशके, किटक नाशक, दुर्गंधी नाशके खरेदी करणे :-**

मनपा क्षेत्रातील डास नियंत्रण करणे कामी प्रशासनाने दिलेल्या गोषवाऱ्यानुसार शहरातील डासांचा प्रादुर्भाव रोखणे व नियंत्रण करणे कामी एकात्मिक डास नियंत्रण कार्यक्रम राबविणेसाठी नामांकित कंपनीचे डास नाशके, अळी नाशके, किटक नाशके तसेच औषध फवारणी करणे कामी लागणारे यंत्र सामुग्री साहित्य

वस्तु, वाहने इत्यादी खरेदी करणे, त्याचप्रमाणे मनपाच्या विविध आस्थापना तसेच मच्छी मार्केट, भाजी मार्केट इत्यादी ठिकाणी साफसफाई करणे कामी दुर्गंधी नाशके, पावडर व साहित्य वस्तु खरेदी करणे आदी कामाच्या निविदा मागविणेस मान्यता देत असून आगामी सन २०१४-१५ या आर्थिक वर्षातील अर्थसंकल्पीय अंदाजपत्रकातील एकात्मिक डास नियंत्रण कार्यक्रम करणे, दुर्गंधी नाशके व किटक नाशके खरेदी करणे या लेखाशिर्षाच्या तरतुदीतून खर्च करणेस हि सभा आर्थिक व प्रशासकीय मंजुरी देत असून ठराव वाचून काय करण्यात येत आहे.

**सुचक :- श्री. ध्रुवकिशोर पाटील** **अनुमोदन :- श्री. जुबेर इनामदार**

**ठराव सर्वानुमते मंजुर**

**सही /-**

**महापौर**

**मिरा भाईंदर महानगरपालिका**

**नगरसचिव :-**

प्रकरण क्र. ८७, महापालिका प्रस्तावित घनकचरा प्रक्रिया प्रकल्प उभारणीकामी मंजूरी मिळणेबाबत.

**ध्रुवकिशोर पाटील :-**

प्रकरण क्र. ८७, घनकचरा प्रक्रिया प्रकल्प उभारणी कामी मंजुरी मिळणेबाबत.प्रशासनाने दिलेल्या गोषवाऱ्यानुसार महापालिका क्षेत्रात दैनंदिन निर्माण होणाऱ्या घनकचऱ्यावर प्रक्रिया प्रकल्प मौजे उत्तन येथे मे. हेंजर बायोटेक मिरा यांच्या तर्फे बांधा, वापरा व हस्तांतरीत करा या तत्वावर उभारण्यात आला आहे. सदर प्रकल्प माहे मे २००८ मध्ये कार्यान्वीत झालेला आहे. सदरचा प्रकल्प पुनश्चः सुरु करताना घनकचरा प्रक्रिया प्रकल्प पर्यायी जागेत स्थलांतरीत करण्यात येईल असे लेखी आश्वासन देण्यात आले होते. त्यानुसार मा. महासभा दि.२९/०६/२०१०, ठराव क्र.१३ अन्वये मौजे उत्तन येथील घनकचरा प्रक्रिया प्रकल्प मौजे वर्सोवा येथे पर्यायी जागेत स्थलांतरीत करणेबाबत मंजुरी मिळाली होती. सदरची जागा (इको सेंसेटीव्ह झोन) मध्ये असल्याने सदर जागेबाबत शासनाने मंजुरीचा निर्णय प्रलंबित आहे. मा. उच्च न्यायालयाने दि.०२/०४/२०१३ रोजी दाखल रिट याचिका १७४०/१९९८-५२ बाबत आदेश देताना मनपा क्षेत्रातील घनकचरा व्यवस्थापन कालमर्यादेत करणेबाबत आदेशीत केलेले आहे. सदर आदेशाबाबत महापालिकेने केलेल्या कारवाईचा आढावा घेणेकरीता मा. प्रधान सचिव नगरविकास विभाग यांनी दि.१७/०७/२०१३ रोजी बैठक आयोजीत करण्यात आली होती. सदर बैठकीत महापालिकेत जागा नसल्यास तळोजा येथे समाईक भराव भुमित सामील व्हावेत अशी सुचना दिलेल्या होत्या.

महापालिकेने केलेल्या मागणी नुसार मा. जिल्हाधिकारी, ठाणे यांनी क्रमांक महसुल/कक्ष-१/टे-९/ज.मा./मि.भा.म.न.पा./कावि-२२२७, दि.२१/१०/२०१३ अन्वये मौजे सकवार तालुका वसई येथील स.नं./हि.नं./८३/१-ब क्षेत्र १३-१०-० हे आर. ही सरकारी जमिन महापालिकेस घनकचरा प्रक्रिया प्रकल्प उभारणे करणेकामी दिलेली आहे. महापालिकेने सदर जमिनीची रक्कम रु. ७३,१०,८१६/- शासनाकडे जमा केली आहे. महापालिकेस सदरच्या जागेबाबतची ताबा पावती मिळाली आहे.

उपरोक्त जागेवर घनकचरा प्रक्रिया प्रकल्प उभारणी करणे करीता सल्लागाराची नियुक्ती करणे, घनकचऱ्यावर प्रक्रिया करणे करीता सध्या उपलब्ध असलेल्या पर्यायापैकी योग्य पर्यायाची निवड करणे, प्रकल्प जागेवर पायाभुत सुविधा तयार करणेस तसेच मौजे सकवार येथील जागेवर व मौजे सकवार मध्ये ग्रामस्थांचे सर्वांगिण विकासासाठी विविध सुविधा (उदा. रस्ते, पाणी, आरोग्य, शिक्षण, रोजगार इ.) साठी मदत करणेस ही सभा मंजुरी देत आहे.

एमएमआरडीए मार्फत विकसीत होणाऱ्या तळोजा येथील सामाईक भराव भुमीत किंवा इतर महापालिकेच्या प्रकल्पात योग्य असल्यास सामील होणेस ही सभा मंजुरी देत आहे. तसेच याबाबतीत निर्णय घेणेबाबत सर्व अधिकार मा. आयुक्त यांना देण्यात येत आहे. याकामी येणाऱ्या खर्चास ही सभा आर्थिक व प्रशासकीय मंजुर देत आहे.

**जुबेर इनामदार :-**

ठरावाला माझे अनुमोदन आहे.

**नरेंद्र मेहता :-**

मा. आयुक्त महोदय, आपण हा विषय महासभेपुढे का दिला हेच आम्हाला समजले नाही. ह्याच्या आपण खुलासा केला म्हणजे पुढचे बोलता येईल.

**मा. आयुक्त :-**

ह्यामध्ये जिल्हाधिकाऱ्यांनी जागा मंजुर केली. जागेची मोजणी सुरू आहे. जागेची मोजणी झाल्यावर सर्व जबाबदारी आपली आहे. संरक्षण भिंत करणे तिथे जाण्यासाठी रस्ता ऑलरेडी आहे. पोहोच रस्ता काही ठिकाणी खराब असेल तर रस्ता दुरूस्त करणे. कुठले तंत्रज्ञान आपल्याला वापरायचे कारण आता सॉलीडवेस्ट मॅनेजमेन्ट कुठले तंत्रज्ञान वापरायचे ह्याच्याबद्दल सगळीकडे संभ्रम आहे. ४-५ ठिकाणी मी स्वतः जाऊन आलो. जिथे ट्रेनिंगला गेलो होतो. तिकडे मी हा मुद्दा काढला होता. ह्यापैकी कोणते तंत्रज्ञान आपल्याला सोयीचे

पडेल. कारण आपण एक तंत्रज्ञान वापरला आणि तिथे सॅग्रीगेशन करून बोलते करून विकणे तर तो काही सक्सेसफूल झालेला नाही.

**नरेंद्र मेहता :-**

हे सगळ तुम्ही केल्यावर महासभेपुढे का सादर केले.

**मा. आयुक्त :-**

महासभेपुढे कंपाऊंड वॉल बाकी गोष्टीसाठी महासभेपुढे येण आवश्यक होत. त्यासाठी खर्च जो करायचा आहे.

**नरेंद्र मेहता :-**

आम्हाला वाटत नाही. आवश्यकता होती.

**मा. आयुक्त :-**

महासभेला निर्णय घेण्याचा अधिकार आहे. त्याबद्दल काही म्हणणं नाही. पण हे सार्वजनिक. हिताची बाब आहे. आपल्या पूर्ण मनपाच्या हद्दीमधला कचरा नेमका कुठे न्यावा. कुठे प्रोसेसिंग करावा. ह्या सगळ्या गोष्टींसाठी आणि उच्च न्यायालयाने जिल्हाधिकारी साहेबांना आणि राज्य शासनाला आदेश दिले होते की, तुम्ही ह्यांना शासकीय जमिन विहित कालावधीमध्ये उपलब्ध करून द्या. त्यानुसार जिल्हाधिकारी साहेबांनी ही जागा उपलब्ध करून दिलेली आहे. आणि पुढचा वापर करण्यासाठी आपल्याला मान्यता पाहिजे आहे.

**नरेंद्र मेहता :-**

मॅडम, आता तुम्ही सांगितले की, आयुक्त साहेबांना अधिकार दिले तर काय होते. ह्यामध्ये ८० लाखाचे पेमेंट केल गेल. ते जनरल बॉडीला, स्थायी समितीलाही माहित नाही. मा.आयुक्त साहेबांनी परस्पर बजेटमध्ये तरतूद नाही ते पैसे नक्की कोणत्या हेडमधून आणले. घनकचरा प्रकल्प विरोधाचा प्रश्न नाही. आम्ही त्याला पण मान्यता देतोच. म्हणजे घनकचरा प्रकल्प व्हावा तसे नाही. परंतु सभागृहाला हे माहितच नाही की ८० लाख आपण कुठून आणले. कुठल्या हेडमधून आणले आणि कधी दिले. आपल्याला वाटले नाही का पैसे भरायच्या अगोदर ८० लाखाची मान्यता घेऊ.

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो, दि.१९/११/२०१३ रोजीच्या महासभेत ह्या संदर्भात ठराव आहे. कोणतीही शासकीय जमिन घ्यायची असेल तर ते सर्व अधिकार मा.आयुक्तांना दिले आहेत. जमिन संपादन करणे, पैसे भरणे त्या संदर्भात अधिकार दिलेले आहेत. त्यानुसार ही कारवाई करण्यांत आलेली आहे.

**नरेंद्र मेहता :-**

पहिलाच विचारल की हे आणायची गरजच नाही. बजेटमध्ये तरतूद नसेल तर मा.आयुक्त साहेब कुठून देतील. त्यांना पैसे द्यायला रिॲप्रोप्रिएशन करायला लागेल. ते पैसे कुठून आणले.

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

अधिकार दिले आहेत ना.

**नरेंद्र मेहता :-**

अधिकार दिले बरोबर आहे. पण पैसे कुठून दिले.

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

दैनंदिन साफसफाईमधून दिले.

**नरेंद्र मेहता :-**

दैनंदिन साफसफाई आणि जमिनीचा काय घेणदेण, रिॲप्रोप्रिएशन करून.........

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

तोच भाग आहे ना, विल्हेवाट लावायच्या संदर्भात.

**नरेंद्र मेहता :-**

भाग आहे एका बाजूला.

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

कचऱ्याचा एवढा मोठा प्रश्न आहे. त्या ठिकाणी रोजच्या रोज प्रॉब्लेम होतो. एवढ्या मुश्किलीने सर्व एन.ओ.सी आणलेल्या आहेत.

**नरेंद्र मेहता :-**

प्रकरण क्र. ८७ :- महानगरपालिका प्रस्तावित घनकचरा प्रक्रिया प्रकल्प उभारणी कामी मंजूरी मिळणे बाबत. मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रात दैनंदिन निघणाऱ्या कचऱ्याची विल्वेवाट करणेकरीता दि. २०.११.२००३ रोजी, ठराव क्र. ५० अन्वये मा. महासभेने घनकचरा प्रकल्प मौजे उत्तन येथे उभारण्यास मान्यता दिली होती. ठरावाप्रमाणे २००८, मौजे उत्तन येथे दैनंदिन निर्माण होणारा घनकचरा प्रक्रिया प्रकल्प मे. हेंजर बायोटेक यांच्या तर्फे बांधा वापरा आणि हस्तांतरीत करा ह्या तत्वावर उभारण्यात आला आहे. सदर प्रकल्प चालू करण्यापूर्वी प्रशासनाने कोणत्याही प्रकारचा गांर्भियाने विचार केला नाही. या प्रकल्पा विरोधात उत्तनचे नागरीक व रहिवाशी यांची फसवणूक करुन व दिशाभुल करुन सदर प्रकल्प उभारण्यात आला होता. सदर प्रकल्पा विरोधात मोठ्या प्रमाणात आंदोलने झाली व स्थानिक नागरीकांनी मा. उच्च न्यायालयात दाद मागीतली. परंतु कोणत्याही प्रकारचा त्यावर निर्णय झालेला नाही. त्यावेळी राजकिय नेत्यांनी निवडणूकीच्या

काळात सदर प्रकल्प उत्तन येथुन स्थलांतरीत करु असे तेथील नागरीकांना आश्वासन दिले होते. परंतु, कोणत्याही प्रकारचा त्यावर निर्णय आतापर्यंत झाला नाही.

दि. २९.०६.२०१० रोजी, ठराव क्र. १३ अन्वये प्रशासनाने उत्तन येथील घनकचरा प्रकल्प उत्तन येथुन मौजे वरसावे येथे स्थलांतरीत करण्याचा प्रस्ताव सादर केला. सदर प्रस्ताव सादर करताना महानगरपालिकेच्या लोक प्रतिनिधी, पिठासीन अधिकारी, मा. महापौर व प्रशासनाला सभागृहात चर्चेचे निर्देश दिले. उत्तन येथील घनकचरा प्रकल्प तांत्रिक अडचणी असल्याकारणाने व स्थानिक लोकांचा विरोध असल्याने वरसावे येथे स्थलांतरीत करता येणार नाही परंतु त्यावेळी नागरीकांचा हिताचा विचार न करता नागरीकांची दिशाभुल करुन घाईगडबडीत उत्तन येथील घनकचरा प्रकल्प वरसावे येथे स्थलांतरीत करण्याचा ठराव पारीत केला.

सदर प्रकल्प नियमांचे उल्लंघन करुन स्थालांतरीत करण्याचा निर्णयाच्या विरोधात मा. उच्च न्यायालयामध्ये जनहित याचिका दाखल झाली. सदर जनहित याचिकेवर राज्य शासनाने दिलेल्या आदेशानुसार वर्सोवा येथे घनकचरा प्रकल्प स्थलांतरीत करण्याचा ठराव निलंबीत केला.

मा. आयुक्त सो. यांनी नविन घनकचरा प्रकल्प उभारणी करीता मा. जिल्हा अधिकारी यांचेकडुन १३.१० हेक्टर सरकारी जमीन महानगरपालिकेच्या ताब्यात दिलेली आहे. सदर जागेचे मुल्य रु. ७३,१०,८१६/- मा. आयुक्त सो. यांनी रक्कम शासनाकडे जमा केलेली आहे.

मा. आयुक्तांनी नवीन घनकचरा प्रकल्प उभारण्याकरीता सल्लागाराची नियुक्ती करणे, घनकचरा प्रकल्पाकरीता सध्या उपलब्ध पर्याया पैकी योग्य पर्यायाची निवड करणे. प्रकल्प जागेवर पयाभूत सुविधा तयार करणेस हि सभा खालील अटी व शर्तीवर मंजुरी देत आहे.

उत्तन येथिल रहिवाशी यांची वारंवार फसवणूक झाली आहे व त्यांच्यावर अन्याय झालेला आहे. तसेच घाईगडबडीने निर्णय घेतल्याने मिरा भाईंदर महानगरपालिकेला वारंवार कोर्टात जावे लागले आहे व वेगवेगळ्या योजनांसाठी मोठ्या प्रमाणात आर्थिक नुकसान व खर्च झालेला आहे.

नविन घनकचरा प्रकल्प प्रस्तावित उभारण्याच्या कामाला सुरुवात करण्यापूर्वी मा. आयुक्त सो. यांनी तातडीने या कामाच्या संबंधीत सर्व परवानग्या मिळवून घ्याव्यात तसेच स्थानिक ग्रामपंचायत तथा ग्रामसभा यांच्याशी चर्चा करुन त्यांची ना हरकत घ्यावी जेणेकरुन भविष्यात नविन प्रकल्पाला कोणत्याही प्रकारची अडचण येणार नाही व सदर विषय न्याय प्रविष्ठ होणार नाही आणि उत्तनच्या नागरीकांना मोठ्या प्रमाणात राहत मिळेल व त्रासांपासून कायमची सुटका मिळणार आहे. हा प्रकल्प उभारण्यास प्रशासनाने दक्षता घ्यावी.

या पुर्वी दि.२९.६.२०१० रोजीचा ठराव क्र. १३ अन्वये उत्तन येथिल घनकचरा प्रकल्प वरसावे येथील स्थलांतरीत करण्याचा व ३७(A) अन्वये केलेला फेरबदलाचा ठराव रद्द करण्यात येत आहे व मा. आयुक्त यांना मौजे सकवार ता. वसई येथिल जागेवर घनकचरा प्रक्रिया प्रकल्प उभारणी करीता सल्लागाराचे नियुक्ती करणे घनकचऱ्यावर प्रक्रिया करणेकरीता सध्या उपलब्ध असलेल्या पर्याया पैकी योग्य पर्यायाची निवड करणे प्रकल्प जागेवर पयाभूत सुविधा तयार करणेस हि सभा मंजुरी देत आहे.

त्याचप्रमाणे एम.एम.आर.डी.ए. मार्फत होणाऱ्या तळोजा येथिल सामाईक भराव भूमित सामील होणे करीताहि हि सभा मंजुरी देत आहे असा ठराव मांडत आहे.

**हरिश्चंद्र आमगांवकर :-**

ठरावाला माझे अनुमोदन आहे.

**हेलन जॉर्जी :-**

मा. महापौर मॅडम, सन्मा. मेहता साहेब तुम्ही जे बोलले ना की उत्तनच्या लोकांची दिशाभूल केली आहे. दिशाभूल राजकारणी लोकांनीच केली आहे. तुम्हाला काय माहिती रोडवरून जास्त राजकारण केले. मोर्चे आणायला, आंदोलन करायला बीजेपीच्याच लोकांनी उत्तनच्या लोकांची दिशाभूल केली. कमिश्नर साहेब उत्तनला तीन तिर्थस्थान आहेत. धारावी माता मंदिर, बालेशाह पीर बाबा, वेलंकनी माता धारावी मातेच्या डोक्यावर जो कचरा ठेवलेला आहे. तिकडे तुमच्या लोकांचे राजकारण आहे. उत्तनच्या लोकांचे राजकारण नाही. असे म्हणू नका की उत्तनच्या लोकांची दिशाभूल केली. उत्तनच्या लोकांची दिशाभूल कोणीच केली नाही.

**बर्नड डिमेलो :-**

मा. महापौर मॅडम घनकचरा प्रकल्पाविषयी जो ठराव मांडला आपल्या विरोधी पक्षनेत्यांनी ठरावाला मंजुरी देताना त्याच्यामध्ये अटीशर्ती टाकल्या आहेत. त्याच्यावरून कळते की त्यांना घनकचरा प्रकल्प उत्तन मधून हटावा की तसाच राहावा हे मला स्पष्टीकरण कळत नाही. अटीशर्ती टाकण्याचे काहीच कारण नव्हते. कारण आपल्यसा शहराच्या बाहेर आहे. ती जागा शासनाने दिली. स्वस्तामध्ये आणि सर्व आमदार, खासदार ह्यांच्या प्रयत्नानी ती जागा भेटलेली आहे. तर मला वाटते मोठ्या मनाने परवानगी द्यायला पाहिजे. त्याच्यामध्ये अटीशर्ती आयुक्तांना आणि प्रत्येक राजकीय काहीतरी सूड काढण्या मागचा अशा अटीशर्ती टाकलेल्या आहेत. ते त्यांनी मागे घ्यावे आणि चांगल्या प्रकारे उत्तनमध्ये --------------------

**जुबेर इनामदार :-**

दोन्ही ठरावामध्ये विशेष काही अंतर्भूत नाही.

**नरेंद्र मेहता :-**

त्या विषयाला मान्यता दिली जसा पर्याय तळोजा ओपन ठेवला. आम्ही आमच्या ठरावात ओपन ठेवल. तो प्रकल्प उभारण्यासाठी आम्ही मनाई केली नाही. मा.महापौर मॅडम आता हे ऑन द रेकॉर्ड नाही. परंतू ऑफ द रेकॉर्ड मा.आयुक्त साहेब जुन्या आयुक्तांशी या संदर्भात बोलले होते. मी जी माहिती घेतलेली आहे ती त्याठिकाणी स्थानिक लोक किंवा ग्रामपंचायत आपल्याला करू देणार आपण ५-५० करोड रूपये खर्च करायचे. ५० काय नविन उभारण्यासाठी ६० खर्च करायचे असेल तरी आमची सहमती आहे. तर असे होता कामा नये की आपण खर्च करायचे मागच्या वेळी तसेच झाले की, आपण परवानग्या घेतल्या नाहीत.

**भगवती शर्मा :-**

तुम्ही बोलता म्हणजे तुम्ही विरोध करता. तुम्ही अटीशर्ती घालता असे करू नका.

**हेलन जॉर्जी :-**

आता शांती निर्माण झाली आहे. तुम्ही आमच्या उत्तन गांवामध्ये शांती भंग करायचे बघता का?

(सभागृहात गोंधळ)

**भगवती शर्मा :-**

गेल्या ३ महिन्यापासून उत्तनची काय परिस्थिती आहे ते बघा.

**बर्नड डिमेलो :-**

त्या प्रकल्पाला विरोध करून तो तसाच राहीला पाहिजे. म्हणून ही उत्तनवाल्याची दिशाभूल कोण करते ते कळते. विरोधी पक्षनेता तुम्हाला मी सांगतो मोठ्या मनाने परवानगी द्या. सर्व अटीशर्ती सोडून परवानगी द्या. आम्ही तुमचे आभार मानू.

(सभागृहात गोंधळ)

**नरेंद्र मेहता :-**

मा. महापौर मॅडम घनकचरा प्रकल्प हे आपल्याला मान्य करावे लागेल की त्याठिकाणी आपण जाणार, त्याठिकाणी स्थानिक लोकांचा आक्षेप असणार.

(सभागृहात गोंधळ)

**बर्नड डिमेलो :-**

तुम्ही सुचना द्या, अटीशर्ती काढा.

**असेन्ला मेंडोन्सा :-**

मॅडम उत्तनमध्ये रहिवासी असताना त्यांना त्रास होतो आणि जिथे कोणी राहत नाही बॅरल लॅन्ड आहे तिकडे त्यांना त्रास नाही.

**नरेंद्र मेहता :-**

मला एक सांगा अजून त्यांना फॉरेस्टची परवानगी मिळाली नाही व वर्सोवा इथे सुध्दा.....

(सभागृहता गोंधळ)

**भगवती शर्मा :-**

तुम्ही सुचना द्या. अटीशर्ती करायला देता ते फॉरेस्ट विभागाची परवानगी घेऊन करणार.

**लियाकत शेख :-**

मा. महापौर मॅडम हा उत्तनचा आमच्या जिव्हाळ्याचा प्रश्न आहे. विरोधी पक्षनेत्याने सांगितले आहे की, तिथे ग्रामसभेची किंवा इथली परवानगी घेण्यांत यावी. आपण वसईला सक्वारला कुठेतरी चाललो एक कॉमनसेन्स आहे. सगळ्यांना समजते आपल्या घरचा कचरा आपण दुसऱ्याच्या दारात टाकू शकत नाही. तिथली लोक १०० टक्के अपोझिशन करणार. त्याच्यासाटी एक पर्याय ठेवा. फर्स्ट प्रायोरिटी आपण वर्सोवाला देऊ या. तेथून परवानगी न मिळाल्यानंतरच आपण तिथे जाऊया. कारण आम्ही आमच्या घरचा कचरा घरीच कुठेतरी ठेवावा लागेल. दुसऱ्याच्या दारी आम्हाला परवानगी कोणी देणार नाही. ज्या पध्दतीने त्यांनी अटीशर्ती ठेवल्या आहेत त्या अटीशर्तीनुसार कोणीही परवानगी देणार नाही. कोणीही ॲक्सेप्ट करणार नाही. त्यामुळे वर्सोवा जो प्रोजेक्ट आहे त्याची जी लास्टची फॉर्मोलिटी बाकी आहे त्या परमिशनची पूर्तता करण्यांत यावी. ती पूर्तता केल्यानंतर वर्सोवाला प्रोजेक्ट करून एकदमच शक्य नाही झाले तर तिथे हातपाय पुढे चालवण्यांत यावे, अशी मी सुचना मांडतो. पानपट्टे साहेब डम्पींग ग्राऊंडची जागा सिलेक्ट केली. तेव्हा तुम्ही त्यावेळेला नव्हता. ती डोंगरावर हे केले होते. वर्सोवाची जागा आम्ही स्वतः बघून आलो. ती डोंगराच्या पायाखाली आहे. त्याची जी काही प्रक्रिया होईल त्या प्रक्रियेस ती जागा अनुकूल आहे असे आमचे ठाम मत आहे. सकवारची जागा अनुकूल आहे किंवा नाही कारण आम्ही जो त्रास सहन केला आहे तो वसईच्या लोकांना त्रास होऊ नये अशी आमची भावना आहे.

**भगवती शर्मा :-**

मा. महापौर मॅडम सन्मा. लियाकत शेखने जो बोला है हमने वह भी लिखा है। वर्सोवा का भी लिखा है। वसई का भी लिखा है। वर्सोवा के अंदर सभी परमिशन ग्रान्ट किए है। वैसे इस प्रोजेक्ट मे फॉरेस्ट के सिवा बाकी सब परमिशन हमने जो ठराव किया है उसमे यही लिखा है। यह भी है वो भी है। इसके अलावा तळोजा का भी है। तीनो पर्याय खुले है। हमने जमिन खरेदी है, ताबे मे लि है, उसको ताबे मे लेने के अंदर मे उसको सेप्टी करने के लिए कंपाऊंड वॉल ऐसे नेसेसरी काम करने के आर्थिक प्रशासकीय मंजुरी दि जा रही है। इसके लिए इस प्रकल्प में कोई बाधा न डालते हुए इसे सर्वानुमते मंजुरी दि जाए। आपको लगता है

कुछ गलत हो रहा है आप अपली सुचना दिजीए। प्रकल्प होने दिजीए. उत्तन वालो की समस्या बहोत गंभीर है। आंदोलन होकर ४ साल हुआ।

**मा. महापौर :-**

सर्व सन्मा. सदस्यांनी बसून घ्या.

**मा. आयुक्त :-**

आपण ह्यामध्ये म्हटलेले आहे की, सदर जागेचे मुल्य मा.आयुक्तांनी कुठल्याही प्रकारचा अधिकार नसताना परस्पर जमिनीची रक्कम शासनास जमा केलेली आहे. याबद्दल मी ह्या पूर्वीच खुलासा केलेला आहे. ह्यामध्ये मा. महासभेने आयुक्तांना दिलेल्या अधिकाऱ्याचा वापर करून जमिनीचे मुल्य भरलेले आहे. आपण त्या ठरावामध्ये स्पष्टपणे म्हटलेले आहे. मिरा भाईंदर महानगरपालिकेला आरक्षण व्यतिरिक्त विविध सार्वजनिक. प्रयोजनासाठी शासकीय जमिनीची आवश्यकता असते. आरक्षण व्यतिरीक्त इतर शासकीय जमिन महानगरपालिका हस्तांतरण करून घेतल्यानंतर सार्वजनिक. सोयीसुविधा प्रयोजनासाठी वापर करता येऊ शकतो. म्हणून प्रथमतः अशा शासकीय जमिन हस्तांतरीत करून घेण्यासाठी शासनास विविध प्राधिकरणास प्रस्ताव सादर करणे, पाठपुरावा करणे, जागा ताब्यात घेणे आवश्यक आहे. म्हणून मनपाने विविध प्रयोजनासाठी शासकीय जागा मागणे, प्रस्ताव तयार करणे, सादर करणे व पाठपूरावा हस्तांतरण करून घेण्यासाठी आयुक्त मिरा भाईंदर ह्यांना प्राधिकृत करण्यांत येत आहे. उक्त शासकीय जागा संपादित होणाऱ्या खर्चासही आर्थिक व प्रशासकीय मंजुरीसह जागा हस्तांतरण करून घेण्यासाठी सर्व अधिकार आयुक्त मिरा भाईंदर महानगरपालिका ह्यांना देण्यासाठी ही सभा मंजुरी देत आहे. त्या अनुषंगाने ७३ लाख १० हजार भरलेले आहेत. हा एक भाग होता आणि दुसरा भाग असा होता ३१ डिसेंबर पूर्वी जर आपण पैसे भरले नसते तर रेडीरेक्नरमध्ये १० ते २० टक्के वाढ झाली असती आणि ज्यादा पैसे १ जानेवारीला जादा पैसे भरायला लागले असते. जर आपण पैसे भरले नसते. मूळात जाऊन आपण किंमत बघीतली तर ती कोट्यावधी रूपयामध्ये जाईल. पण आपल्या ज्ञानाचा उपयोग करून आपण सर्व संबंधितांना आपण कन्हव्हेनियस करू शकतो आणि ३२ एकर जमिन आपल्याला ७३ लाखाला मिळाली आहे. ह्या परिसरामध्ये दोन सव्वा दोन लाख रूपयाला जमिन आपल्याला कुठेही मिळणार नाही. नविन घनकचरा प्रकल्प तयार करायचा असेल तर जिल्हाधिकारी महोदयाच्या अध्यक्षतेने कमिटी स्थापन करण्यांत आलेली आहे. त्या कमिटीपुढे जाताना आपल्या सर्व संबंधित प्राधिकरणाच्या एन.ओ.सी. घेणे आवश्यक आहे. ते मग महाराष्ट्र प्रादेशिक नियम मंडळ, असे पाटबंधारे विभाग, ग्राऊंड वॉटर सर्व्हे डेव्हलपमेंट एजन्सी, फॉरेस्ट डिपार्टमेंट ह्या सगळ्याची एन.ओ.सी. घेणे आवश्यक आहे. त्या एन.ओ.सी. घेतल्यावरच आपल्याला जिल्हाधिकाऱ्याकडे जाता येईल. एखाद्या प्राधिकरणाने एन.ओ.सी. पाठवलेली नाही किंवा हेतूपुरस्पर विलंब केला तर त्यासाठी आपला प्रकल्प प्रलंबित राहू नये हे सुध्दा अधिकारी जिल्हाधिकारी महोदयाच्या अध्यक्षतेखाली असलेल्या समितीला देण्यांत आलेले आहे. म्हणून आपण जो मुद्दा ह्यामध्ये घातलेला आहे की हा प्रकल्प उभारण्यास प्रशासनाने दिशाभूल केली किंवा उत्तनच्या नागरीकांना फसवणूक करून दाखवण्यासाठी खर्च केला तर त्याची संपूर्ण जबाबदारी प्रशासन व संबंधीत अधिकाऱ्यावर राहील. हे म्हणजे योग्य होणार नाही. प्रशासन जे करते ते जनतेसाठी करते. उद्या जर ह्यामध्ये आणखी काही घटना घडली तर पुन्हा अंगूळी निर्देश होऊ नये म्हणून हे असे होणे योग्य होणार नाही. त्यामुळे आपण असे म्हणा त्यामध्ये अधिकाधिक दक्षता घ्यावी. जेणेकरून आपला खर्च वायफळ खर्च होणार नाही.

**भगवती शर्मा :-**

मा. महापौर मॅडम, हमने जो ठराव किया है उस ठराव मे इनकी ऐसी क्या चीज है जो इसमे नही है। हमारे ठराव में ऐसी क्या चीज आयी नही उसको उसने इक्ल्यूड करीए।

**बर्नड डिमेलो :-**

मा. महापौर मॅडम ह्या ठरावामध्ये काय बदल केला का की अटीशर्ती तशाच ठेवल्या आहेत. मा.महापौर मॅडम आमचे गाऱ्हाणे ऐकून घ्या. ह्या अटीशर्ती करून तुमच्या साऱ्या शहरातील राजकारणामध्ये मी तुम्हाला सांगू इच्छितो की, मिरा भाईंदर महानगरपालिकेने उत्तनमध्ये वेळोवेळी अत्याचार आणि अन्याय केलेला आहे. तुम्ही महापौर असताना तुम्ही आश्वासन दिले होते. तुम्ही सुध्दा गेले होते. आता हे राजकारण कशासाठी. अटीशर्ती कशाला करता.

**नरेंद्र मेहता :-**

अटी काढल्या ना.

**बर्नड डिमेलो :-**

ठरावामध्ये नक्की काय आहे ते वाचून दाखवा, एकच ठराव घ्या आणि त्याच्यात सुचना घ्या.

**हेलन जॉर्जी :-**

मेहता साहेब दुसरा ठराव कशाला मांडता. अटीशर्ती कशाला घालता.

**नरेंद्र मेहता :-**

मा. महापौर मॅडम आम्ही ठराव दिलेला आहे. मा. अतिरीक्त आयुक्तांनी अजुन काय असेल तर सांगावे नाहीतर ठरावावर मतदान घ्या आणि विषय संपवा.

**भगवती शर्मा :-**

आज आप जानबूझकर विषय का विषयांतर कर रहे है। मा.महापौर मॅडम इस सभागृह मे लोगो की यह इच्छा नही है की उत्तन के लोगो को राहत दे। खाली राजनिती के रोटीया सेखने के लिए ठराव मे तरह तरह के अटीशर्ती डाल रहे है। आप सिधा बोलो ना हमको करना नही है। आप लोगो के कारण से यह प्रोजेक्ट शुरू नही हो रहा है।

(सभागृहात गोंधळ)

**शरद पाटील :-**

मा. आयुक्त साहेब ह्रया ठरावात आपल्याला काय अडचणीचे वाटते का?

**भगवती शर्मा :-**

आमच्या ठरावामध्ये काय अडचण आहे. ते तुम्ही सांगा.

**बर्नड डिमेलो :-**

शहरामध्ये ज्या मोठ्या योजना ज्या ज्या वेळी घेतल्या त्यावेळी उत्तनचा कधीच विचार केला नाही. एम.एम.आर.डी.ए.मध्ये भरता केला. सगळ्या ठिकाणी कशाचीही सुट दिली नाही करामध्ये सवलत न देता सगळे टॅक्स त्यांच्यावर लावले आहेत. कुत्र्याच्या लसिकरणाचा दवाखाना तिकडे टाकला, डम्पींग ग्राऊंड तिथे टाकला आता कोणकोणते प्रोजेक्ट तिकडे टाकणार? ह्या राजकारणामुळे स्थानिक लोक ग्रामपंचायत काळामध्ये सुखी जीवन जगत होते. आपले कष्टकरी लोक समुद्रामध्ये जाऊन मासेमारी करणारे शेतकरी लोक राहतात. आणि ह्या बिल्डर लोकांनी शहर वसवले. त्या लोकांना चांगल्या चांगल्या फॅसेलिटी देऊन संपूर्ण कर उत्तन वासियांवर लादलेली आहे. म्हणून हा दिलासा द्यावा. त्यामुळे सर्व सभागृहाला माझी विनंती आहे की, सदर विषयामध्ये कोणही राजकारण न आणता सर्वानुमते ठराव मंजूर करावा, अशी मी विनंती करतो.

**वदंना चक्रे :-**

मा. महापौर मॅडम जो कोणी विरोध करत असेल ना कुजलेला कचरा तिकडे तिकडे नेऊन टाकावा.

**लियाकत शेख :-**

आमची विरोधी पक्षाला विनंती आहे की, ह्या विषयाला जास्त बगल देऊ नका. हा आमच्या उत्तनच्या लोकांचा जीवना मरणाचा प्रश्न आहे. ह्याच्यात नरोपुंजोवाची भुमिका घेऊ नका स्पष्ट भूमिका घ्या की तिथून हलवायचा आहे किंवा नाही. कोणतीही कंडीशन न ठेवता माझी सभागृहाला विनंती आहे की, सदरचा ठराव सर्वानुते मंजूर करावा.

**नरेंद्र मेहता :-**

मा. महापौर मॅडम ह्याला वेगळरूप द्यायची गरज नाही. आम्ही पण ते प्रोजेक्ट नविन बांधाव ह्यासाठी सहमती दिलेली आहे. आमचा त्यामागचा एवढाच हेतू होता की परत असे होता कामा नये की, आपण खर्च करायचा आणि प्रोजेक्ट होत नाही. ज्या काही अटीशर्ती होत्या त्या आम्ही काढल्या. ह्याच्या व्यतिरीक्त मा.आयुक्तांना असे वाटते की, प्रोजेक्टला ह्या लाईनमुळे काय अडचण होते तर आम्ही तयार आहोत आम्हांला सांगा.

(सभागृहात गोंधळ)

**भगवती शर्मा :-**

मा. महापौर मॅडम आमच्या ठरावामध्ये कोणत्या लाईनमध्ये ह्यांना ऑब्जेक्शन आहे.

**जुबेर इनामदार :-**

हा प्रोजेक्ट फक्त उत्तनपर्यंत मर्यादित नाही. उत्तनच्या डम्पींग ग्राऊंडमध्ये पूर्ण शहराचा कचरा जातो.

**हेलन जॉर्जी :-**

आमच्या स्थानिक लोकांवर भरपूर अन्याय झालेला आहे. सर्व गोष्टी उत्तनमध्ये.....

**भगवती शर्मा :-**

आमच्या ठरावामध्ये असे काय घडलेले आहे जे तुम्हाला मान्य नाही.

**गिता जैन :-**

भगवतीजी आमच्या ठरावामध्ये काय असे आहे की, जे तुम्हाला मान्य नाही.

**संदीप पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम माझी अशी विनंती आहे की, दोन ठराव आलेले आहेत दोन्ही ठराव क्लब करून मा. आयुक्तांना निर्णय घेऊ द्या.

**बर्नड डिमेलो :-**

मा. आयुक्त साहेब, माझ्या कारकिर्दीमध्ये ४-४ कमिश्नर आले. मी त्यांना हाच प्रश्न विचारला की शहरामध्ये २००-५०० कोटीची काम घेता. आणि ते काम शहरामध्ये होत नाहीत उत्तर दिले जाते. सी.आर.झेड., मॅग्रोज आणि एम.एम.आर.डी.ए. ह्या प्रकारची उत्तर देऊन प्रत्येक विकासाची काम तिथे केली जात नाही. जाऊ द्या आमची लोक स्वतः सफाई करतील. ऐरवी अख्ख्या शहराची घाण आम्ही सोसून घेतली. उलट उत्तनवासियांचे आभार माणून हा प्रकल्प जातो त्याला सहकार्य करावे. त्याऐवजी तिथेच सगळे राहावे असे तुम्ही करता, म्हणून माझी संपूर्ण सभागृहाला विनंती आहे की, मोठमोठे प्रोजेक्ट घेतले तेव्हा उत्तन

वासियांनी निंदा नालस्ती केली नाही. तुमच्या महापौर कारकिर्दीमध्ये मलनिसारण कर आम्हाला लागलेला आहे. ज्या प्रोजेक्टचा आम्ही वापर करत नाही तो कर आम्ही भरतो.

**नरेंद्र मेहता :-**

मा. महापौर मॅडम बर्नड साहेबांनी जे भाषण केले त्याच्यामध्ये सुचना मांडतो की मलनिःसारण कर ते आजही रेकॉर्डला आहे. आम्ही ठराव मांडलेला आहे.

(सभागृहात गोंधळ)

**बर्नड डिमेलो :-**

सुडबुदध्दी घेऊ नका आणि राजकारण करू नका. शिवसेना आणि भाजपा ह्या सर्वांना सांगतो अजून काय वाटते तुम्हाला.

**संदीप पाटील :-**

उत्तनमधून हटायला पाहिजे हे आमचे उद्दीष्ट आहे.

**निलम ढवण :-**

मा. महापौर मॅडम त्यांनी आपल्या सगळ्या अटीशर्ती मागे घेतल्या आहेत ना. त्यांनी शिवसेनेच नांव घेतल म्हणून सांगते. मेहता साहेबांनी जो ठराव मांडला त्याच्यामधल्या अटीशर्ती त्यांनी मागे घेतल्या. मा. आयुक्तांना पण सांगितले की काय सुधारणा पाहिजे तर मला सांगा मग तुम्ही का ठाम राहता की आमचाच ठराव घ्या म्हणून................

**हेलन जॉर्जी :-**

मॅडम एक ठराव मांडल्यावर दुसरा ठराव मांडायची काय गरज आहे.

**भगवती शर्मा :-**

आमच्या ठरावात काय चूक आहे ते सांगा.

(सभागृहात गोंधळ)

**निलम ढवण :-**

माझे म्हणजे आहे जे झाले आहे त्याच्यावर तुम्ही चर्चा करत असणार का? त्यांनी आपल्या अटीशर्ती मागे घेतल्या विषय संपतो ना. मग तुम्ही का ठाम राहता की आमचाच ठराव घ्या.

**हेलन जॉर्जी :-**

एक ठराव असताना दुसरा ठराव कशाला.

**निलम ढवण :-**

मा. आयुक्त साहेब निर्णय देतील ना.

**बर्नड डिमेलो :-**

आम्ही केलेल्या ठरावामध्ये काय त्रुटी आहेत त्या दाखवा त्या आम्ही कमी करतो.

**निलम ढवण :-**

मा. महापौर मॅडम, मा.आयुक्त साहेब तुम्ही ह्याचे निरसन करून विषय थांबवा.

**बर्नड डिमेलो :-**

मा. आयुक्त साहेब त्यांनी ज्या अटीशर्ती घातल्या होत्या. तर ते सांगतात आम्ही कमी केल्या आहेत. त्या कमी केल्या किंवा जास्त आहेत. त्याचा वाद नाही. अटीशर्ती का? कमी दराने तुमच्या प्रयत्नांनी ती जागा भेटलेली आहे. तिथे प्रोजेक्ट चालू होतो. आपल्याला हा प्रोजेक्ट घालवण्याचा वर्सोवा, तळोजा आणि सकवार हे तीन प्रोजेक्ट आपण चालवलेले आहेत. कुठे व्हायचे तिथे तुम्ही अटीशर्ती देण्यामागचा हेतू काय?

**हेलन जॉर्जी :-**

ठरावामध्ये असताना अटीशर्ती घालायचा प्रश्नच नव्हता. तुमच्या मनाचा मोठेपणा असता तर तुम्ही आमच्याशी सहमत झाले असते. तुम्हाला खरोखर उत्तनच्या लोकांची दया आली असती तर तुम्ही आमच्या बरोबर राहीले असते.

**मॉरस रॉड्रीक्स :-**

तुमचा ठराव पास झाला की भाईंदरवाल्यांना असे वाटेल की तुम्ही हा ठराव आणला आणि तुम्ही सर्व केले आम्ही काही केलेलच नाही.

**भगवती शर्मा :-**

तुमची सुचना घेतो ना.

(सभागृहात गोंधळ)

**बर्नड डिमेलो :-**

मग अटी कशाला देता. मॉरस शेठ आम्हाला श्रेय घ्यायचे नाही. तुमचे उत्तनमध्ये रिसोर्ट आहे.

(सभागृहात गोंधळ)

**हेलन जॉर्जी :-**

सन्मा. मॉरस शेठ तुम्ही चुकीचे बोलता. आम्ही तुमचे रिसोर्ट बंद करणार.

**भगवती शर्मा :-**

आपके ठराव के हिसाब से वह प्रोजेक्ट होना ही नही है। आपकी मानसिकता नही है।

(सभागृहात गोंधळ)

**नरेंद्र मेहता :-**

तुम्हाला निर्णय घ्यायला लागेल. मॅडम दोन ठराव आलेले आहेत. मतदान घेऊन निर्णय द्यायला लागेल. त्यानंतर तहकूब होईल. दोन्ही ठराव झालेले आहेत.

**गिता जैन :-**

शर्माजी आप अगर ७ बजे तक यू ही करते रहेंगे। आप ठराव पास नही होने देंगे तो फीर आप भी चाहते नही की ठराव पास हो।

**भगवती शर्मा :-**

आपने अच्छि बात बोली शहरवासियोको पता चलेगा कौन ठराव चाहता था। कौन नही चाहता था। कौन अटीशर्ती डालना चाहता था।

(सभागृहात गोंधळ)

**हेलन जॉर्जी :-**

मा.महापौर मॅडम तुम्हाला रूलिंग द्यायची नाही का?

**नगरसचिव :-**

सभेची वेळ संपलेली आहे. ७ वाजलेले आहेत.

**मा. महापौर :-**

सभा तहकूब करीत आहे.

**(सभा संपल्याची वेळ :- सायं ७.०० वाजता)**

**सही/-**
**महापौर**
**मिरा भाईंदर महानगरपालिका**

**नगरसचिव**
**मिरा भाईंदर महानगरपालिका**